हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सत्यसाईं संजीवनी हास्पिटल के लाभार्थी बच्चों से मिले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बच्चों ने खुलकर दिल की बात की। मोदी के सवाल पर जवाब देते हुए डाक्टर, टीचर तो किसी ने आर्मी में सैनिक बनकर देश सेवा करने की इच्छा जाहिर की। किसी ने मोदी को कविता सुनाकर, तो किसी ने उनसे हाथ मिलाकर अपनी भावना का प्रदर्शन किया। इस दौरान मोदी ने पानी बचाने और पेड़ लगाकर प्रकृति संरक्षण पर जोर दिया।

- इलाज कराने वाले 6 बच्चों को दिया प्रमाणपत्र 10 बच्चों से की खुलकर बात

आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹88428/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹108000/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹117892/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

anand jewels

Pandri, Raipur

बच्चों से पीएम ने की दिल की बात...बड़े होकर टीचर, डाक्टर तो किसी ने सैनिक बनकर देश सेवा की जाहिर की इच्छा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कार्यक्रम का स्थान था नवा रायपुर का सत्यसाईं संजीवनी हास्पिटल। यहां देशभर के करीब दो हजार बच्चे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने पहुंचे थे। यह वे बच्चे थे, जिन्हें संस्थान में हृदय से संबंधित बीमारी का निशुल्क उपचार का लाभ मिला था। निर्धारित समय पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने बिना झिझक प्रधानमंत्री से अपने दिल की बात कही और उनके सवालों का जबाव दिया। मोदी के सवाल पर बच्चों ने बीमारी, उपचार के साथ अस्पताल में बिताए ⏭ शेष पेज 6 पर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सवालों पर बच्चों ने दिए ऐसे जवाब

- लाभार्थी- मैं हॉकी की चैंपियन हूं, मैंने हॉकी में 5 मेडल जीते हैं, स्कूल में हुई जांच में पता चला कि दिल में छेद हैं, तो मैं यहां पर आई, तो मेरा ऑपरेशन हुआ। बड़ी होकर डॉक्टर बनकर सभी का इलाज करूंगी।
- लाभार्थी- मैंने सोचा ही नहीं था कि मैं कभी आपसे मिल पाऊंगी, आज पहली बार मिली, मुझे बहुत अच्छा लगा। बड़ी होकर डॉक्टर बनना चाहती हूं।
- लाभार्थी- आपको एक स्पीच सुनाना चाहती हूं। प्रधानमंत्री ने कविता सुनने के बाद तारीफ कर बच्ची को प्रोत्साहित किया।
- लाभार्थी- सर मुझे इंजेक्शन से डर भी नहीं लगता था इसलिए मेरा अच्छे से ऑपरेशन हुआ। ⏭ शेष पेज 6 पर

इन बच्चों से हुई चर्चा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लखनऊ के शुभ सिंह, उज्जैन के पीयूष, वाराणसी के विशकांत उपाध्याय, फतेहपुर की मारिया फातिमा, सागर की योगिता यादव, विदिशा की यशिका शर्मा, सुंदरगढ़ की अशिका, वाराणसी के कृष्णा विश्वकर्मा, जौनपुर के ओम, प्रयागराज के इशात जहां से मन की बात की। कार्यक्रम के दौरान संस्थान में सर्जरी के बाद स्वस्थ हुए बस्तर के छवि सोलंकी, गंगटोक सिक्किम के पहल गुप्ता, मिर्जापुर के आर्यन सिंह, असम के रौनक, मेदिनीपुर के मंदिरा छेत्री, जम्मू के परदीप बंदराल को प्रमाणपत्र प्रदान किया।

नवा रायपुर में नया विधानसभा भवन का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधानसभा के मौजूदा विधायकों के साथ फोटो खिंचवाई ।

राज्योत्सव का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री छत्तीसगढ़ी में बोले- जय जोहार, जम्मो भाई-बहिनी, लइका, सियान मन ल गाड़ा-गाड़ा बधाई

मोदी बोले- छग में नया सूर्योदय, नक्सलवाद जल्द होगा खत्म और बढ़ेगी विकास की रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के रजत जयंती महोत्सव में राज्योत्सव का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, छत्तीसगढ़ ने अपनी 25 सालों की यात्रा को पूरा कर लिया है। आज आने वाले 25 सालों के नए युग का सूर्योदय हो रहा है। आप सब अपना-अपना मोबाइल उठाएं और सभी उसकी लाइट को ऑन करें। देखें चारों तरफ नए सपनों का सूरज उगा है। छत्तीसगढ़ में अब नक्सलवाद भी जल्द समाप्त होगा, इसके बाद छत्तीसगढ़ में विकास की रफ्तार में और तेजी आएगी। जब नक्सलवाद के रहते छत्तीसगढ़ में इतना विकास हुआ है, तो आप सोचें नक्सलवाद के समाप्त होने के बाद और कितना विकास होगा। मैंने छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनने से पहले से करीब से देखा है। छत्तीसगढ़ में पहले सड़कों से लेकर हर सुविधा की कमी थी, लेकिन छत्तीसगढ़ के अलग होने के बाद यहां पर विकास की गाथा लिखी गई है। पीएम ने राज्योत्सव के मंच से 14 हजार करोड़ की योजनाओं का भी प्रारंभ किया।

- डा. रमन की तारीफ, कहा- चुनौतियों का सामना कर छग को संवारा, अब सीएम साय का जिम्मा

पीएम मोदी ने अपने उद्बोधन के प्रारंभ में भारत माता की जय के साथ मां दंतेश्वरी, महामाया, बम्लेशवरी और छत्तीसगढ़ महतारी की भी जय-जय कार करवाई। उन्होंने छत्तीसगढ़ी में कहा, जय जोहार, छत्तीसगढ़ के जम्मो भाई, बहिनी, लइका अउ सियान मन ला छत्तीसगढ़ राज्य के 25 साल ⏭ शेष पेज 6 पर

विकास का श्रेय रमन सिंह को

श्री मोदी ने कहा, एक समय वह था, जब छत्तीसगढ़ राज्य नहीं बना था तो यहां पर सड़कों की इतनी ज्यादा कमी थी कि गांवों तक पहुंचना मुश्किल था। आज गांवों तक सड़कों का जाल बिछा है। आज राज्य में 40 हजार किलोमीटर तक सड़कें बनी हैं। नेशनल हाईवे का विस्तार हुआ है। छत्तीसगढ़ के लिए वैसे तो सभी ⏭ शेष पेज 6 पर

अब विकास करने का जिम्मा साय का

पीएम मोदी ने कहा, डा. रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ को विकास के रास्ते पर ले जाने का काम अब इस विकास को आगे बढ़ाने का जिम्मा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का है। साय सरकार अब छत्तीसगढ़ को तेजी से आगे ले जाने का काम कर रही है। काफी कम समय में बहुत से काम हुए हैं। मोदी की गारंटी को भी पूरा करने का काम साय सरकार ने किया है। श्री मोदी ने कहा, जब छत्तीसगढ़ राज्य बना था, तब राज्य में सिर्फ एक मेडिकल कॉलेज था, लेकिन आज छत्तीसगढ़ में 14 मेडिकल कॉलेज हैं।

सीएम साय बोले- अटल जी ने छत्तीसगढ़ बनाया इसको संवारने का काम मोदी जी कर रहे

इसके पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, आज हमारा छत्तीसगढ़ 25 सालों का हो गया है। छत्तीसगढ़ को बनाने का काम हमारे स्वर्गीय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था। उन्होंने छत्तीसगढ़ के लिए जो सपना देखा था, उस सपने को पूरा करने में हम सब जुटे हैं। अटल जी के छत्तीसगढ़ को संवारने का काम ⏭ शेष पेज 6 पर

मोदी ने जाना तीजनबाई और विनोद शुक्ल का हाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने रायपुर प्रवास के दौरान अपनी सहजा और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए अस्वस्थ्य चल रहे पंडवानी लोक गायिका तीजन बाई और कवि विनोद कुमार शुक्ल से फोन पर बातचीत की है। पीएम मोदी को इस बात की जानकारी थी तीजन बाई और विनोद कुमार शुक्ल अस्वस्थ ⏭ शेष पेज 6 पर

भव्य विस भवन के खुले कपाट

मोदी बोले-यह लोकतंत्र का तीर्थस्थल, यहां लिए फैसले छग के भाग्य को देंगे दिशा

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, विधानसभा का जो भवन तैयार हुआ, वो भी पहले किसी दूसरे विभाग का परिसर था। वहीं से छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र की यात्रा नई ऊर्जा के साथ प्रारंभ हुई और आज 25 वर्षों के बाद वही लोकतंत्र, वही जनता, एक आधुनिक, डिजिटल और आत्मनिर्भर विधानसभा के भवन का उद्घाटन कर रही है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

उन्होंने कहा, यह भवन लोकतंत्र का तीर्थ स्थल है। इसका हर स्तंभ पारदर्शिता का प्रतीक है। इसका हर गलियारा जवाबदेही की याद दिलाता है। इसका हर कक्ष जनता की आवाज का प्रतिबिंब है। यहां लिए गए निर्णय दशकों तक छत्तीसगढ़ के भाग्य को दिशा देंगे। यहां कहा गया हर एक शब्द, छत्तीसगढ़ के अतीत, इसके वर्तमान का और इसके भविष्य का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। मुझे विश्वास है, ये भवन आने वाले दशकों के लिए छत्तीसगढ़ की नीति, नियति और नीतिकारों का केंद्र बनेगा।

छत्तीसगढ़ के नए विधानसभा भवन का उद्घाटन करते हुए श्री मोदी ने कहा, छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा के लिए आज का दिन एक स्वर्णिम शुरुआत का दिन है और मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर ये बहुत ही सुखद दिन है, अहम दिन है। मेरा बीते कई दशकों से इस भूमि से बहुत आत्मीय नाता रहा है। एक कार्यकर्ता के ⏭ शेष पेज 6 पर

नए विधानसभा भवन का पीएम मोदी ने किया लोकार्पण

डॉ. रमन की मोदी ने की सराहना

उन्होंने कहा, एक ओर इस सदन के हर कोने में हमारे महापुरुषों के आदर्श हैं, तो वहीं इसकी अध्यक्ष पीठ पर रमन सिंह जैसा अनुभवी नेतृत्व भी है। रमन इस बात का बहुत बड़ा उदाहरण हैं कि एक कार्यकर्ता अपने परिश्रम से, अपने समर्पण भाव से लोकतांत्रिक व्यवस्था को कितना सशक्त बना सकता है। क्रिकेट में तो देखते हैं कि जो कभी कैप्टन रहता है वो कभी टीम में खिलाड़ी बनकर के भी खेलता है, लेकिन राजनीति में ⏭ शेष पेज 6 पर

ये दिन ऐतिहासिक- साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर कहा, छत्तीसगढ़ के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। 1 नवंबर का दिन छत्तीसगढ़ के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से लिखा जाएगा, क्योंकि आज पीएम मोदी छत्तीसगढ़ के रजत जयंती समारोह में शामिल हुए हैं। आज प्रधानमंत्री के करकमलों से हमारे भव्य विधानसभा भवन का लोकार्पण हुआ है, जिसके लिए मैं अपने मंत्री, अधिकारी और समस्त छत्तीसगढ़ वासियों को बहुत बधाई देता हूं।

ये थे मौजूद

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमन डेका, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष, रमन सिंह, प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, केंद्र सरकार में सहयोगी मंत्री ⏭ शेष पेज 6 पर

मोदी ने देखी जनजातीय नायकों की तपस्या अंग्रेजों के खिलाफ उनके विद्रोह को समझा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन किया। इस संग्रहालय में इतिहास के पन्नों में गुम हो चुके छत्तीसगढ़ के जनजातीय वर्ग के उन नायकों के सर्वोच्च बलिदान एवं न्योछावर की गाथाएं प्रदर्शनी के रूप में लगाई गई हैं। प्रदर्शनी को देखकर अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह करने वाले इन नायकों की वर्षों की तपस्या एवं संघर्ष को प्रदेश के साथ दूसरे राज्यों के लोग भी जान पाएंगे। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर संग्रहालय के ⏭ शेष पेज 6 पर

प्रदर्शनी में शहीद वीरनारायण सिंह के विद्रोह-बलिदान की कहानी का वर्णन

संग्रहालय में लगाई गई प्रदर्शनियों में शहीद वीर नारायण सिंह के बलिदान एवं संघर्ष की कहानी भी प्रदर्शनी में दिखाई गई है। शहीद वीर नारायण सिंह प्रदेश के पहले नायक है जिन्होंने सन 1856-1857 में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह किया था। 1856 में भीषण अकाल के दौरान उन्होंने जमाखोरों के गोदाम से अनाज लूटकर गरीब जनता में बांट दिया था, वहीं 1857 में सोनाखान में उन्होंने एक सेना बनाकर अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह किया। इसके बाद अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार कर 10 दिसंबर 1857 को रायपुर के जयस्तंभ चौक पर फांसी दी गई।

50 करोड़ से अधिक की लागत से बना है संग्रहालय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने प्रस्तावित कार्यक्रम के दौरान नवा रायपुर में नवनिर्मित शहीद वीर नारायण सिंह समारक एवं सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय पहुंचे, जहां उन्होंने विधिवत रूप से स्मारक एवं संग्रहालय का उद्घाटन किया। 10 एकड़ में 50 करोड़ रुपए से अधिक लागत से बना संग्रहालय भव्य एवं आकर्षक है। संग्रहालय 16 थीम गैलेरी पर आधारित है। इसमें छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले ⏭ शेष पेज 6 पर

नवा रायपुर के शांति शिखर- एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड का लोकार्पण

पीएम बोले-विश्व शांति के प्रयासों का ब्रम्हकुमारी संस्था होगी प्रमुख केंद्र

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवा रायपुर में ब्रह्माकुमारीज-एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड का शनिवार को लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान में अपनापन है, इसमें शब्द कम सेवा ज्यादा है। ब्रह्माकुमारीज का पहला संबोधन ओम शांति है, इसलिए संस्थान के विचारों का हर किसी के अंतर्मन पर बहुत ही गहरा प्रभाव पड़ता है। आध्यात्म हमें सिर्फ शांति का पाठ ही नहीं सिखाता, अपितु वह हमें हर कदम पर शांति की राह भी दिखाता है। विश्व शांति की अवधारणा भारत के मौलिक विचारों का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में संस्था विश्व शांति के प्रयासों का प्रमुख केंद्र होगी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि मैं शांति शिखर की संकल्पना में दादी जानकी जी के विचारों को साकार होते हुए देख रहा हूं। राज्य के विकास से देश का विकास के मंत्र पर चलते हुए हम भारत को विकसित बनाने के अभियान में जुटे हैं। विकसित भारत की इस अहम यात्रा में ब्रह्माकुमारीज जैसी संस्था की अहम भूमिका है। मोदी ने कहा कि शांति शिखर एकेडमी में साधक वैश्विक शांति का माध्यम बनेंगे। ग्लोबल पीस के मिशन में जितनी अहमियत विचारों की होती है, उतनी ही बड़ी भूमिका व्यावहारिक नीतियों और प्रयासों की भी होती है। भारत उस दिशा में आज अपनी भूमिका पूरी ईमानदारी के साथ निभाने का प्रयास कर रहा है। पूरी दुनिया में कहीं भी संकट आता ⏭ शेष पेज 6 पर

प्रकृति के साथ जीना सीखना होगा

मोदी ने कहा कि आज पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों के बीच भारत पूरे विश्व में प्रकृति संरक्षण की प्रमुख आवाज बना हुआ है। बहुत आवश्यक है कि प्रकृति ने हमें जो दिया है हम उसका संरक्षण और संवर्धन करें। यह तभी होगा जब हम प्रकृति के साथ मिलकर जीना सीखेंगे। हम नदियों को मां, जल में देवता और पौधों में परमात्मा को देखते हैं। इसी भाव से प्रकृति और उसके संसाधनों का उपयोग, प्रकृति में केवल लेने का भाव नहीं, बल्कि उसे लौटाने की सोच, आज यही वे ऑफ लाइफ दुनिया को सेफ फ्यूचर का भरोसा देता है।

कार्यक्रम के प्रमुख अंश

- संस्थान के अतिरिक्त महासचिव डॉ. बीके मृत्युंजय ने प्रधानमंत्री का स्वागत खुमरी और माला पहनाकर किया।
- संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी जयंती दीदी ने शॉल भेंट कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सम्मान किया।
- परिसर में पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी और प्रधानमंत्री मोदी की आकर्षक रंगोली भी सजाई गई।
- लोकार्पण समारोह के लिए नवा रायपुर में बनाए गए शांति शिखर भवन में आकर्षक रोशनी की गई थी।

'जशप्योर ब्रांड' के तैयार उत्पाद की पीएम ने की सराहना

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस और रजत जयंती समारोह के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जशपुर जिले के स्व सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया और जशप्योर ब्रांड' के अंतर्गत तैयार उत्पाद महुआ लड्डू, महुआ कैंडी, महुआ टी, महुआ हेक्टर संग्रह आदि को देखा और उनकी गुणवत्ता की सराहना की।

छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस रजत जयंती समारोह के अवसर पर ट्राइबल म्यूजियम, नवा रायपुर अटल नगर में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जशपुर जिले की महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित जशप्योर ब्रांड' के अंतर्गत तैयार किए गए उत्पाद महुआ लड्डू, महुआ कैंडी, महुआ टी, महुआ हेक्टर संग्रह आदि को देखा और उनकी गुणवत्ता की सराहना की। साथ ही उन्होंने जशपुर की पारंपरिक हस्तकला 'छिंद कांसा टोकरी' (हाथ से बनी बांस व छिंद की टोकरियां) की जानकारी ली। उन्होंने स्थानीय संसाधनों से बनी इस कलाकृति की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने समूह की दीदी

अनिता भगत और अन्नेश्वरी भगत से बातचीत की तथा उनके उत्कृष्ट कार्य और आजीविका सशक्तिकरण के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर बगीचा विकास खंड की विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा लखपति दीदी मनकुंवर बाई भी उपस्थित थीं। उन्होंने कहा कि जशपुर जैसे दूरस्थ अंचलों की महिलाएं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की सशक्त मिसाल हैं और उनके उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना गर्व की बात है।

सीएम जशपुर के उत्पादों को बढ़ावा देने कर रहें प्रयास

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जशपुर के उत्पादों को बढ़ावा देने सार्थक प्रयास कर रहे हैं। महिलाओं द्वारा उत्पाद की जबरदस्त मांग बनी हुई है। तैयार जशप्योर ब्रांड के माध्यम से स्थानीय आदिवासी स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों को विभिन्न राज्यों जैसे पुणे, दिल्ली, मध्यप्रदेश, उड़ीसा आदि अन्य राज्यों में प्रदर्शनी लगाई गई। जहां प्रदर्शनी का अवलोकन कर लोग बड़ी मात्रा में खरीदी भी किए हैं और उत्पाद को भी पसंद किया जा रहा है। जिला प्रशासन जशपुर की पहल पर जशप्योर ब्रांड का पुणे के विभिन्न स्थानों पर नियमित स्टॉल लगाई जा रही है। जहां जशपुर जिले के स्थानीय कच्चे माल से बने उत्पादों को प्रदर्शित किया जा रहा है जो जशपुर की आदिवासी महिलाओं द्वारा तैयार किया गया है। ये उत्पाद अपनी शुद्धता और स्वास्थ्य लाभ के कारण उच्च मांग में हैं, क्योंकि इनमें कोई रसायन नहीं होता है। जिससे वे बाजार के अन्य उत्पादों की तुलना में एक स्वस्थ विकल्प बन जाते हैं। महुआ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के उत्पाद जैसे महुआ सिरप (शहद का महुआ आधारित विकल्प), महुआ आधारित चीनी मुक्त च्यवनप्राश विकल्प फॉरेस्ट गोल्ड वन्य प्राश और बाजरा पास्ता के नियमित ग्राहक प्राप्त कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त छिन्द घास के हाथ से बने टोकरियां त्यौहारी मौसम के दौरान उच्च मांग में हैं।

मोदी का जैकेट पाटा कोटी, ढोकरा मोमेंटों ने बनाया यात्रा को यादगार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दौरा छत्तीसगढ़ की परंपरा, संस्कृति और कला में नजर आया। उन्होंने पाटा कोटी जैकेट पहना जो छत्तीसगढ़ की पारंपरिक कला और जनजातीय संस्कृति के प्रति उनके लगाव को दिखाता है। वहीं एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया गया। उसका कवर पेज छत्तीसगढ़ के शिल्पकारों ने तैयार किया। साथ ही प्रधानमंत्री को जो मोमेंटों प्रदान किया गया वह छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध ढोकरा शिल्पकला की नायाब कलाकारी थी।

मोदी ने पहना था पाटा कोटी जैकेट

प्रधानमंत्री श्री मोदी रायपुर के कार्यक्रमों में पाटा कोटी जैकेट पहुंचे थे। यह छत्तीसगढ़ की पारंपरिक कला और जनजातीय संस्कृति के प्रति उनके गहरे सम्मान का प्रतीक है। पाटा कोटी छत्तीसगढ़ की पारंपरिक पाटा बुनाई, ढोकरा कला और बैगा जनजाति के टैटू जैसे विशिष्ट सांस्कृतिक तत्वों का अद्भुत संगम है। बस्तर की यह दुर्लभ और विलुप्तप्राय परंपरा 2-3 रंगों के हाथों से रंगे धागों से पारंपरिक करघों पर बुनी जाती है। इन कपड़ों में बाघ, मोर और हिरण जैसे जीव-जंतुओं की आकृतियां उकेरी जाती हैं।

ढोकरा कॉफी टेबल बुक

पीएम मोदी ने विशेष कॉफी टेबल बुक मोदी की गारंटी का विमोचन किया। पुस्तक का कवर स्थानीय काष्ठ शिल्पकारों द्वारा तैयार किया गया है। इस पर बस्तर की सुप्रसिद्ध ढोकरा कला के माध्यम से छत्तीसगढ़ के नक्शे को उकेरा गया है साथ ही आदिवासी सांस्कृतिक प्रतीकों की आकर्षक सज्जा की गई है। पुस्तक में 'मोदी की गारंटी' के अंतर्गत राज्य में चल रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विशेषकर बस्तर संभाग में हुए विकास और जन सशक्तिकरण के प्रेरणादायक उदाहरणों को चित्रों और आलेखों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

ढोकरा मोमेंटो

पीएम को ढोकरा मोमेंटो दिया गया। यह मोमेंटो यहा के जनजातीय कलाकारों द्वारा बनाया गया है। यह ढोकरा कला से निर्मित है, जिसे बस्तर के जनजातीय समाज के शिल्पकारों ने अपने हाथों से गढ़ा है। इस मोमेंटो में छत्तीसगढ़ राज्य की 25 वर्ष की गौरवमयी यात्रा को उनकी कला के माध्यम से उकेरा गया है, जिसमें राज्य की प्रगति, संस्कृति और आत्मगौरव की गाथा झलकती है।

पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के लिए 1200 करोड़ रुपये की किस्त जारी

छत्तीसगढ़ स्थापना की रजत जयंती पर पीएम मोदी ने दी 14 हजार 230 करोड़ की सौगात

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे होने पर सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे प्रमुख सेक्टरों से जुड़ी 14,260 करोड़ रुपये से अधिक की विकासात्मक और रूपांतरकारी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन योजनाओं में प्रधानमंत्री ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करने के लिए छत्तीसगढ़ के नौ जिलों में 12 नए स्टार्ट-अप ग्राम उद्यमिता कार्यक्रम (एसवीईपी) ब्लॉकों का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री 3.51 लाख पूर्ण हो चुके घरों के गृह प्रवेश समारोह में शामिल हुए और प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत 3 लाख लाभार्थियों को 1200 करोड़ रुपये की किस्तें जारी की। राज्यभर के ग्रामीण परिवारों के लिए इससे सम्मानजनक आवास और सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा तक बनेगा फोर लेन हाईवे

प्रधानमंत्री ने कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए पत्थलगांव-कुनकुरी से छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा तक चार लेन वाले ग्रीनफील्ड हाईवे की आधारशिला रखी। इसे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा भारतमाला परियोजना के तहत लगभग 3,150 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा है। यह रणनीतिक गलियारा कोरबा, रायगढ़, जशपुर, रांची और जमशेदपुर में प्रमुख कोयला खदानों, औद्योगिक क्षेत्रों और इस्पात संयंत्रों को जोड़ेगा।

आरडीएसएस 1860 करोड़ की सौगात

प्रधानमंत्री ने पुनरोद्धार वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत लगभग 1,860 करोड़ रुपये के कार्यों को समर्पित किया। इनमें नई बिजली लाइनों का निर्माण, फीडर का विभाजन, ट्रांसफार्मरों की स्थापना, कंडक्टरों का रूपांतरण और ग्रामीण एवं कृषि बिजली आपूर्ति में सुधार के लिए निम्न-दाब नेटवर्क को सुदृढ़ करना शामिल है। राज्य में बिजली की पहुंच और गुणवत्ता को और बढ़ाने के लिए कई जिलों में नए आरडीएसएस कार्यों के साथ-साथ कांकेर और बलौदाबाजार-भाटापारा में प्रमुख सुविधाओं सहित 1,415 करोड़ रुपये से अधिक के नए सबस्टेशनों और ट्रांसमिशन परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

नारायणपुर-महाराष्ट्र सीमा और ओडिशा सीमा तक सड़क

प्रधानमंत्री ने इसके अतिरिक्त, बस्तर और नारायणपुर जिलों में कई खंडों में फैले राष्ट्रीय राजमार्ग-130डी (नारायणपुर-कस्तूरमेटा-कुतुल-नीलांगुर-महाराष्ट्र सीमा) के निर्माण और उन्नयन की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राजमार्ग-130सी (मदंगमुडा-देवभोग-ओडिशा सीमा) को पक्के शोल्डर वाले दो-लेन राजमार्ग में उन्नत करने का भी उद्घाटन किया। इससे जनजातीय और सुदूरवर्ती क्षेत्रों में सड़क संपर्क में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और बाजारों तक पहुंच में सुधार होगा और दूरदराज के क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

बिजली की अधोसंरचना सुदृढ़ करने करोड़ों का शिलान्यास

प्रधानमंत्री विद्युत क्षेत्र में अंतर-क्षेत्रीय ईआर-डब्ल्यूआर इंटरकनेक्शन परियोजना का उद्घाटन किया, जिससे पूर्वी और पश्चिमी ग्रिडों के बीच अंतर-क्षेत्रीय विद्युत अंतरण क्षमता में 1,600 मेगावाट की वृद्धि होगी, ग्रिड विश्वसनीयता में सुधार होगा और पूरे क्षेत्र में स्थिर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी। प्रधानमंत्री इसके साथ ही 3,750 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई ऊर्जा क्षेत्र परियोजनाओं का लोकार्पण, उद्घाटन और शिलान्यास किया।

6 जिलों में 480 करोड़ की लागत से 8 बिजली सबस्टेशन बनेंगे

प्रधानमंत्री ने रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, बेमेतरा, गरियाबंद और बस्तर जैसे जिलों में लगभग 480 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नौ नए बिजली सबस्टेशनों का भी उद्घाटन किया। इनसे स्थिर वोल्टेज सुनिश्चित होने, कटौती कम होने और सुदूरवर्ती तथा जनजातीय क्षेत्रों में भी विश्वसनीय बिजली उपलब्ध होने से 15 लाख से अधिक लोगों को लाभ होगा।

पांच नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों में आयुर्वेद कॉलेज व अस्पताल

प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए पांच नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों मनेंद्रगढ़, कबीरधाम, जांजगीर-चांपा और गीदम (दंतेवाड़ा) और बिलासपुर में सरकारी आयुर्वेद कॉलेज तथा अस्पताल की आधारशिला रखा।

दो स्मार्ट औद्योगिक क्षेत्र और फार्मास्युटिकल पार्क की आधारशिला

प्रधानमंत्री ने औद्योगिक विकास और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए दो स्मार्ट औद्योगिक क्षेत्रों, एक जांजगीर-चांपा जिले के सिलादेही-गतवा-बिर्रा में और दूसरा राजनांदगांव जिले के बिजलेटला की आधारशिला रखा।

नागपुर-झारसुगुड़ा प्राकृतिक गैस पाइप लाइन का लोकार्पण

प्रधानमंत्री ने लगभग 1,950 करोड़ की लागत से निर्मित 489 किलोमीटर लंबी नागपुर-झारसुगुड़ा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का भी लोकार्पण किया। यह परियोजना भारत के ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को 15 प्रतिशत तक बढ़ाने और "एक राष्ट्र, एक गैस ग्रिड" का लक्ष्य अर्जित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

ननकीराम को मिली तवज्जो मंत्री-विधायक प्रोटोकाल में फंसे

झलकियां

- विधानसभा परिसर में प्रवेश के लिए मंत्री, विधायक को ही वाहन समेत भीतर जाने की अनुमति दी गई, लेकिन उन्हें अपने पीएसओ, ओएसडी और पीए को बाहर छोड़ने कहा गया। इससे कई मंत्री विधायक असहज नजर आए।
- पूर्व मंत्री और पूर्व विधायकों को गेट नंबर 3 से प्रवेश करने की व्यवस्था दी गई थी, लेकिन कई वरिष्ठ नेता लगभग एक किलोमीटर चलकर जाने में पस्त हो गए। बाद में सुरक्षाकर्मियों ने बैटरी चलित वाहन से बुजुर्ग नेताओं को भीतर पहुंचाया।
- कई वरिष्ठ नेताओं को भी पीएम की सभा में सुरक्षा के लिए कड़ी जांच से होकर गुजरना पड़ा। इस दौरान कुछ नेता जहां खामोशी से जांच में सहयोग करते नजर आए। वहीं कई नेता सुरक्षा में लगे अधिकारियों पर नाराज होते भी नजर आए।
- पूर्व मंत्री ननकीराम कंवर जैसे ही गेट नंबर तीन पर पहुंचे, सुरक्षा अधिकारियों ने तुरंत एक्टिव होकर उन्हें भीतर पहुंचाया। इस दौरान मीडिया के लिए भी वे आकर्षण का केंद्र बने रहे।
- मंत्री रामविचार नेताम भाजपा के संगठन महामंत्री पवन साय को साथ लेकर पहुंचे। वहीं डिप्टी सीएम विजय शर्मा और संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप पैदल ही भीतर जाने की कोशिश करते नजर आए। बाद में दोनों नेताओं को सुरक्षाबलों ने वाहन समेत भीतर जाने का आग्रह किया।
- विधानसभा परिसर में सभी विधायकों का एक रंग का जैकेट भी चर्चा में रहा। एकरुपता प्रदर्शित करने के लिए सभी विधायकों को ब्राउन रंग का जैकेट पहनने कहा गया था। हालांकि कुछ विधायक अलग परिधान में भी नजर आए।
- विधानसभा परिसर में पीएम का स्वागत करने के लिए राज्यपाल से लेकर मुख्यमंत्री और स्पीकर से लेकर नेता प्रतिपक्ष भी कतार में लगे नजर आए। पीएम मोदी भी सभी के एक रंग के जैकेट को देखकर मुस्कुराए बगैर नहीं रह सके।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग्रुप फोटो के दौरान कई वरिष्ठ विधायकों से भी मिलते और कुशलक्षेम पूछते नजर आए। विधानसभा परिसर में ही डॉ. रमन सिंह के परिवार के सदस्य भी पीएम मोदी से मिले।
- विधानसभा के सदन में प्रवेश करने के बाद पीएम काफी देर तक धान की थीम पर बने फॉल्स सीलिंग और सदन की छत को निहारते रहे। डॉ. रमन सिंह ने उन्हें विधानसभा की बारीकियों की जानकारी दी।
- पीएम मोदी के मंच पर पहुंचने के पहले ही राज्यपाल, मुख्यमंत्री, स्पीकर समेत सभी अतिथि मंच पर पहुंच गए थे। मंच पर पीएम मोदी की एंट्री भी गरिमापूर्ण और प्रभावी रही।
- पीएम मोदी के भाषण में डॉ. रमन सिंह का उल्लेख परिसर के भीतर से लेकर बाहर तक चर्चा का केंद्र बना रहा।

एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री का सभी मंत्री और सांसदों ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को छत्तीसगढ़ के 25वें स्थापना दिवस के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। सुबह 9.40 बजे स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर उनके स्वागत के लिए प्रदेश सरकार के सभी मंत्री, सांसद और विधायक शामिल हुए। वहीं उनके दिल्ली रवाना होने के दौरान एयरपोर्ट पर संगठन के सभी मोर्चा अध्यक्ष और भाजपा पदाधिकारी शामिल थे। राज्य के राज्योत्सव के मौके पर आयोजित कार्यक्रमों हिस्सा लेने पहुंचे पीएम मोदी का एयरपोर्ट आगमन के दौरान भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, मंत्री रामविचार नेताम, ओपी चौधरी, श्यामबिहारी जायसवाल, टंकराम वर्मा, लक्ष्मी राजवाड़े, राजेश अग्रवाल, गजेंद्र यादव, लखन देवांगन, महापौर मीनल चौबे, विधायक लता उसेंडी शामिल थी। केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, सांसदों में बृजमोहन अग्रवाल, रूप कुमारी चौधरी, विजय बघेल, भोजराज नाग, मोहन मंडावी, राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह सहित कई अन्य नेता शामिल हुए। वहीं पीएम मोदी राज्योत्सव के शुभारंभ के बाद शाम 5 बजे एयरपोर्ट पहुंवे, यहां से वापस दिल्ली के लिए रवाना हुए। इस दौरान भाजपा मोर्चा प्रकोष्ठ के सभी अध्यक्ष मौजूद थे। विभा अवस्थी अध्यक्ष महिला मोर्चा, राहुल टिकरिहा, अध्यक्ष भाजयुमो, हर्षिता पांडेय, प्रदेश मंत्री अमित साहू सहित अन्य प्रदेश पदाधिकारी और नेता मौजूद रहे।

10-10 बेड के दो अस्थायी हास्पिटल, चक्कर आने पर एक आईपीडी पहुंचा

ड्यूटी के दौरान बिगड़ी तबीयत, राज्योत्सव स्थल पर हो रहा जरूरी इलाज, पहले डेढ़ सौ की ओपीडी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

लगातार ड्यूटी के दौरान तबीयत बिगड़ने पर कर्मचारियों को राज्योत्सव स्थल पर ही आवश्यक इलाज की सुविधा मिल रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बनाए गए अस्थायी अस्पताल की पहले दिन की ओपीडी में डेढ़ सौ लोगों ने अपना इलाज कराया। यहां 10-10 बेड की आईपीडी में चक्कर आने की शिकायत पर एक मरीज को दाखिल भी किया गया। ओपीडी में आने वाले बदन दर्द, चक्कर और कमजोरी जैसी शिकायत के साथ पहुंच रहे थे।

स्वास्थ्य विभाग ने राज्योत्सव स्थल पर पांच दिनों तक जुटने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए वहां अस्थायी अस्पताल बनाया है। 10-10 बेड के इस अस्थायी हास्पिटल में जरूरी दवाओं के साथ प्रारंभिक जांच की मशीनें भी रखी गई हैं। यहां पांच दिनों तक 24 घंटे डाक्टर सहित अन्य चिकित्सकीय स्टाफ अपनी सेवा देंगे। राज्य स्थापना के पहले दिन की ओपीडी में डेढ़ सौ मरीजों की जांच और इलाज किया गया। ओपीडी में पहुंचने वाले ज्यादातर लोग राज्योत्सव में ड्यूटी करने वाले कर्मचारी थे, जो शरीर में दर्द, थकान जैसी शिकायत लेकर पहुंचे थे। दिनभर ड्यूटी कर रहे कई पुलिस कर्मियों ने भी वहां आकर अपनी बीपी-शुगर की जांच कराई। इस बीच मेला स्थल पर मौजूद एक कर्मचारी को चक्कर आने की शिकायत लेकर कुछ लोग अस्थायी हास्पिटल पहुंचे थे। युवक की जांच के बाद उसे कुछ देर भर्ती कर रखा गया, फिर स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

निजी अस्पताल के डाक्टर भी

पहले दिन राज्योत्सव स्थल पर सरकारी के साथ निजी अस्पताल के डाक्टरों को भी तैनात किया गया था। मेडिकल ऑफिसर आने वाले मरीजों की जांच करने के बाद उन्हें आवश्यक सलाह भी देते रहे। इसी तरह अन्य स्थानों पर भी लगाए गए स्वास्थ्य विभाग के अस्थायी कैंप में लोगों को बीपी-शुगर के साथ अन्य तरह की जरूरी दवाओं का वितरण किया गया। सीएमएचओ डा. मिथिलेश चौधरी ने मौजूदा स्टाफ को अस्पताल में जरूरी दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखने के निर्देश दिए हैं।

बिलासपुर

रविवार 2 नवंबर 2025

कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वादशी

वर्ष : 25, अंक : 219

पृष्ठ : 10+6 = 16 मूल्य : 5.00***

मौसम

अधि. 30.7

न्यून. 22.9

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

महिला वन डे विश्व कप

वर्ल्ड चैंपियन बनने से एक कदम दूर भारत

मुंबई। भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेला जा रहा महिला विश्व कप 2025 अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। रविवार को भारतीय महिला टीम इतिहास रच सकती है। भारतीय महिला टीम का दक्षिण अफ्रीका से फाइनल में सामना होगा। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच महिला विश्व कप 2025 का फाइनल मुकाबला दोपहर 3:00 बजे से खेला जाएगा। इससे आधे घंटे पहले यानी 2:30 बजे टॉस होगा। दोनों टीमें पहली बार ट्रॉफी के लिए जोर लगाएंगी। नवी मुंबई का डीवाई पाटिल स्टेडियम भी इतिहास रचने के लिए तैयार है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच महिला विश्व कप 2025 के फाइनल मुकाबले का लाइव प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क के टीवी चैनलों पर होगा जबकि इस मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार एप पर होगी।

महिला क्रिकेट टीम आज रचेगी इतिहास

एसबीआई क्रेडिट कार्ड से पेमेंट करना महंगा, तीन दिनों में जीएसटी का रजिस्ट्रेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

1 नवंबर से आम लोगों की जेब और बैंकिंग सुविधाओं से जुड़ी कई अहम चीजें बदल गई। रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय के नए नियम 1 नवंबर 2025 से लागू हो गए हैं। इनमें बैंक खातों में चार नॉमिनी जोड़ने की सुविधा, एसबीआई क्रेडिट कार्ड पर नया 1% शुल्क, यूनिफाइड पेंशन स्कीम की नई डेडलाइन और पेंशनर्स के लिए जीवन प्रमाण पत्र जमा करने का प्रोसेस शामिल है। छोटे और कम जोखिम वाले व्यवसायों को तीन कार्यदिवसों के भीतर जीएसटी पंजीकरण मिल जाएगा। ▶▶शेष पेज 6 पर

एक नवंबर से बदल गए बैंक से जुड़े कई नियम, छोटे व्यापारियों के लिए भी राहत की खबर

बैंक खातों में जोड़ सकेंगे चार नॉमिनी

अब बैंक ग्राहकों को नॉमिनेशन के मामले में बड़ी राहत मिल गई है। बैंक खाते में चार तक नॉमिनी जोड़ सकते हैं, जबकि पहले सिर्फ एक ही व्यक्ति को नामित करने की अनुमति थी। नई व्यवस्था के तहत ग्राहक चाहें तो सभी नॉमिनियों को एक साथ या क्रमवार तरीके से जोड़ सकते हैं।

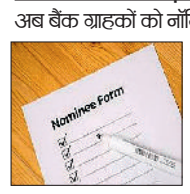

यूनिफाइड पेंशन स्कीम की तारीख 30 नवंबर

केंद्र सरकार ने कर्मचारियों को राहत देते हुए यूनिफाइड पेंशन स्कीम में शामिल होने की अंतिम तारीख बढ़ाकर 30 नवंबर 2025 कर दी है। पहले यह डेडलाइन 30 सितंबर थी, लेकिन कर्मचारियों और विभिन्न विभागों की मांग पर इसे दो महीने आगे बढ़ाया गया।

एसबीआई कार्ड पर 1% चार्ज

एसबीआई कार्ड ने अपने चार्ज स्ट्रक्चर में बदलाव किया है। क्रेडिट कार्ड, चेक या मोबीक्विक जैसे थर्ड-पार्टी ऐप से किसी स्कूल या कॉलेज की फीस भरते हैं, तो अब आपको 1% एक्स्ट्रा चार्ज देना होगा। सीधे स्कूल या कॉलेज की वेबसाइट या उनके पीओएस मशीन के माध्यम से पेमेंट करते हैं, तो कोई एक्स्ट्रा चार्ज नहीं लगेगा।

पेंशनर्स के लिए जीवन प्रमाण पत्र

1 नवंबर से केंद्रीय और राज्य सरकार के पेंशनर्स के लिए जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसे डिजिटल रूप से जीवन प्रमाण पोर्टल पर या बैंक और पोस्ट ऑफिस जाकर जमा किया जा सकता है। अंतिम तिथि 30 नवंबर 2025 तय की गई है। अगर आपने 30 नवंबर तक लाइफ सर्टिफिकेट जमा नहीं किया, तो पेंशन मिलने में दिक्कत आ सकती है।

खबर संक्षेप

आईएएस कोचिंग सेंटरों पर 16 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने उपभोक्ता संरक्षण कानून, 2019 के अंतर्गत गुमराह करने वाले विज्ञापनों, अनुचित व्यापार कार्य प्रणालियों और उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन में लिप्त होने के लिए आईएएस दीक्षांत और आईएएस अभिमनु के खिलाफ अंतिम आदेश पारित किया है। प्रत्येक पर आठ-आठ लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। दोनों मामलों में सीसीपीए ने सफल यूपीएससी उम्मीदवारों से प्राप्त अभ्यावेदन पर संज्ञान लिया, जिनके नाम और तस्वीरों का उपयोग उनकी सहमति के बिना उनके परिणामों का श्रेय लेने वाले विज्ञापनों में किया गया था।

आंध्र प्रदेश में बड़ा हादसा, एकादशी पर दर्शन के लिए उमड़ी थी भीड़

वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़, रेलिंग में फंसकर 10 श्रद्धालुओं की गई जान

एजेंसी ▶▶| काशीबुग्गा

काशीबुग्गा श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूर्वाह्न करीब 11:30 बजे भगदड़ हुई। श्रीकाकुलम के जिलाधिकारी स्वप्निल दिनकर पुंडकर ने कहा, कुल 10 लोगों की मौत हुई है। इनमें से सात की मौत घटनास्थल पर और तीन की मौत इलाज के दौरान हुई। उन्होंने बताया कि मृतकों में अधिकतर महिलाएं शामिल हैं। गृह मंत्री वी. अनीता ने कहा कि इस घटना में कम से कम पांच लोग घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि मृतकों में कम से कम सात की उम्र 35-40 वर्ष के बीच है। गृह मंत्री के अनुसार, मंदिर पहली मंजिल पर ऊंचाई पर स्थित है और जब श्रद्धालु चढ़ ▶▶शेष पेज 6 पर

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में स्थित काशीबुग्गा श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार को दर्दनाक हादसा हो गया। कार्तिक मास की एकादशी पर यहां दर्शन के लिए भारी भीड़ उमड़ी थी। इसी दौरान अचानक भगदड़ मच गई, जिसमें अब तक 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। इनमें 8 महिलाएं और 2 बच्चे हैं। 25 से ज्यादा लोगों का इलाज चल रहा है।

एकादशी को 5 घंटे में करीब 25 हजार लोग पहुंचे,महिलाएं और बच्चे चिल्लाते रहे, लोग रौंदते गए

क्यों हुआ हादसा

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस हादसे की सबसे बड़ी वजह सिर्फ एक ही एंट्री और एक्जिट पाइंट सामने आई है। श्रद्धालुओं का आना-जाना एक ही गेट से हो रहा था। इससे अफरा-तफरी की स्थिति बनी और कुछ ही मिनटों में पूरा माहौल हड़कंप में बदल गया। बैरिकेडिंग नहीं की गई थी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कोई सुरक्षाकर्मी मौजूद नहीं था। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि मंदिर प्रबंधन या आयोजकों ने राज्य सरकार या स्थानीय प्रशासन से कोई अनुमति नहीं ली थी।

निर्माणाधीन स्थल ने और बढ़ाई मुसीबत

जहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ इकट्ठी हुई थी, वह क्षेत्र निर्माणाधीन है। वहां मिट्टी, पत्थर, गड्ढे और लोहे की रॉड्स खुले पड़े थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लोग दर्शन के लिए आगे बढ़ रहे थे।

प्रशासक पर 'गैर-इरादतन हत्या' का केस दर्ज

सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। एसपी महेश्वर रेड्डी ने बताया कि मंदिर के प्रशासक हरिमुकुंद पांडा पर 'गैर-इरादतन हत्या' आईपीसी की धारा 304 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

राष्ट्रपति, पीएम ने जताया दुख

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम में स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार को भगदड़ मचने से श्रद्धालुओं की मौत पर दुख व्यक्त किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भगदड़ के कारण हुए जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त किया और राज्य सरकार से पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने का आग्रह किया।

व्हाइट कालर क्राइम देश की अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय हित को नुकसान पहुंचाता है : हाईकोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हाईकोर्ट ने सिंडिकेट बनाकर कोयला परिवहन पर जबरन अवैध कोल लेवी वसूली के आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि व्हाइट कॉलर क्राइम देश की अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय हित को नुकसान पहुंचाता है और आर्थिक अपराध जानबूझकर व्यक्तिगत लाभ पर नजर रखते हुए समुदाय पर पड़ने वाले परिणामों की परवाह किए बिना किया जाता है।

ध्यान रहे कि आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो की शिकायत पर एसीबी ने अपराध पंजीबद्ध कर रायगढ़ के रामगुड़ी पारा निवासी ▶▶शेष पेज 6 पर

आर्थिक अपराधों को गंभीरता से देखना जरूरी

जेल में बंद आरोपी ने मामले की सुनवाई में विलंब होने व उसके खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं होने के आधार पर जमानत आवेदन पेश किया था। जस्टिस नरेन्द्र कुमार व्यास की एकलपीठ में सुनवाई हुई। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि आवेदक ने ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया है जिससे यह साबित हो कि ट्रायल सिर्फ अभियोजन की वजह से लेट हो रहा है। आवेदक के वकील की ओर से यह भी कहा गया कि आवेदक को अवैध रूप से गिरफ्तार किया गया है क्योंकि आवेदक के खिलाफ कोई सीधा सबूत नहीं है।

आखिरकार दस माह से निरंतर जारी कटुता से परिपूर्ण व्यापारिक और कूटनीतिक कशमकश के पश्चात अमेरिका और चीन एक व्यापारिक समझौते पर पहुंच ही गए हैं। अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति चिनफिंग के मध्य दक्षिण कोरिया में संपन्न हुई कूटनीतिक वार्ता का परिणाम अब दुनिया के सामने आ चुका है। अमेरिका अब चीन में निर्मित वस्तुओं से टैरिफ को घटा दिया है। अब अमेरिका द्वारा फेंटानिल टैरिफ को 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। इस समझौते के मुताबिक चीन अब अमेरिका से बड़ी मात्रा में सोयाबीन का आयात करने के लिए भी तैयार हो गया है। चीन के साथ रेयर मिनरल सप्लाई के व्यापार मुद्दे को भी सुलझा लिया गया है। विश्व में अमेरिका एवं चीन क्रमशः प्रथम व द्वितीय शक्तिशाली देश हैं। संभवतः यह एक अद्वितीय कूटनीति है, जो या तो सार्वजनिक स्तर पर अब तक समझी नहीं जा सकी है अथवा चीन, भारत व रूस के कर्ताधर्ता इसे भलीभांति समझकर समय-समय पर विभिन्न स्वरूपों में उत्पन्न होने वाली अपनी-अपनी कूटनीतिक भूमिकाएं निभा रहे हैं। अब इंतजार भारत और अमेरिका के बीच होने वाले व्यापार समझौते का है। ये कैसा होगा इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

अमेरिका-चीन का ट्रेड सीजफायर

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

विगत दस महीनों से व्यापारिक प्रतिशोध की भावना से ओतप्रोत होकर चीन और अमेरिका एक-दूसरे पर एक से बढ़कर एक टैरिफ आयाद करते चले गए। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और चीन राष्ट्रपति चिनफिंग के मध्य दक्षिण कोरिया में संपन्न हुई कूटनीतिक वार्ता का परिणाम अब दुनिया के सामने आ चुका है। ट्रंप ने फरमाया कि अमेरिका अब चीन में निर्मित उन वस्तुओं पर आयद किए गए टैरिफ को घटा देगा, जिन्हे अमेरिका द्वारा टैरिफ युद्ध के दौरान किया गया था। ताकतवर देशों की अंतहीन लालची हवस ने दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है।

प्रेसिडेंट ट्रंप के दूसरी दफा अमेरिकन राष्ट्रपति पद पर आसीन हो जाने के तत्पश्चात, फरवरी 2025 से अमेरिका और चीन के मध्य टैरिफ के विकराल सवाल पर संघर्षपूर्ण कूटनीतिक और व्यापारिक तनाव देखा गया है। विगत दस महीनों से व्यापारिक प्रतिशोध की भावना से ओतप्रोत होकर चीन और अमेरिका एक-दूसरे पर एक से बढ़कर एक टैरिफ आयाद करते चले गए। महत्वपूर्ण खनिज संपदा, जिनको रेयर मिनरल भी कहा जाता है, सेमीकंडक्टर्स, जिन्हें आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग की रीढ़ करार दिया जाता है, सोयाबीन आदि अनेक वस्तुओं के आयात-निर्यात के जटिल प्रश्नों पर अमेरिका और चीन के मध्य जबरदस्त व्यापारिक और कूटनीतिक तनाव का निरंतर दीदार होता रहा। आखिरकार विगत दस माह से निरंतर जारी कटुता से परिपूर्ण व्यापारिक और कूटनीतिक कशमकश के पश्चात अमेरिका और चीन एक व्यापारिक समझौते तक आखिरकार पहुंच ही गए हैं। अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप और चीन राष्ट्रपति जिनपिंग के मध्य दक्षिण कोरिया में संपन्न हुई कूटनीतिक वार्ता का परिणाम अब दुनिया के सामने आ चुका है।

डोनाल्ड ट्रंप का यू-टर्न

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फरमाया कि अमेरिका अब चीन में निर्मित उन वस्तुओं पर आयद किए गए टैरिफ को घटा देगा, जिन्हे अमेरिका द्वारा टैरिफ युद्ध के दौरान आयद किया गया था। अब अमेरिका द्वारा फेंटानिल टैरिफ को 20 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी फरमाया है कि व्यापारिक समझौते के मुताबिक चीन अब अमेरिका से बड़ी मात्रा में सोयाबीन का आयात करने के लिए भी तैयार हो गया है। चीन के साथ रेयर मिनरल सप्लाई के व्यापार मुद्दे को भी सुलझा लिया गया है। गौरतलब है कि मनमाने तौर पर टैरिफ आयाद करने में प्रेसिडेंट ट्रंप ने दोस्त और दुश्मन दोनों तरह के मुल्कों को कदाचित नहीं बख्शा। राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अपने पहले कार्यकाल में भी चीन के विरुद्ध ट्रेड वार का आगाज अंजाम दिया गया था। डोनाल्ड ट्रंप का नजरिया रहा कि चीन अनुचित तौर पर व्यापारिक नीतियां अख्तियार करता है। फरवरी 2025 में डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के ऊपर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ आयाद करने का ऐलान किया था। इसके प्रतिउत्तर में चीन ने अमेरिका के विरुद्ध 20 प्रतिशत टैरिफ आयद कर दिया था। अमेरिका के लिबरेशन डे ऐतिहासिक अवसर पर डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर 34 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की बाकायदा धमकी दी थी।

टैरिफ से सप्लाई चेन टूटी

चीन और अमेरिका के मध्य जारी टैरिफ युद्ध के कारण मैन्युफैक्चरर्स और ट्रेडर्स दोनों ही विकट संकट में आ गये। चीन के गोदामों में मैन्युफैक्चर्ड माल का विशाल अंबार लग गया। अमेरिकन कम्पनियां बेहद हताश निराश होकर घबरा उठीं। जटिल प्रश्न उठा खड़ा हुआ कि आखिरकार मैन्युफैक्चरर्स और ट्रेडर्स रातों-रात अपने निर्मित माल की सप्लाई चेन बरकरार रखने के लिए एकदम नया विकल्प किस तरह से ढूंढ निकाल सकते हैं। प्रेसिडेंट ट्रंप द्वारा प्रारंभ किए गए वैश्विक टैरिफ युद्ध के दौरान ही अमेरिकन प्रशासन द्वारा ट्रांसशिपमेंट पर भी प्रबल निशाना साधा गया, ताक चीन में निर्मित सामान को वियतनाम, कंबोडिया, लाओस आदि साम्यवादी देशों के माध्यम से अमेरिका को कदाचित भेजा नहीं जा सके। अमेरिका द्वारा प्रारंभ किए गए टैरिफ युद्ध के दौरान चीन एक कदम भी पीछे नहीं हटा।

एग्रीकल्चर प्रोडक्ट पर निशाना

चीन द्वारा अमेरिका के एग्रीकल्चर सेक्टर को प्रबल निशाना बनाया गया। सोयाबीन जैसे एग्रीकल्चर प्रोडक्ट पर अत्यधिक टैरिफ आयद कर दिया गया। दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रंप ने एप्पल और वालमार्ट आदि अमेरिकन कंपनियों को चीन के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर से पृथक करने की जबरदस्त कोशिशें अंजाम दी, किंतु बड़ी अमेरिकन कंपनियों को अनेक रियायतें प्रदान कर देने के कारण, डोनाल्ड ट्रंप की चीन के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का बायकॉट करने की पॉलिसी बेहद कमजोर होकर नाकाम सिद्ध हो गई। कूटनीतिक तौर पर चीन द्वारा अनेक दफा दोहराया गया कि वह अमेरिका के साथ बातचीत के लिए तत्पर है। किंतु प्रबल आत्मविश्वास से परिपूर्ण चीन हुकूमत ने बाकायदा ऐलान किया कि टैरिफ युद्ध में चीन एक कदम भी पीछे नहीं हटेगा। चीन द्वारा रेयर मिनरल्स का निर्यात अमेरिका को तत्काल रोक देने की उद्घोषणा ने अमेरिका को हतप्रभ करके रख दिया। उल्लेखनीय है कि चीन के रेयर मिनरल्स पर अमेरिकन मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की निर्भरता सर्वाधिक बनी रही है। उल्लेखनीय है कि चीन में ही 70 प्रतिशत रेयर मिनरल्स का उत्पादन किया जाता है। चीन द्वारा अमेरिका को सप्लाई किए जाने वाले रेयर मिनरल्स की उपयोगिता स्मार्टफोन से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों और आधुनिकतम उद्योगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

कोल्ड वॉर का नया दौर शुरू

चीन के इस कठोर कदम के बाद अमेरिका द्वारा ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया और जापान आदि देशों के साथ अनेक समझौते अंजाम दिए गए हैं, ताकि चीन के अतिरिक्त भी अनेक देशों के मिनरल स्रोतों से अमेरिका के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को रेयर मिनरल्स निरंतर हासिल होते रह सकें। वैश्विक कूटनीति के अनेक प्रमुख जानकारों का विचार है कि अमेरिका और चीन दो मुख्तलिफ ध्रुवों पर खड़े हुए बुनियादी तौर पर धुर विरोधी चरित्रों के मुल्क हैं। विश्व पटल पर अघोषित तौर पर कोल्ड वॉर का दौर एक दफा फिर से शुरू हो चुका है। अघोषित कोल्ड वॉर में एक तरफ रूस, चीन, ईरान, उत्तरी कोरिया, वेनेजुएला, क्यूबा, दक्षिण अफ्रीका आदि अनेक देश हैं। दूसरी तरफ अमेरिका के नेतृत्व में नाटो सैन्य संगठन के यूरोपीय राष्ट्र हैं।

अतः अमेरिका और चीन के मध्य कोई भी समझौता स्थाई आकार कदाचित ले ही नहीं सकता। यह वस्तुतः एक अस्थाई संतुलनकारी व्यापारिक समझौता है। दोनों देश पहले से ही अगले व्यापारिक युद्ध की तैयारी में बाकायदा जुटे हुए हैं। विश्व पटल पर नव साम्राज्यवाद निरंतर जीवित बना रहा है। यह भी एक कटु सत्य है कि विश्व पटल पर अनेक बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाएं कायम हैं, जिनमें भारत की अर्थव्यवस्था भी शामिल हैं। प्रायः सभी देशों की अर्थव्यवस्थाएं परस्पर व्यापारिक टकरावों से थक चुकी हैं। अतः सारी दुनिया को लूट लेने की विनाशकारी हवस भी कायम बनी रही है। ताकतवर देशों की अंतहीन लालची हवस ने दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। यदि तीसरा विश्व युद्ध घटित हुआ तो ना विजयी होने वाला देश बचेगा ना पराजित होने वाला देश बचेगा।

शांति की दस्तक या नए शीतयुद्ध की शुरुआत

ट्रंप-शी मुलाकात

प्रो. आरके जैन

स्वतंत्र पत्रकार

वैश्विक मंच पर दो महाशक्तियों, अमेरिका और चीन, के बीच तनाव की गूंज अब हर अर्थव्यवस्था, हर बाजार और हर कूटनीतिक गलियारे तक पहुंच चुकी है। यह तनाव कोई साधारण विवाद नहीं, बल्कि एक ऐसी रणनीतिक जंग है, जो वैश्विक व्यापार, तकनीक और भू-राजनीति की धुरी को हिला सकती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एशियाई यात्रा, जो 26 अक्टूबर को मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर से शुरू हुई, केवल एक औपचारिक दौरा नहीं है। यह एक शतरंज की बिसात है, जहां टैरिफ की धमकियां, दुर्लभ पृथ्वी खनिजों के प्रतिबंध और ताइवान जैसे संवेदनशील मुद्दे चालों का हिस्सा हैं। इस यात्रा का चरम बिंदु है ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंगकी छह साल बाद पहली आमने-सामने मुलाकात, जो 30 अक्टूबर को दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दौरान हुई। यह मुलाकात न केवल अमेरिका-चीन संबंधों को नया आकार देगी, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं, शेयर बाजारों और भू-राजनीतिक संतुलन को भी प्रभावित करेगी। सवाल हर किसी के मन में है-क्या यह मुलाकात ट्रेड वॉर की आग को ठंडा करेगी, या इसे और भड़काएगी? ट्रंप का यह पांच दिवसीय मिशन आसियान शिखर सम्मेलन से शुरू होकर जापान और दक्षिण कोरिया तक फैला है। ट्रंप का का लक्ष्य नए व्यापार समझौते करना है, ऐसे समझौते जो अमेरिकी कंपनियों को एशियाई बाजारों में गहरी पैठ दें और टैरिफ से राजस्व की धारा को मजबूत करें। कुआलालंपुर में ट्रंप ने आसियान नेताओं के साथ वार्ता शुरू की, जहां उन्होंने क्षेत्रीय व्यापार साझेदारी को बढ़ाने का वादा किया। लेकिन सबकी नजरें जापान पर टिकी हैं, जहां वे नई प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची से मिलकर अमेरिकी उद्योगों विशेषकर ऑटोमोबाइल और प्रौद्योगिकी में निवेश की प्रतिबद्धताएं हासिल करने की कोशिश करेंगे। जापान, जो ट्रंप के पहले कार्यकाल में व्यापार घाटे के दबाव में रहा, अब सतर्क कदम उठा रहा है। दक्षिण कोरिया में, जहां 31 अक्टूबर से 1 नवंबर तक एपेक सम्मेलन होगा, ट्रंप का एजेंडा और भी महत्वाकांक्षी है। वे कोरियाई नेताओं के साथ ऑटोमोबाइल पर 25% टैरिफ में राहत जैसे द्विपक्षीय समझौते पक्के करने की कोशिश करेंगे, साथ ही शी चिनफिंग के साथ एक 'लंबी और महत्वपूर्ण' बैठक एजेंडे में हैं। इस यात्रा का असली दांव अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर है, जो 2018 से सुलग रहा है और ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में फिर लपटें उठा रहा है। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अब टैरिफ की लड़ाई से आगे बढ़कर तकनीकी और रणनीतिक वर्चस्व की जंग में उलझी हैं। ट्रंप ने हाल ही में चीनी सामानों पर 100% तक टैरिफ की धमकी दी थी, जिसके जवाब में चीन ने दुर्लभ पृथ्वी खनिजों (रेयर अर्थ) जैसे नियोडिमियम और डिस्प्रोसियम पर निर्यात प्रतिबंध कड़े कर दिए। ये खनिज सेमीकंडक्टर, स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहन और हथियार प्रणालियों के लिए अपरिहार्य हैं, और अमेरिका इनका 80% से ज्यादा चीन से आयात करता है। विशेषज्ञ इसे शी का 'पावर प्ले' मानते हैं, जो वार्ता की मेज पर उनकी स्थिति को मजबूत करता है। लेकिन इस मुलाकात में उद्देश्य आधे रास्ते तय कर चुके हैं। ट्रंप के प्राथमिक लक्ष्य हैं, रेयर अर्थ निर्यात पर राहत, फेंटेनिल तस्करी पर चीनी कार्रवाई और अमेरिकी सोयाबीन खरीद की बहाली, जो मिडवेस्ट के किसानों के लिए संजीवनी है। 2018-19 के ट्रेड वॉर में अमेरिकी किसानों को 28 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था, और अब चीन की सोयाबीन खरीद रोकने की रणनीति ट्रंप के ग्रामीण वोट बैंक को सीधे निशाना बना रही है। ट्रंप इसे 'फैंटास्टिक डील' बनाने की बात कहते हैं, जिसमें चरण एक समझौते का पालन, टैरिफ में स्थिरता और अमेरिकी फर्मों को चीनी बाजार में ज्यादा पहुंच शामिल है। शी चिनफिंग की रणनीति गहरी और धैर्यपूर्ण है। ट्रंप के पहले कार्यकाल से सबक लेते हुए, वे टैरिफ के झटके सहने को तैयार हैं। इसका कारण यह है कि अमेरिका अब चीन के निर्यात बाजार का सिर्फ चौथा हिस्सा है, और सोयाबीन जैसे संसाधनों के लिए चीन ने ब्राजील जैसे विकल्प तलाश लिए हैं। लेकिन शी घरेलू चुनौतियों से जूझ रहे हैं, 17% से ज्यादा युवा बेरोजगारी, एवरग्रैंड जैसे रियल एस्टेट संकट, और 100 ट्रिलियन युआन का स्थानीय सरकारी कर्ज, जो चीन की 5% विकास दर को धीमा कर रहे हैं। दोनों की यह मुलाकात शांति का क्षण लाएगी, या तनाव का नया अध्याय खोलेगी? यह सवाल न केवल वाशिंगटन और बीजिंग, बल्कि टोक्यो,

> ***इस यात्रा का असली दांव अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर है, जो 2018 से सुलग रहा है। दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अब टैरिफ की लड़ाई से आगे बढ़कर तकनीकी और रणनीतिक वर्चस्व की जंग में उलझी हैं।***

छत्तीसगढ़ के 25 साल कुछ सपने पूरे, कुछ बाकी

रविन्द्र कुमार श्रीवास्तव

छत्तीसगढ़ राज्य को जन्मे पच्चीस वर्ष हुए। आनंद एवं आयोजन का दिन है, उसी तरह जैसे जन्मे बालक या बालिका के युवा अवस्था के प्राप्त कर लेने पर। वह युवा या युवती जो शारीरिक रूप से विकास को प्राप्त है। आकर्षक है और जिसने लगभग एक आवश्यक स्तर की शिक्षा भी प्राप्त कर ली है, लेकिन जिसकी जीवन यात्रा जिम्मेदारियों से भरी अब इसके बाद प्रारंभ होती है। इसके बाहु में बल है, ललाट में तेजस्व है, आंखों में सपने हैं मगर उसे बुद्धि और समझ की भी आवश्यकता है। इसी तरह हमारा राज्य युवा अवस्था को प्राप्त हो गया है। इसका शारीरिक विकास तो होता दिखा है लेकिन बहुत और की जरूरत है। इसकी यात्रा में अभी प्रथम चरण इसने पूरा किया है। यह इसकी यात्रा का आरंभ है, अंत नहीं। कुछ सपने पूरे हुए हैं, कुछ होने की राह में हैं और कुछ को पूरा होने में समय लगेगा। अगर मनोइच्छा है तो जरूर होंगे। मगर यह सपना आम आदमी को देखना होना होगा और उसे ही पूरा करना होगा। राजनैतिक एवं प्रशासनिक तंत्र तो केवल साधन मात्र हैं। उन पर निर्भरता आवश्यकता से अधिक व्यर्थ है एवं अनुचित भी। अगर हम चाहते हैं कि हमारे घर के साथ साथ, घर का बाहर एवं आसपास साफ-सुथरा हो तो यह जिम्मेदारी हमें स्वयं लेनी होगी। बहरहाल, जब पच्चीस वर्ष का युवा बड़ा सफर आरंभ करने के पूर्व एक चौराहे पर खड़ा होता है तो उसे एक समावलोकन और आत्मचिंतन अवश्य करना चाहिए क्या हासिल किया और क्या करना है? मैं मानता हूं मेरी तरह बहुत से लोग इस अवसर पर बहुत कुछ सोचते होंगे। ऐसा ही नहीं बल्कि और अच्छा भी सोचते होंगे। सोचने के अलावा चलिए आसपास देखें भी। एक हिस्से में सड़कें चौड़ी हो गई हैं मगर यातायात सुरक्षित नहीं है, नई ऊंची-ऊंची इमारतें खड़ी हो गई हैं, मगर घर नहीं है। जगमगाहट है, चकाचौंध है, बिजली की लेकिन दिव्य रौशनी नहीं है। एक वर्ग समृद्ध हुआ है। धनवान और अधिक धनवान हुआ है साथ बलवान भी हुआ है, प्रभावशाली है, शक्ति का केंद्र है, मगर बड़ी संख्या में अभागे लोग, अभी भी न्यूनतम जीवन स्तर को जीने के लिए सूनी आंखों से टकटकी लगाए बैठे हैं। उनकी आशा, निराशा में बदल रही है। बड़े-बड़े बाजार, शॉपिंग माल में महंगे ब्रांड के माल बिक रहे हैं वहीं छोटे-छोटे बाजार जहां ताजा फल सब्जियां मिलती हैं, उजड़ रहे हैं। कहीं एक वर्ग के लोग बड़े भोग विलास के साथ भोजन करते हैं और मजे की बात है, जो खाते हैं उससे अच्छा अपने पालतू श्वान को खिला देते हैं या बचा हुआ कूड़े में फेक देते हैं। बहुत से लोग कहीं-कहीं हफ़्ते में लगने वाले हाट में नून चाउर ख़रीदकर गुजारा करने की कोशिश करते हैं। ऐसी दशा को मैं विकास नहीं मानता। इसे एक दुर्भाग्यपूर्ण पैराडॉक्स मानता हूं। ऐसा दृश्य मुझे वैसा ही लगता है जैसे अमीर पिता के धन का दोहनकर अक्सर उनके सपूत कपूत धन प्रदर्शन करते हुए शहरों एवं आसपास उछल कूद करते दिखते हैं। छत्तीसगढ़ में अपार नैसर्गिक प्राकृतिक धन संपदा है, कुछ लोग इसका दोहन अपनी धन संपदा के लिए करने में सफल हैं। वो लोग विकास का चेहरा नहीं हो सकते।

मैं मानता हूं राज्य के अंदर अधोसंरचना के विकास के अलावा, आम नागरिक का व्यक्तिगत बौद्धिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विकास आवश्यक है। समग्र रूप से हर व्यक्ति का जीवन स्तर विकसित होना चाहिए। गरीबी मुश्किमरी नाम लेने वाल भी कोई न हो। मैं चाहता हूं, राज्य एक समृद्ध संस्कृति का केंद्र बने। बौद्धिक क्षमता, सोच विचार की शक्ति बढ़े। सकारात्मक प्रतियोगिता का जज़्बा हर व्यक्ति के अंदर जागृत हो। मानवता के लिए कुछ कर गुजरने की आग अंदर जल उठे। उपलब्धियों के नए कीर्तिमान व्यक्ति विशेष के बनें। लोग व्यापारिक नहीं वैज्ञानिक बनें। सोच में विज्ञान का समावेश हो, अंधविश्वास का अंधेरा नहीं। जिनमें सामर्थ्य है वे समाज शोषक नहीं समाज सेवक बनें। राज्य में तंत्र हावी न हो बल्कि प्रजा के लिए प्रजा के अधीन हो। लोक नीतियों का निर्माण आम जनता की राय शुमारी से, उनकी भागीदारी से पारदर्शिता के साथ विशुद्ध मन एवं प्रण के साथ हो। हर सरकारी निर्णय का प्रयोजन लोभ लुभावन न हो; कुछ कठोर, अप्रिय निर्णय भी हों। लोकप्रियता की लालसा में सर्वहारा वर्ग का अहित न हो। तंत्र का मंत्र हो; अस्पताल, स्कूल, कॉलेज को धर्म स्थलों से अधिक महत्व मिले। धर्म और भक्ति के नाम पर स्मारक न बनाए जायें, प्रभु का वास किसी स्थान विशेष पर नहीं बल्कि हृदय में हो। आस्था की आजादी हो। धार्मिक रीतियों का अर्थ मन में पीड़ा प्रेम और करुणा हो और ये सब व्यक्ति पर छोड़ दिया जाए। उस पर भावना के तोल मोल में बोझ न लादा जाये।

-लेखक वरिष्ठ अधिवक्ता हैं।

अमेरिका से चीन निर्यात

12 लाख करोड़ ट्रेड

- एयरोस्पेस उत्पाद और पुर्जे
- मूलभूत रसायन
- कोयला और पेट्रोलियम गैस
- संचार और सेवा उद्योग मशीनरी
- कंप्यूटर उपकरण
- विद्युत उपकरण
- विद्युत उपकरण और सामान
- इंजन और टर्बाइन
- फल और सूखे मेवे
- सामान्य प्रयोजन मशीनरी
- औद्योगिक मशीनरी
- समुद्री उत्पाद
- मांस उत्पाद
- चिकित्सा उपकरण और आपूर्ति
- विविध फसलें
- विविध निर्मित धातु उत्पाद
- विविध निर्मित वस्तुएं
- मोटर वाहन पुर्जे
- मोटर वाहन
- नेविगेशनल और मापन उपकरण
- अलौह धातु उत्पाद
- तेल और गैस
- तिलहन और अनाज
- फार्मास्युटिकल उत्पाद और दवाएं
- प्लास्टिक उत्पाद व अन्य

कार्टूनिस्ट की नजर में...

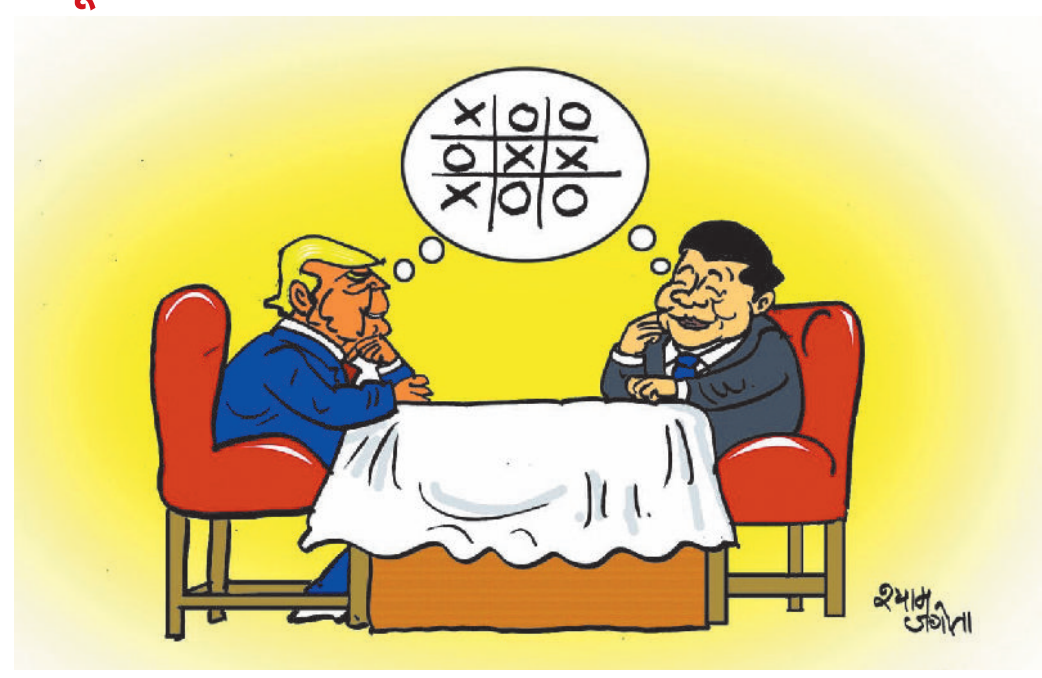

चीन से अमेरिका निर्यात

36.8 लाख करोड़ ट्रेड

- इलेक्ट्रॉनिक्स : स्मार्टफोन, कंप्यूटर, टेलीविजन, और अन्य उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक सामान
- मशीनरी : औद्योगिक मशीनें, उपकरण, और यांत्रिक पार्ट्स
- कपड़े और टेक्सटाइल : कपड़े, जूते, और अन्य वस्त्र उत्पाद
- खिलौने और खेल का सामान : बच्चों के खिलौने, गेमिंग उपकरण, और खेल से संबंधित उत्पाद
- फर्नीचर : बेड, सोफा, टेबल, और अन्य घरेलू फर्नीचर
- प्लास्टिक और रबर उत्पाद : रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुएं जैसे कंटेनर, पैकेजिंग सामग्री आदि
- ऑटोमोबाइल पार्ट्स : वाहनों के लिए कलपुर्जे और सहायक उपकरण

2023 के आंकड़ों के अनुसार, चीन से अमेरिका को होने वाला कुल निर्यात लगभग 500 अरब डॉलर से अधिक का था। ये उत्पाद सस्ती कीमत और बड़े पैमाने पर उत्पादन की वजह से अमेरिकी बाजार में लोकप्रिय हैं।

गरीब की दीपावली... आत्मनिर्भरता एवं गरीब कल्याण

विचार

शिवप्रकाश

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी पिछले 3-4 माह पूर्व से स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता को अपनाने का आग्रह देशवासियों से कर रहे हैं । वैसे तो 2014 में उनकी सरकार बनने के बाद उन्होंने 'मेक इन इंडिया','मेक फॉर वर्ल्ड' जैसे संकल्पों के आधार पर भारत को विदेशी निर्भरता कम करने एवं आत्मनिर्भरता अपनाने का मंत्र दिया था । इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए कोरोना काल में 'वोकल फॉर लोकल' का उद्घोष भी उन्होंने किया ।विश्व में अस्थिर होती अर्थव्यवस्थाओं का परिणाम भारत पर भी पड़ेगा, इस दूरदृष्टि के आधार पर उन्होंने स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता को अपनाने का संकल्प पुनः देशवासियों के सम्मुख दोहराया। 15 अगस्त के अपने भाषण "मन की बात" तथा अलग-अलग स्थानों पर होने वाले अपने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जीने अलग-अलग प्रकार से स्वदेशी का आह्वान किया।

देश भर में 2-3 माह का यह समय उत्सवों का कालखंड रहता है ।गणेश उत्सव, विजयदशमी, दीपावली, छठ पूजा एवं उससे जुड़े अनेक धार्मिक उत्सव, कुछ प्रदेशों में उनके अपने नव वर्ष का प्रारंभ, मुस्लिम समाज में मनाया जाने वाला ईद जैसे त्यौहार समाज में उत्साह एवं उमंग का संचार करते हैं । घरों में प्रकाश, परस्पर शुभकामनाओं के लिए भेंट, मिष्ठान वितरण, नए वस्त्रों का पहनना एवं एक दूसरे को उपहार देना समाज का स्वाभाविक चलन है । इस कालावधि में 2 अक्टूबर महात्मा गाँधी जी की जयंती खादी दिवस के रूप में भी मनायी जाती है। समाज की यह परंपरा एवं उत्साह स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता का आधार बने इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आह्वान किया कि 'नया समान स्वदेशी ही खरीदेंगे, घर सजाएंगे स्वदेशी से, जिंदगी बढ़ाएंगे स्वदेशी से।' एक दूसरे स्थान पर उन्होंने कहा कि गणेशोत्सव में स्वदेशी उत्पाद, उपहार वही जो भारत में बना हो, पहनावा वही जो भारत में बुना हो, सजावट वही जो भारत में बने सामान से हो,रोशनी वही जो भारत में बने सामान से हो । श्रम एवं श्रमिक वर्ग को महत्त्व प्रदान करते हुए उन्होंने कहा कि 'पैसा किसी का सामान हमारा, जो प्रोडक्शन होगा उससे महक मेरे देश की मिट्टी की होगी, मेरे भारत माँ की होंगी।'

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का यह आह्वान केवल भावनात्मक नहीं, इसके पीछे समाज के आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से पिछड़े समाज के आर्थिक सशक्तिकरण का ही था। प्राचीन भारतीय समाज एक स्वावलंबी इकाई के स्वरूप में कार्य करता था एवं प्रत्येक वर्ग का कार्य भी परंपरा के रूप में निर्धारित था। महात्मा गांधी जी ने हिंद स्वराज पुस्तक में इसका उल्लेख भी किया है । इन त्यौहारों में उपयोग होने वाली आवश्यक वस्तुओं का यदि हम अध्ययन करते हैं तब हमको

स्मरण आएगा कि यह समाज के जनसंख्या की दृष्टि से अधिकतम वर्ग अति पिछड़ा एवं दलित वंचित-समाज द्वारा निर्मित होते हैं। यह वर्ग पिछड़े वर्ग का 50% से भी अधिक भाग है। जैसे दीपावली पर उपयोग होने वाले दीपक, खादी एवं हथकरघा की बनी वस्तुएं, मोमबत्ती, पटाखे, पुष्प मालाएं, खिलौना, पूजा की सामग्री, जूते, आभूषण, ज्वेलरी, मिष्ठान आदि सामानकुम्हार (प्रजापति),चर्मकार ,कुटीर एवं लघु उद्योगों में कार्य करने वाली महिलाएं, छोटे कारीगर,जनजाति समाज द्वारा वनोपज से निर्मित स्थानीय उत्पाद, ज्वेलरी बिकती है बड़े प्रतिष्ठानो में पर उसके निर्माण में लगने वाले स्थानीय कारीगर एवं कारीगरी के लिये जाने वाले बंगाल के शिल्पकार संपूर्ण देश में मिलते हैं । छोटे-छोटे उत्पादो को ठेले, रेहड़ी-पटरियों पर बेचकर अपना अर्थोपार्जन करने वालो का त्यौहार इसी आमदनी से मनाया जाता है । कलांतर में यह सभी समान विदेशों से आयात होने के कारण, गरीब का रोजगार छिन गया। खिलौने, झालर, पटाखे एवं साज-सज्जा के सभी समान पर विदेशी बाज़ार का कब्जा हो गया, जिसके कारण गरीब की दीपावली भी गरीबी में चली गयी।

दीपावली 2025 के अब तक के सीएआईटी (कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स) के सर्वेक्षण के अनुसार 5.40 लाख करोड़ का व्यवसाय व्यापारिक गतिविधियों के द्वारा हुआ जो कि 2024 में कुल 4.25 लाख करोड़ था। व्यापार में 25 % की वृद्धि गत वर्ष की तुलना में हुई। सहकार एवं कृषि क्षेत्र के बिना भी यह 9 करोड़ छोटे-छोटे व्यावसायिक इकाइयों का प्रतिनिधित्व करती है। सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर)में भी 65,000 करोड़ का व्यवसाय किया गया है ।72% व्यापारी मानते हैं कि व्यापार में यह उछाल जीएसटी की कमी के कारण आया है। 87% खरीदारों ने स्वदेशी सामान खरीदकर मोदी जी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है। अनुमान के अनुसार 50 लाख लोगों को अल्पकालिक रोजगार भी उपलब्ध हुआ है। कुल बिक्री में छोटे-छोटे शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों का 28% योगदान है। केंद्र सरकार द्वारा चालित कुम्हार सशक्तिकरण प्रोग्राम, वस्त्र उद्योग, धातु-काम कारीगर, लकड़ी कारीगर, बांस उद्योग आदि को एमएसएमई द्वारा प्रोत्साहन भी मिला है।

ताजा बाजार एनालिटिक्स रिपोर्ट के अनुमान के अनुसार भारत का फेस्टिवल सीजन कंज्यूमर खर्च 12 से 14 लाख करोड़ होगा। प्रधानमंत्री जी के आह्वान खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फ्रैशन (**Khadi for Nation**, **Khadifor Fashion**) के कारण 2104 की तुलना में खादी की बिक्री में 447%बढ़ी है । 2014 में यह बिक्री 3154 करोड़ की तुलना में 2025 में1.71 लाख करोड़ हुई है । इस वृद्धि के कारण 10 लाख से अधिक खादी के क्षेत्र में नए रोजगार सृजित हुए है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपने चिंतन में अंत्योदय (गरीब कल्याण) को ही प्रमुख स्थान दिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान का परिणाम है कि यह दीपावली समाज के सभी वर्गों में उत्साह के साथ- साथ पिछड़े,दलितों एवं महिलाओं को सशक्तिकरण एवं रोजगार देने वाले बनी है। त्यौहार से अर्जित राशि बाजार की क्रय शक्ति को बढ़ाएगी जिससे हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, जिसके कारण दुनिया के सभी कुचक्रों का प्रतिकार हम कर सकेंगे। अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता केवल कुछ अवसर पर नहीं बल्कि हमारे जीवन का स्थायी मंत्र बनना चाहिए।

- लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं।

समुद्र की आंख... एलवीएम-3 रॉकेट आज होगा लॉन्च

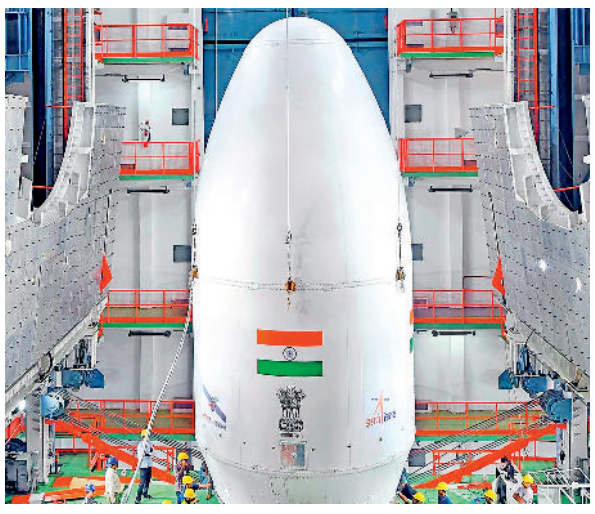

इसरो के यूट्यूब चैनल पर देख सकते हैं लाइव

यह उपग्रह भारतीय नौसेना के लिए है बहुत खास

समुद्री इलाकों में संचार को मजबूत करेगा यह

शाम 5:26 बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से होगी

नई दिल्ली। भारत का प्रसिद्ध लॉन्च व्हीकल एलवीएम-3 रॉकेट 2 नवंबर को अपनी पांचवीं उड़ान भरेगा। यह उड़ान एलवीएम-3-एम5 के नाम से जाना जाएगा। इस उड़ान में भारत का सबसे भारी संचार उपग्रह सीएमएस-3 अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। यह उपग्रह भारतीय नौसेना के लिए बहुत खास है। यह न केवल समुद्री इलाकों में संचार को मजबूत करेगा, बल्कि ऑपरेशन सिंदूर जैसे महत्वपूर्ण अभियानों से सीखे गए सबकों को भी मजबूत करेगा। यह उपग्रह नौसेना को 'समुद्री आंख' देगा। मतलब, समुद्र में हर चाल पर नजर रहेगी। इससे भारत की समुद्री सीमाओं की रक्षा और मजबूत होगी।

भारतीय नौसेना की बढ़ेगी ताकत

सुरक्षा बढ़ेगी : नौसेना के अधिकारी रीयल-टाइम में दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रख सकेंगे।

समन्वय आसान : अलग-अलग जहाजों के बीच बातचीत तेज होगी, जिससे अभियान सफल होंगे।

समुद्री सुरक्षा : हिंद महासागर, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी जैसे इलाकों में निगरानी मजबूत होगी।

इसरो का सबसे ताकतवर लॉन्च व्हीकल

एलवीएम-3 भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो का सबसे ताकतवर लॉन्च व्हीकल है। इसका पूरा नाम लॉन्च व्हीकल मार्क-3 है। यह रॉकेट भारी सामान को अंतरिक्ष में ले जाने के लिए बनाया गया है। अब तक की चार उड़ानों में इसने शानदार काम किया है। सबसे हाल की उड़ान चंद्रयान-3 की थी, जिसमें भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास पहली बार सफल लैंडिंग करने वाला देश बना। अब एलवीएम-3-एम5 की बारी है।

लॉन्च पैड पर पूरी तरह तैयार

यह रॉकेट पूरी तरह तैयार है। 26 अक्टूबर 2025 को इसे उपग्रह के साथ जोड़कर लॉन्च पैड पर ले जाया गया। अब अंतिम जांच चल रही है। लॉन्च शाम 5:26 बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से होगा। आप इसे इसरो के यूट्यूब चैनल पर लाइव देख सकते हैं।

'हिंदी थोप रही है मोदी सरकार : सिद्धारमैया

बेंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को केंद्र पर कन्नड़ की उपेक्षा करने और हिंदी थोपने का आरोप लगाया। साथ ही राज्य के लोगों से कन्नड़ विरोधियों का विरोध करने का आह्वान किया। सिद्धारमैया ने बेंगलुरु में राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर अपने संबोधन के दौरान कहा, 'केंद्र सरकार कर्नाटक के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है।' कन्नड़ के साथ अन्याय होने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'हिंदी थोपने की लगातार कोशिशें हो रही हैं। हिंदी और संस्कृत के विकास के लिए अनुदान दिया जा रहा है, जबकि देश की अन्य भाषाओं की उपेक्षा की जा रही है।

कनाडाई पीएम ने मांगी ट्रंप से माफी

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शनिवार को बताया कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से माफी मांगी है। इसकी वजह एक विज्ञापन था, जिसमें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के पुराने भाषण का इस्तेमाल करके टैरिफ के खिलाफ मैसेज दिया गया था। दक्षिण कोरिया के ग्यॉंगजू शहर में पत्रकारों से बात करते हुए कार्नी ने कहा- मैंने राष्ट्रपति से माफी मांगी। वह नाराज हो गए थे। उन्होंने यह भी कहा कि जब वॉशिंगटन तैयार होगा, तब व्यापारिक बातचीत फिर से शुरू हो जाएगी। यह विज्ञापन कनाडा के ओंटारियो प्रांत की सरकार ने चलाया था। ट्रम्प इसे देखते ही गुस्सा हो गए थे। उन्होंने कनाडाई सामानों पर 10% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की घोषणा की और अमेरिका-कनाडा के बीच व्यापारिक बातचीत रोक दी। अतिरिक्त टैरिफ से अगले 5 साल में कनाडा की जीडीपी में लगभग 1.2% का नुकसान हो सकता है। इस विज्ञापन में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के शब्दों का इस्तेमाल किया गया था, जिसमें वे टैरिफ को हर एक अमेरिकी के लिए नुकसानदेह बता रहे थे। अमेरिका ने कनाडा पर 35% टैरिफ लगा रखा है। नए ऐलान के बाद यह 45% हो गया। भारत और ब्राजील के बाद यह सबसे ज्यादा टैरिफ है।

गोपालगंज की चुनावी सभा में गृहमंत्री शाह ने भरी हुंकार

'विधायक चुनने के लिए नहीं बल्कि, बिहार का भविष्य तय करने के लिए है यह चुनाव'

एजेंसी ⏭ पटना

बिहार के चुनावी समर में एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच जमकर जोर आजमाइश चल रही है। दोनों एलायंस के बड़े नेता चुनाव प्रचार में लगे हुए हैं। इसी कड़ी में शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गोपालगंज में वर्चुअली चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए जमकर राजद और कांग्रेस पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा, 'यह चुनाव विधायक चुनने का नहीं है। ये चुनाव बिहार का भविष्य तय करने का है। बिहार किसके हाथ में रहेगा। जिन्होंने सालों तक बिहार में जंगलराज थोपा उसके या नरेंद्र मोदीऔर नीतीश कुमार के नेतृत्व में जो बिहार का विकास हुआ उसे चुनेगा।' साधु यादव के कारनामे गोपालगंज वालों से ज्यादा किसको मालूम हैं। जंगलराज के दौर में कई नरसंहार हुए, जिनमें बथानी टोला, सोनारी, शंकरबीघा नरसंहार जैसे अलग-अलग 34 नरसंहार हुए थे। जिसने बिहार की धरती को रक्तरंजित किया है।'

राजद के कार्यकाल को बताया जंगलराज, नरसंहार का किया जिक्र

बिहार में 6 व 11 नवंबर को होगी वोटिंग, 14 को मतदान

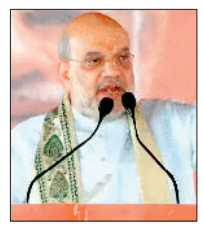

हमारा घोषणापत्र विकास का ब्लू प्रिंट

शाह ने कहा- 'कल हमने अपना घोषणा पत्र जारी किया है। बिहार के विकास के ढेर सारे ब्लूप्रिंट की हमने घोषणा की है। लेकिन दो प्रमुख बातें एक किसानों के लिए और एक महिलाओं के लिए मैं दोहराना चाहता हूं। अभी-अभी नीतीश कुमार और मोदी जी ने 1.41 करोड़ 'जीविका दीदी' के खाते में 10,000 रुपया जमा कराया है। वो सभी जीविका दीदी को दो लाख तक की अमाउंट उनके बैंक खाते में अलग अलग तरीके से भेजेंगे। दूसरा, बिहार के 27 लाख किसानों को 6 हजार रुपए प्रति साल देते हैं। अब एनडीए सरकार बनाने के बाद इस 6 हजार में 3 हजार रुपए जोड़कर 9 हजार रुपए देगी।'

'पहले 'बिहारी' कहलाना था अपमान, अब सम्मान'

बिहार चुनाव में प्रचार के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को एक वीडियो संदेश जारी किया और राज्य की जनता से सीधे संवाद किया। उन्होंने 2005 से अब तक के अपने कार्यकाल का उल्लेख किया और दावा किया कि बिहार को उन्होंने पिछड़ेपन और खराब कानून-व्यवस्था से निकालकर विकास के रास्ते पर खड़ा किया है। नीतीश ने कहा, जब उन्होंने सत्ता संभाली, तब राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब थी। उन्होंने कहा कि शासन की पहली प्राथमिकता इसे ठीक करना थी। हमने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, जल, कृषि और रोजगार के क्षेत्र में सुधार किए। अब बिहार की छवि बदल चुकी है। अब बिहारी कहलाना अपमान की नहीं, बल्कि सम्मान की बात है।

'मोदीजी कहते हैं डेढ़ करोड़ नौकरी देंगे तो 20 सालों में क्यों नहीं दीं : प्रियंका

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने बेगूसराय में चुनाव प्रचार करते हुए लोगों से 'डबल इंजन सरकार' के वादों के झांसे में न आने और बदलाव के लिए मतदान करने की अपील की। प्रियंका ने कहा, ने कहा, देश में निजीकरण चरम पर है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ी सरकारी कंपनियां अपने कॉर्पोरेट मित्रों को सौंप दी हैं। वे अब कह रहे हैं कि 1.5 करोड़ नौकरियां देंगे तो बीते 20 वर्षों में क्यों नहीं दीं? यह जनता को छलने की कोशिश है।' वायनाड से कांग्रेस सांसद ने "हमारे संविधान ने आपको सबसे बड़ी चीज दी, आपका मत लेकिन एनडीए सरकार ने आपके इस अधिकार को कमजोर किया है। उन्होंने समाज में विभाजन फैलाया, झूठी राष्ट्रभक्ति फैलाई और वोटर लिस्ट से 65 लाख नाम काट दिए।'

बेरोजगारी, पलायन पर बात नहीं करते मोदी-शाह

प्रियंका गांधी ने कहा कि एनडीए के बड़े नेता जब बिहार आते हैं, तो या तो 20 साल आगे की बात करते हैं या फिर बीते समय में नेहरूजी और इंदिरा जी का जिक्र करते हैं लेकिन वे आपके वर्तमान की बात नहीं करते, न बेरोजगारी की, न पलायन की, न किसानों की समस्या की।

नीतीश केवल चुनावी दूल्हा : अखिलेश

सपा प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम अखिलेश यादव दरभंगा में सभा को संबोधित कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने नीतीश का नाम लिए बिना कहा कि वे भी जानते हैं कि अब वे मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे, वे सिर्फ चुनावी दूल्हा हैं, इसलिए सिर्फ दूसरों को माला पहना रहे हैं। आप लोगों ने देखा होगा कि महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश में जिन्हें लेकर चुनाव लड़ा, उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया, बिहार में भी ऐसा ही होने वाला है।

'भारत ने आतंकवाद पर पाया काबू, 2013 के बाद बड़ा आतंकी हमला नहीं'

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

एनएसए डोभाल ने किया दावा

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत में आतंकवाद पर नियंत्रण कर लिया गया है और देश में आखिरी बड़ी आतंकी घटना जम्मू-कश्मीर के बाहर-2013 में हुई थी। सरदार पटेल स्मारक व्याख्यान में बोलते हुए डोभाल ने कहा कि तथ्य तो तथ्य हैं। उन पर विवाद नहीं किया जा सकता। इस देश में आतंकवाद का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया गया है। 1 जुलाई 2005 को आतंकवाद की एक बड़ी घटना हुई थी और 2013 में देश के भीतरी इलाकों में आखिरी घटना हुई। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि इसमें जम्मू-कश्मीर शामिल नहीं है।

जम्मू-कश्मीर में अलग खेल

एनएसए डोभाल ने आगे कहा कि जम्मू-कश्मीर पाकिस्तान के लिए छद्म युद्ध या गुप्त युद्ध का अखाड़ा रहा है। ये एक अलग खेल है। इसके अलावा पूरा देश आतंकवादी हमलों से सुरक्षित रहा है। इसके लिए प्रयास किए गए। लोगों को गिरफ्तार किया गया। विस्फोटक बरामद किए गए।

हमेशा एक्टिव रहे हैं दुश्मन

डोभाल ने आगे कहा कि दुश्मनों की गतिविधियां जारी रहने के बावजूद, अंदरूनी इलाकों में कोई भी आतंकी हमला नहीं हुआ है। 2014 के बाद से वामपंथी उग्रवाद में भी तेजी से कमी आई। दुश्मन बहुत सक्रिय रहे हैं, लेकिन सौभाग्य से अंदरूनी इलाकों में कोई आतंकवादी घटना नहीं हुई है। वामपंथी उग्रवाद 2014 की तुलना में 11 प्रतिशत से भी कम क्षेत्रों में सिमट गया है।

खड़गे के बयान पर आरएसएस का पलटवार

'बैन करने की कोशिशें हैं पुरानी, संघ अडिग रहेगा'

एजेंसी ⏭ जबलपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने जबलपुर, एमपी में आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आरएसएस बैन संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह कोई नई बात नहीं है। 'संघ पर पहले भी कई बार रोक लगाने की कोशिशें हुईं, लेकिन हर बार संघ और मज़बूत होकर खड़ा हुआ है।

संघ समाज के लिए कार्य करता है, राजनीति के लिए नहीं. संघ अपने विचारों पर अडिग रहेगा।' बता दें, कांग्रेस अध्यक्ष ने शुक्रवार को आरएसएस को विभाजनकारी करार देते हुए बैन लगाने की मांग की थी। खड़गे का कहना था, देश के पहले गृहमंत्री वल्लभ भाई पटेल ने आरएसएस पर बैन लगाया था फिर से ऐसा ही होना चाहिए।

संघ की भूमिका राजनीति से परे

होसबाले ने कहा कि संघ की भूमिका सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक पुनर्निर्माण की है। हम राजनीति से ऊपर उठकर काम करते हैं। संघ का उद्देश्य समाज को जोड़ना, जागरूक बनाना और राष्ट्र को मजबूत करना है। 'हम चाहते हैं कि बिहार में इस बार मतदान का प्रतिशत बढ़े। हर नागरिक मतदान करे ताकि लोकतंत्र की जड़ें और गहरी हों.' उन्होंने कहा कि संघ का उद्देश्य किसी पार्टी का समर्थन करना नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता और भागीदारी को बढ़ाना है। अपने संबोधन में होसबाले ने पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि राज्य में नफरत और द्वेष का वातावरण देश के हित में नहीं है। बंगाल में हिंसा और अस्थिरता का माहौल बना है। यह राजनीति नहीं, समाज को तोड़ने का प्रयास है।

कीचड़-मलबे में खाना ढूंढ़ रहे लोग ...

ब्लैक रिवर। कैरेबियाई देश जमैका का बंदरगाह शहर ब्लैक रिवर इन दिनों भुखमरी, तबाही और बेबसी की तस्वीर बना हुआ है। इसके पीछे वजह है तीन दिन पहले आया कैटेगरी-5 तूफान मेलिसा. लोग मलबे और टूटी दुकानों में से खाने-पीने की चीजें खोजने को मजबूर हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, लोग कीचड़ में लिपटी चीजें उठा रहे हैं। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि करीब 90% मकान नष्ट हो गए हैं। अस्पताल, पुलिस स्टेशन और फायर स्टेशन तक बर्बाद हो चुके हैं। बिजली, पानी और संचार व्यवस्था पूरी तरह ठप हो चुकी है। जमैका सरकार ने पुष्टि की है कि तूफान में 19 लोगों की मौत हुई है।

राशिफल

मेष — संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।

वृष — खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।

मिथुन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

सिंह — कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या — कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।

तुला — लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

वृश्चिक — संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेंगे।

धनु — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर — आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ — क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

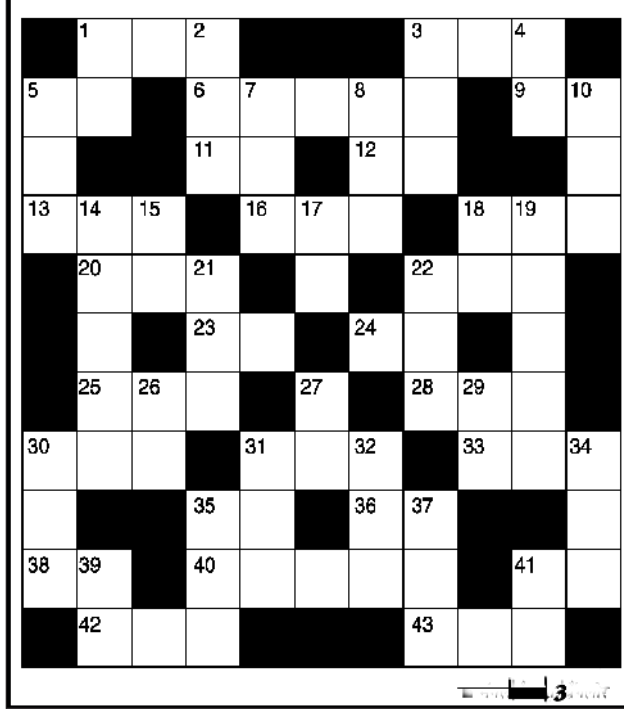

मीन — किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

शब्द पहेली - 6035

बाएँ से दाए-
1. सेवक, दास-3
3. निवास करना-3
5. खुजली-2
6. परोपकारी-5
9. प्याला, जाम-2
11. टोंटी, नलका-2
12. आनंद, जूस-2
13. प्रतिज्ञा, शपथ-3
16. सिमरन, सुमरन-3
18. सुअर-3
20. पेन, लेखनी-3
22. कमल, जलज-3
23. क्रोध, गुस्सा-2
24. पाश, फंदा-2
25. शोषण करना-3
28. गौरव, प्रशंसा-3
30. सूत कातने का साधन-3
31. गौरव-3
33. देवर्षि-3
35. अंधकार-2
36. यमराज-2
38. अलमस्त-2
40. सलाह देने वाला-5
41. बीता दिन-2
42. रसदार-3
43. इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे
1. उर्वरक-2
2. विशाल, श्रेष्ठ-3
3. धनवान, संपन्न-3
4. घ्राणेंद्रिय, इज्जत-2
5. दैत्य, असुर-3
7. मायाजाल-3
8. उद्धार, पार लगाना-3
10. शरण, आश्रय-3
14. चूर-चूर, ढहा-5
15. टोंटी, नलका-2
17. युद्ध, संग्राम-2
18. दूल्हा-2
19. राजपुत्र-5
21. मद्रास का समुद्र तट-3
22. नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26. मित्र, दोस्त. मीत-2
27. हूर, अप्सरा
29. मेहंदी-2
30. शीर्ष, पराकाष्ठा-3
31. इसमें पौधा लगाते हैं-3
32. पीहर, नैहर-3
34. युक्तिवाद, पैरवी-3
35. टब, परात, तगारी-3
37. इच्छा-3
39. परत, तह-2
41. कदर, सम्मान-2

शब्द पहेली -6034 का हल

सूडोकु नवताल - 6045

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6044 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

कुछ शब्दों तक सिमटी किशोर-युवाओं की बातचीत

घर, ऑफिस, कॉलेज हो या कोई पार्टी जहां कहीं भी किशोर या युवा आपस में बातचीत करते हैं, तो अधिकतर अंग्रेजी के कुछ शब्दों तक ही सिमटे रहते हैं। मातृभाषा संस्कार और क्षेत्रीयता का सोंधापन उसमें से नदारद रहता है। नई तकनीकी का हस्तक्षेप, विदेशी जीवनशैली और आधुनिकता के अंधानुकरण जैसी कई वजहें इसके लिए जिम्मेदार हैं। इससे जुड़े तमाम पहलुओं पर एक नजर।

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

एक जमाना था, जब संयुक्त परिवारों में रहने वाले बच्चे किशोरावस्था में ही ऐसे मुहावरे और कहावतें दोहराने लगते थे, जो आज के किशोरों के मुंह से सुनने को मिलें तो निश्चित रूप से आश्चर्य हो- जैसे कि 'नहले पे दहला' और 'सौ सुनार की एक लुहार की।' ये कहावतें या मुहावरे अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक किशोरों के मुंह से सुनना आश्चर्य की बात नहीं होती थी। लेकिन अगर आज की बात करें तो किशोरों के पास अंग्रेजी के कुछ गिने-चुने शब्द ही होते हैं, जिन्हें वे आपसी संवाद के दौरान अकसर दोहराते रहते हैं। मसलन- 'ओके, रियली, यू नो, वाव और ट्रस्ट मी।' जैसे बमुश्किल एक दर्जन अंग्रेजी के शब्द हैं, जो विशेषकर आज के शहरी बच्चे अकसर आपस में बातचीत के दौरान दोहराते रहते हैं।

मातृभाषा से बढ़ती दूरी: आज पूरे भारत में सभी क्षेत्रों की मातृभाषाओं पर यह संकट देखने को मिल रहा है। आज चाहे दक्षिण भारत हो या उत्तर, मध्य हो या पश्चिम। शहरी क्षेत्र में कहीं भी बच्चे खासकर किशोर और युवा अपनी मातृभाषा के मुहावरों, कहावतों और लोकोक्तियों के इस्तेमाल में जरा भी सहज नहीं दिखते हैं।

आजकल के किशोर और नौजवान बात-बात में 'ब्रो', 'दैट्स', 'लिट' और 'रियली यार' जैसे अंग्रेजी के शब्द तो बार-बार दोहराते हैं, लेकिन उनकी रोजमर्रा की जुबान में खांटी मातृभाषा के शब्द ढूंढ़े नहीं मिलते। वास्तव में हमारी नई पीढ़ी की वोकेबलरी किसी भाषायी विकास की नहीं बल्कि दिनों-दिन बढ़ रही सांस्कृतिक दूरी की कहानी कहती है और यह दूरी उस समय से बढ़नी शुरू हुई है, जब हम सदियों की अपनी गुलाम मानसिकता के मनोवैज्ञानिक दबाव में अपनी मातृभाषा को अंग्रेजी के सामने दरिद्र मान लेते हैं और इसी भावना के चलते अपनी रोजमर्रा की बातचीत में टूटे-फूटे अंग्रेजी के शब्द बार-बार दोहराकर अपने को मॉडर्न दिखाने की कोशिश करते हैं।

मोबाइल की लत का असर: आजकल घरों में मां-बाप के साथ बोली जाने वाली मातृभाषा को किशोर और युवा आपस में बोलना ओल्ड फैशन समझते हैं। इसलिए वे हर जगह अंग्रेजी के कुछ शब्दों से काम चलाते रहते हैं। सोशल मीडिया ने विशेषकर मोबाइल की लत लगने के बाद इस आदत को और पक्का बना दिया है। वास्तव में सोशल मीडिया का कुछ वैश्विक प्रभाव नई पीढ़ी पर इस कदर पड़ा है कि अंग्रेजी के शब्द अपनी रोजमर्रा की बातचीत में बोलना ग्लैमर लगने लगा है। जबकि हम सब जानते हैं कि ये बहुतायत में इस्तेमाल हो रहे अंग्रेजी के टूटे-फूटे शब्द अपनी अभिव्यक्ति में किसी तरह की भावना नहीं जगाते बल्कि बस स्टाइल बनकर रह गए हैं।

भावनात्मक गहराई से बढ़ी दूरी: अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक बातचीत में इस्तेमाल होने वाली कोई एक कहावत या कोई एक देसी मुहावरा हमारे दुखी और परेशान मन की सारी कहानी कह देता था। लेकिन आज बस 'मूड ऑफ' कह देने भर से काम चल जाता है। वास्तव में यह चेतावनी है कि अगर हम जल्दी चेते नहीं, तो हमारी मजबूत अभिव्यक्ति के देसी शब्द खो जाएंगे, तब हमें कहना ही नहीं, किसी के कहे हुए को समझना भी आसान नहीं होगा। आज सिर्फ कॉलेज, सोशल मीडिया में ही नहीं, दफ्तरों में भी लोगों के बीच अकसर अंगुलियों में गिने जाने वाले कुछ शब्दों से पूरी बातचीत कर लेने की कोशिश देखी जाती है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि चाहे सोशल मीडिया हो, चाहे लोगों के बीच निजी संवाद हो या सार्वजनिक बतकही ही क्यों न हो? बस थोड़े से ही शब्द हमारे इर्द-गिर्द गूंजते रहते हैं। आजकल बातचीत में जरा भी ठहराव या भावनाओं की गहराई देखने को नहीं मिलती। 'टू द प्वाइंट' कहकर लोग तेजी से सतहीपन को सही ठहराने की कोशिश करते रहते हैं।

एक जमाना था, जब लोग आपस में बातचीत में रुचि लेते थे, लेकिन आज तो बस 'रिप्लाई' करते हैं। वास्तव में यह फर्क भाषा के विकास का नहीं, मातृभाषा से बढ़ी हुई दूरी का परिचायक है। आज के किशोरों और हाल में जवान हुए कितने युवाओं के मुंह से आपने 'घर की मुर्गी दाल बराबर' या 'नाच न आवे आंगन टेढ़ा' जैसे मुहावरे-लोकोक्तियां सुनी हैं? जबकि एक-डेढ़ दशक पहले युवाओं के बीच इस तरह के मुहावरे बातचीत का हिस्सा होते थे। ये शब्द या ये मुहावरे, खालिस बातचीत नहीं होते, ये हमारे बाप-दादाओं की संस्कृति को हम तक पहुंचने का जरिया होते हैं, जो अब लगातार खत्म हो रहे हैं। आज के युवा और किशोर अगर ये शब्द, शब्दावलियां, मुहावरे तथा कहावतों से दूर हैं, तो यह दूरी यहीं तक सीमित नहीं है। इनकी यह दूरी लगातार अपनी विरासत, संस्कृति और मातृभाषा से भी हो रही है। आज की पीढ़ी 'टेकन फॉर ग्रांटेड', 'कर्मा हिट्स बैक' या 'दैट्स हाउ इट वर्क्स' जैसे विदेशी वाक्य दोहराती है, जो कि निरा कोरे शब्द होते हैं। इनमें जरा भी भावनात्मक गहराई देखने को नहीं मिलती।

शॉर्टकट्स-इमोजी का बढ़ा ट्रेंड: वास्तव में मोबाइल और इंटरनेट ने संवाद को 'फास्ट फूड' में बदल दिया है। जल्दी लिखो, जल्दी भेजो, जल्दी भूलो, यही सब देखने को मिल रहा है। अब लोग 'थैंक यू' भी पूरा नहीं लिखते बल्कि 'टीएचएक्स' लिखकर काम चलना चाहते हैं। 'क्या हाल है' की जगह अब नई पीढ़ी सिर्फ 'एसयूपी' लिखकर अपने को कूल समझती है। वास्तव में नई पीढ़ी अब इस कदर शॉर्टकट की भाषा बोल रही है कि वह अपनी आधी से ज्यादा अभिव्यक्तियों को इमोजियों के हवाले कर देती है और उनके विचार तो बस स्टेटस अपडेट तक सीमित होकर रह गए हैं। यही वजह है कि आज युवा पीढ़ी में भाषा का अभ्यास और शब्दों की संवेदना दोनो का ही घोर अभाव दिखता है।

हमारे युवाओं और किशोरों की यह नई शब्दावली, परिवार और लोक-संस्कृति के छीजने का भी परिणाम है। इसलिए हमें बहुत जल्दी सचेत हो जाना चाहिए और यह दोहरा लेना चाहिए कि भाषा का पतन शब्दों का पतन नहीं, विचारों का पतन होता है। इसलिए जितना जल्दी हो, हमें अपनी संस्कृति और सभ्यता को अगर जीवंत बनाए रखना है, तो अपनी मातृभाषा को समृद्ध बनाना होगा, सिर्फ पढ़ने के मामले में ही नहीं बल्कि रोजमर्रा के संवाद में भी। *

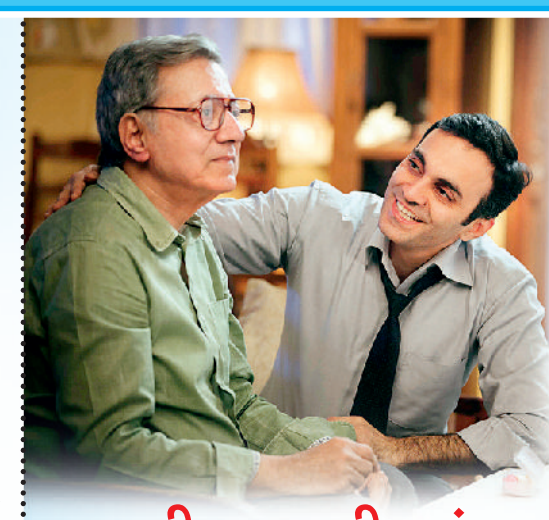

आधुनिक जीवनशैली की आपा-धापी और आर्थिक संसाधन जुटाने की जद्दोजहद में अधिकांश युवा, अपने पैरेंट्स से दूर रहने को मजबूर रहते हैं, उनकी केयर नहीं कर पाते हैं। उनको भी इस बात का मलाल होता है। ऐसे में समझदारी इसी में है कि एक संतुलन बनाते हुए अपने बुजुर्ग पैरेंट्स की देखभाल की जाए।

जीवन की सांझ में पैरेंट्स महसूस ना करें अकेलापन

{ दायित्व / डॉ. मोनिका शर्मा }

हाल ही में दिल्ली के एक युवक की इमोशनल पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई। इस पोस्ट में लिखा गया था कि वह देर रात 3:30 बजे अस्पताल के बाहर अपनी कार में बैठा है और लगभग 36 घंटे से सोया नहीं है। उसके पिता को दिल का दौरा पड़ा है। वह हालात को संभालने की कोशिश कर रहा है। उसे यह भी अफसोस है कि वह नौकरी के कारण परिवार से दूर हो गया है। अपने माता-पिता के साथ समय नहीं बिता पाया। माता-पिता को वक्त नहीं दे पाया। एक बेटा होने में असफल रहा। युवक ने पिता को हार्ट अटैक आने के बाद दुखी मन से बाद खुद को 'नाकाम बेटा' बताया। असल में बीमारी से जूझते पिता को देख लिखी गई भावुक बातों वाली यह पोस्ट कितने ही युवाओं के लिए थोड़ा ठहरकर सोचने की बात लिए है। ये शब्द अपनों के साथ वक्त बिताने की अहमियत समझाते हैं। समय रहते अपने माता-पिता को समय देने की एक मानवीय चेतावनी सी लिए हैं।

बढ़ने लगती हैं कई चिंताएं: बच्चों की जिंदगी संवारने के लिए अपना जीवन जीना भूल जाने वाले पैरेंट्स थके शरीर और टूटते मन के इस दौर में उनका इंतजार करते रहते हैं। अकेलेपन के घेरे में आ जाते हैं। जाने कब क्या हो जाए का तनाव और सेफ्टी से जुड़ी चिंताएं उन्हें हर पल परेशान करती हैं। सेहत से जुड़ी परेशानी में बिल्कुल ही टूट जाते हैं। उलझाती मनःस्थिति वाली ऐसी बातों के चलते हालिया वर्षों में बुजुर्गों में सुसाइड का आंकड़ा भी बढ़ा है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों के मुताबिक वृद्धावस्था में अकेलापन, बुजुर्गों की समय से पहले जान जाने का अहम कारण है। एक निश्चित उम्र के बाद इमोशनल और फिजिकल रूप से अकेलेपन को झेलना इंसान के लिए तकलीफदेह होता है। उम्रदराज लोगों के मामले में तो यह बहुत बड़ी समस्या बन गई है।

अपराधबोध तले दबता मन: यह सच है कि आज के समय में करियर बनाने और जरूरतें जुटाने में लगे युवाओं की मुश्किलें भी कम नहीं हैं। आज के कट थ्रॉट कॉम्पिटीशन में डटे रहना कुछ भी सोचने का समय नहीं देता। अपनों को भी याद करने का वक्त नहीं मिलता। इन हालातों में मन अपराधबोध का भी शिकार बनता है। नेशनल अलायंस फॉर केयर गिविंग और एएआरपी की रिपोर्ट के मुताबिक 47 प्रतिशत लोग अपने माता-पिता की चिंता में भावनात्मक रूप से टूटने लगते हैं। बड़ों के अकेले पड़ जाने की पीड़ा को बच्चों का मन भी समझता है। लेकिन काम-काजी मजबूरियों के कारण पैरेंट्स से दूर रहने वाले लोग भी जानते हैं कि उनके माता-पिता को उनकी देखभाल की जरूरत है। ऐसे में ठहराव की राह खुद ही चुननी होगी। आपा-धापी में अपने अहसासों को बचाने के लिए युवाओं को एक संतुलन तो साधना होगा।

देर ना हो जाए: अपने बुजुर्ग पैरेंट्स से जुड़े रहने के मोर्चे पर समय की टिक-टिक को सुनना भी जरूरी है। वक्त निकल जाने के बाद कुछ नहीं किया जा सकता। जिंदगी भर के लिए एक कसक मन में रह जाती है। देखा जाए तो यह एक रिश्ते को निभाने की बात भर नहीं। उम्रदराज माता-पिता की देखभाल एक मानवीय जिम्मेदारी भी है। सो दूर बैठे केवल महंगे मोल वाली चीजें भेजकर मन को तसल्ली देने के रास्ते ना निकालें। ना भूलें, जीवन की सांझ में अपने बच्चों के इमोशनल सपोर्ट की बुजुर्ग अभिभावकों को सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इसलिए जितना अधिक संभव हो, उनके साथ वक्त गुजारें, उनका ध्यान रखें। *

अपनी बात और भावनाएं दूसरों तक पहुंचाने के लिए शब्दों की जरूरत पड़ती है। लेकिन शब्दों से भी गहन अभिव्यक्ति मौन की होती है। मौन से हमें अंतस की भी सहज अनुभूति हो जाती है।

आत्मानुभूति का द्वार मौन

{ आत्मचिंतन / रश्मि वैभव गर्ग }

अभिव्यक्ति का सहज माध्यम हैं- शब्द। लेखन हो या जीवन शब्दों से ही अभिव्यक्त होता है। शब्दों की यात्रा ही, जीवन को गतिशील बनाए रखती है। शब्द न होते तो हम मौन को भी परिभाषित नहीं कर पाते। शब्दों की ध्वनि ही जीवन को गुंजायमान रखती है। शब्दों का अर्थ के साथ, लहजा भी हमारे भावों को दर्शाता है। वास्तव में अभिव्यक्ति के दो ही माध्यम हैं। एक तो शब्द, दूसरा भाव। शब्दों का संसार तो विस्तृत है ही, लेकिन शब्दों से परे भी एक दुनिया होती है, वो है मौन। मौन, वो भी व्यक्त कर देता है, जो शब्द भी व्यक्त नहीं कर पाते हैं।

अव्यक्त को करता है व्यक्त: मौन एक साधना है। इसके विविध रूप हैं। मौन कभी शब्दों का विराम है तो कभी भावों की गहन अभिव्यक्ति है। कभी मौन रोष अभिव्यक्त करता है, तो कभी अगाध प्रेम की अभिव्यक्ति। मौन कभी शब्दों की विवशता भी प्रकट करता है। कभी-कभी शब्द हमारी अनुभूति को व्यक्त ही नहीं कर पाते, उसे मौन व्यक्त कर देता है। शब्द, भावों की गूंज है तो मौन भावों की मूक अभिव्यक्ति है। किसी ने क्या खूब कहा है कि स्पीच इज सिल्वर, साइलेंस इज गोल्ड। सचमुच बोलना चांदी के समान है तो चुप रहना स्वर्ण के तुल्य। कभी ऐसा भी होता कि हम कुछ बोलना चाहते हैं, लेकिन किसी कारणवश बोल नहीं पाते हैं, फिर सोचते हैं कि न बोलना ही श्रेयष्कर रहा।

आत्मसंयम का परिचायक: मौन, अभिव्यक्ति का श्रेष्ठतम माध्यम है। बशर्ते कोई समझने वाला हो। सामाजिक जीवन में संवादरहित अभिव्यक्ति एक गहरा प्रभाव छोड़ती है। चुप रहना भी एक विजय है। अपने शब्दों को विराम देना एक आत्मसंयम है। इस आत्मसंयम को आत्मसात करना हमारी जीत है। बाहरी मौन का संयम रखते हुए, आंतरिक मौन साधना को पाना जीवन दर्शन है। बाहरी मौन जीवन का आनंद है, आंतरिक मौन आत्मा का आनंद है। शब्दों का मौन लौकिक रंग है, आंतरिक मौन, आलौकिक रंग है। आंतरिक मौन यानी सब इच्छाओं की समाप्ति। जो अत्यंत दुष्कर है, लेकिन दुरूह नहीं। आंतरिक मौन जीवन को पूर्ण कर देता है। उतना ही पूर्ण जितना ईश्वर। तृष्णाओं की समाप्ति ही ईश्वर से मिलने का द्वार खोलती है। स्वयं से साक्षात्कार ही ईश्वर से मिलना है, वो तब ही संभव है, जब हम बाहरी व्यक्ति और वस्तुओं को विराम दें, और आंतरिक मौन को धारण करें।

मिलता है आलौकिक आनंद: हर इंसान के अंदर आध्यात्मिक अनुभूति होती है। जैसे पानी में कंकड़ फेंकते हैं तो लहर उठती है, वैसे ही हर आत्मा में अध्यात्म की चेतना होती है, क्योंकि चेतन का स्वभाव ही आत्मतत्व की खोज है। जिसका क्षणिक आभास हम जब-तब करते रहते हैं, लेकिन जब यह आत्मतत्व चिरस्थाई हो जाता है, तो असल आनंद प्राप्त होता है। बाहरी क्रियाएं विचलित करती हैं। आंतरिक मौन, लोक में रहकर आलौकिक सुख प्रदान करता है। स्वयं से स्वयं को ढूंढ़ना ही आंतरिक मौन है। वही ईश्वर से साक्षात्कार है। आत्मा में ही परमात्मा का वास होता है। आंतरिक मौन सृष्टि का अनहद नाद है, जिसे सिर्फ महसूस किया जा सकता है।

संसार में रहकर संसार से विरक्ति सबसे कठिन कार्य है। आसक्तियां ही सांसारिक कार्यों को फलीभूत करवाती हैं। जीवन का द्वैत ही यही है कि यदि अध्यात्म को अपनाते हैं तो कर्तव्यों से विमुख हो जाते हैं और कर्तव्यों का निर्वाह, बिना आसक्तियों के होता ही नहीं। इसी झंझावात में जीवन-यापन हो जाता है। वास्तविकता यही है कि हम दो दुनिया में जीते हैं। बाहरी दुनिया जो कर्मशील दुनिया है, जहां हम अपना किरदार निभाने के लिए बाध्य हैं। वो हमें थोड़ी आसक्ति भी देती है। आसक्त होना लाजिमी भी है, क्योंकि वही हमें कर्मशील बनाता है। दूसरी दुनिया है आत्मा का आनंद, जिसे हम स्वयं के भीतर अनुभव कर सकते हैं। ये हमारी अपनी खोज है, अपनी पूंजी है। इसे हम ही प्राप्त कर सकते हैं और इसे कोई हमसे छीन भी नहीं सकता। बाहरी क्रियाकलापों का विराम ही आंतरिक मौन है। बाहर कितना ही शोर हो यदि आंतरिक शांति है तो आप हर जगह विजयी होंगे। कहने का सार यही है कि अपने जीवन की सांसारिक यात्रा के विभिन्न पड़ावों को पूरा करते हुए भी अंतिम ध्येय अंतस का मौन ही होना चाहिए। *

{ दोहे / घमंडीलाल अग्रवाल }

सूनी-सी दहलीज

सूना घर का आंगना, सूनी-सी दहलीज।
भूख, गरीबी बो चुकी, घर गरीब के बीज।।
जैसे को तैसा मिले, हो हमलावर पस्त।
वह भी फिर आश्वस्त-सा, हम भी फिर आश्वस्त।।
बदल रही है जिंदगी, बदल रहा है दौर।
निसदिन नई चुनौतियां, हर पल करिए गौर।।
पांव कुल्हाड़ी मार ली, गए संभलना भूल।
गड्ढा आया सामने, काहे गिरे फिजूल।।
गीता, रामायण पढ़ी, बांचे वेद, कुरान।
हो न सका इंसान तो, एक अदद इंसान।।
भरी भीड़ में हम हुए, बहुत अकेले आज।
अपनेपन का बांधते, किसके सिर पर ताज।
यदि कुपात्र को धन दिया, धन होगा बेकार।
ज्यादा खाकर वस्तुएं, जैसे तन बीमार।।
वाटर एटीएम लगे, सूखे सारे कूप।
परिवर्तन का मोहरा, खड़ा बदलकर रूप।।
फिसला करती हाथ से, पाई कोई चीज।
होते हैं संसार में, ऐसे कुछ नाचीज।।
भले विवेकानंद हों, अथवा गौतम बुद्ध।
कर्तव्यों से ही लड़े, अधिकारों के युद्ध।।

{ छोटी कहानी / सविता गोयल }

तृप्ति

जहां आर्थिक रूप से कमजोर बड़े बेटे कमल ने कैंसर से पीड़ित पिता के इलाज में कोई कसर नहीं छोड़ी, वहीं छोटे बेटे विमल ने अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़े रखा। पिता के देहांत के बाद उनकी तेरहवीं में विमल ने जैसा दिखावा चाहा, वह अपमानजनक था। एक मर्मस्पर्शी कथा।

यह क्या भैया! ना आपने सारे नाते-रिश्तेदारों को न्यौता दिया और ना ही भोज का आयोजन सही तरीके से किया। समाज में क्या इज्जत रह जाएगी हमारी! अरे पैसे कम पड़ रहे थे तो एक बार बोल दिया होता हमसे। मैं ही कुछ इंतजाम कर देता। पापा की तेरहवीं पर मेरे ससुरजी भी आने वाले हैं। वो क्या सोचेंगे, उनके दामाद ने अपने पिता की तेरहवीं भी ढंग से नहीं की। आप सबको तो पता ही है, वो कितने बड़े आदमी हैं। मेरी क्या इज्जत रह जाएगी उनके सामने?' कमल का छोटा भाई विमल अपनी ही रौब में बोलता जा रहा था।

मनोहरजी को गुजरे आज ग्यारह दिन हो गए थे। पिछले दो साल से वह बहुत पीड़ा में थे। कैंसर की बीमारी में एक-एक दिन सालों की तरह गुजर रहे थे। उनका बड़ा बेटा कमल और बहू मीना ने अपने पिता की सेवा और इलाज में अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ी। किराने की दुकान में कोई ज्यादा कमाई नहीं थी, लेकिन जितना बन पड़ा, उसमें उन्होंने कभी अपना हाथ पीछे नहीं खींचा।

कमल अपने माता-पिता के साथ ही रहता था। छोटा बेटा विमल जब से पढ़-लिखकर इंजीनियर बनकर शहर में बसा, कभी पलट कर वह घर नहीं आया। नौकरी अच्छी थी तो बड़े घर की लड़की का रिश्ता भी आ गया था। अब तो विमल के और भी पंख लग गए थे।

पिता की बीमारी का पता होने के बाद भी कभी उसने उनके इलाज और देखभाल में बड़े भाई का हाथ नहीं बंटाया। एक बार कांता देवी ने विमल से कहा भी, 'बेटा, कमल का हाथ थोड़ा तंग रहता है, ऊपर से तेरे पिताजी की बीमारी पर बहुत पैसा खर्च हो रहा है। तुम थोड़ी मदद कर दोगे तो उसे थोड़ी राहत मिलेगी।'

इस पर विमल का जवाब था, 'मां, आपको क्या पता, मेरी कमाई से ज्यादा तो मेरा खर्च है। आप लोग तो यहां पुश्तैनी मकान में रहते हैं, लेकिन मुझे तो हर महीने फ्लैट का किराया भी देना पड़ता है। आगे मेरा परिवार भी बढ़ रहा है तो खर्चे भी बढ़ रहे हैं फिर इस बीमारी का क्या पता ठीक हो ना हो! बेकार में लुटने-पिटने से क्या फायदा?'

बेटे के मुंह से ऐसा सुनकर कांताजी ने कभी दोबारा उसे किसी प्रकार की मदद के लिए नहीं कहा। मनोहरजी बच तो नहीं पाए, लेकिन अपने बड़े बेटे-बहू के सेवाभाव को देखकर उनके हृदय में हमेशा उनके लिए आशीर्वाद के भाव रहते। कांता देवी पति की मृत्यु से आहत थीं, ऊपर से आज मनोहरजी की तेरहवीं पर आए विमल के मुंह से ये सब सुनकर उन्हें बहुत बुरा लग रहा था। अपने बड़े बेटे को असमंजस में देख उन्होंने समझाया, 'कमल, तुझे किसी की बातों में आकर अपनी हैसियत से बाहर कुछ करने की जरूरत नहीं है। तूने अपने पिता के जीते जी उनकी जो जी-जान से सेवा की है, वो उसी से तृप्त हो गए हैं। ये ऊपरी दिखावा और कर्मकांड उनके लिए अब कोई मायने नहीं रखता। तू जितना कर रहा है, वह बहुत है। तेरे पिताजी की आत्मा तो तेरी सेवा से ही तृप्त हो गई है बेटा। बस पांच ब्राह्मणों को भोजन करा दे और अपने पिता का तर्पण कर दे।' फिर कांता देवी अपने छोटे बेटे विमल के मुखातिब होते हुए बोलीं, 'आज तुझे यहां सारे कामों में जो कमी नजर आ रही है, वह उस समय क्यों नजर नहीं आई, जब तेरे पिताजी बीमारी से तड़प रहे थे और तेरा यह भाई तंगी से जूझते हुए भी रोज उन्हें लेकर अस्पताल के चक्कर लगा रहा था। उसे अपने दिन का चैन और रातों की नींद की भी परवाह नहीं थी। उस समय तो तेरे मुंह से एक बार भी नहीं निकला कि भैया, पिताजी के इलाज में मैं कुछ मदद कर दूं। उस वक्त तुझे यहां कोई कमी नजर नहीं आई? बेटा तू अपने पैसे अपने पास रख, पता नहीं कब तुझे इनकी जरूरत पड़ जाए। मां हूं, इसलिए कभी अपने दिल और जुबान से तेरा बुरा नहीं सोचूंगी, लेकिन बेटा जब तेरे बच्चे अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ेंगे तब तुझे अपने मां-बाप का दर्द समझ में आएगा।'

यह सुनकर विमल का सिर झुक गया। उसे अपनी मां और भाई से नजरें मिलाने की हिम्मत भी नहीं हो रही थी। कमल ने अपने सामर्थ्य अनुसार अपने पिता का तर्पण और भोज कराया।

कांता देवी के चेहरे पर आज संतुष्टि के भाव थे। उन्हें विश्वास था कि उनके पति तृप्त होकर इस दुनिया से विदा हुए हैं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

देश की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी

आजादी के बाद देश के विकास और इसे सशक्त बनाने में भारत के सभी प्रधानमंत्रियों की भूमिका रही है। इसी क्रम में वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब तक के अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण और अभूतपूर्व कार्य किए हैं और इस दिशा में निरंतर प्रयासरत भी हैं। फिर वो चाहे विश्व में भारतवर्ष की प्रतिष्ठा बढ़ाने की बात हो, कश्मीर से धारा 370 हटाने का ऐतिहासिक कदम हो, कोरोना काल का मजबूती से सामना करना रहा हो, महिलाओं और गरीबों के सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयास हों या आतंकी गतिविधियों का मुंहतोड़ जवाब देना हो। इस पुस्तक में उनके ऐसे तमाम प्रयासों की विस्तार से चर्चा की गई है। इसमें लेखक ने नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व के कई पहलुओं को भी उजागर किया है। *

पुस्तक: भारतवर्ष की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी,
लेखक: प्रोफेसर (डॉक्टर) रमेश चंद्र तोमर,
मूल्य: 600 रुपए, **प्रकाशक:** प्रभात प्रकाशन,
आसफ अली रोड, नई दिल्ली

सिलेंडर-गैस की चोरी पर अंकुश लगाने 3 साल पहले लाया गया था क्यूआर कोड सिस्टम, अब तक लागू नहीं

उपभोक्ता चेक तक नहीं करते सिलेंडर का वजन, हर दिन लाखों में एलपीजी सिलेंडरों की डिलीवरी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

छत्तीसगढ़ में तीन साल पहले एलपीजी सिलेंडरों में क्यूआर कोड सिस्टम लागू किया जाना था, जो अब तक नहीं हो पाया है। क्यूआर कोड सिस्टम से सिलेंडर को ट्रैक करने, गैस की चोरी रोकने से लेकर सिलेंडर वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने में मदद मिलेगी। इस सिस्टम को देशभर के राज्यों में लागू करने के लिए लाया गया है, लेकिन प्रदेश में यह सिस्टम अब तक लागू नहीं हो पाया है। इसके कारण एलपीजी सिलेंडरों से गैस की चोरी, कालाबाजारी, ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी जैसी घटनाओं पर भी अंकुश लग नहीं पा रहा है। इधर इस मामले में खाद्य विभाग के सूत्रों का कहना है कि क्यूआर कोड सिस्टम को लागू कराने से संबंधित स्पष्ट आदेश जारी नहीं हुआ है। आदेश जारी होने पर इसे लागू किया जाएगा।

प्रदेश में हर दिन लाखों की संख्या में एलपीजी सिलेंडरों की डिलीवरी एजेंसियों के माध्यम से की जाती है। रायपुर जिले में हर दिन लगभग दो लाख सिलेंडरों की डिलीवरी होती है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि गैस सिलेंडरों की खपत और मांग कितनी ज्यादा बढ़ चुकी है। हालांकि इसका एक बड़ा कारण घरेलू सिलेंडरों का उपयोग व्यवसाय में किए जाने लगा है। चाय-नाश्ता की दुकानों से लेकर गुमटी-ठेलों में घरेलू सिलेंडरों का लोग इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके कारण घरेलू सिलेंडरों की कालाबाजारी भी थम नहीं पा रही है। वहीं कई एजेंसियों के गोदामों में कार्य करने वाले कर्मचारी भी गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी करने वालों से मिले हुए हैं, जो न केवल महंगे दाम पर गैस सिलेंडर ग्राहकों को उपलब्ध कराने में उनकी मदद कर पैसे कमा रहे हैं, बल्कि चोरी छिपे सिलेंडरों से गैस की चोरी भी करा रहे हैं।

घरेलू एलपीजी खाली सिलेंडर का वजन 15.3 किलोग्राम होता है, वहीं उसमें 14.2 किलोग्राम की गैस भरी जाती है। इस तरह भरे हुए सिलेंडर का वजन लगभग 29.5 से 30.2 किलोग्राम होता है। सिलेंडर डिलीवरी के दौरान अक्सर देखा जाता है कि उपभोक्ता सिलेंडर का वजन चेक नहीं करता और एजेंसी पर भरोसा कर बिना वजन चेक कराए सिलेंडर ले लेता है। इसका फायदा कई वेंडर्स उठाते हैं और गोदाम से या फिर रास्ते में ही सिलेंडर से ग्राम या किलो में गैस की चोरी कर दोबारा सीलबंद कर उसकी डिलीवरी कर देते हैं। क्यूआर कोड सिस्टम लागू होने से उपभोक्ता को सही वजन वाला सिलेंडर मिलेगा। घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी होने के कारण भरा हुआ सिलेंडर 300 से 400 महंगे दाम पर बिक रहा है। वर्तमान में एलपीजी का भरा हुआ घरेलू सिलेंडर का मूल्य 853 रुपए है, जिसे ब्लैक में 1200 रुपए तक बेचा जा रहा है। क्यूआर कोड सिस्टम लगने से कालाबाजारी पर भी अंकुश लगेगा।

अभी कोई आदेश नहीं आया

क्यूआर कोड सिस्टम लागू होना है। इसे लेकर शासन से अभी कोई आदेश नहीं आया है। आदेश जारी होने के बाद ही लागू होगा।

- भूपेंद्र मिश्रा, खाद्य नियंत्रक रायपुर\

धरना-प्रदर्शन हुआ मुश्किल, 3 विभागों की एनओसी शुल्क भी लगेगा, कर्मचारी संगठन नाराज

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

शहर में सार्वजनिक स्थानों पर धरना प्रदर्शन करने तीन विभागों से एनओसी लेकर निर्धारित प्रारूप में नगर निगम को आवेदन देना होगा। यदि इसमें से एक भी विभाग की एनओसी नहीं हुई, तो नगर निगम इसके लिए आवेदन नहीं लेगा। पुलिस, फायरब्रिगेड, एडीएम से एनओसी को धरना प्रदर्शन की अनुमति के लिए अनिवार्य किया गया है। साथ ही धरना प्रदर्शन के लिए 500 रुपए का शुल्क और पंडाल लगाने के लिए 5 रुपए प्रति वर्गफीट की दर से राशि आवेदन के साथ नगर निगम में जमा करने पर ही इसकी अनुमति मिलेगी। इस नए सिस्टम को लेकर कर्मचारी संगठनों का विरोध शुरू हो गया है।

दरअसल, नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर रखरखाव का कार्य एनआरडीए द्वारा कराया जा रहा है। इसके कारण जिला कलेक्टर के आदेश पर दो माह तक वहां पर धरना प्रदर्शन प्रतिबंधित है। इससे अपनी लंबित मांगों को लेकर शासन तक अपनी बात पहुंचाने वाले कर्मचारी संगठनों की परेशानी बढ़ गई है। इस बीच रायपुर नगर निगम ने नया नियम जारी करते हुए तय किया है कि धरना प्रदर्शन के लिए 500 रुपए शुल्क और पंडाल लगाने के लिए 5 रुपए प्रति वर्गफीट की दर से सड़क बाधा शुल्क की राशि ली जाएगी। चूंकि तूता धरना स्थल पर पहले से ही प्रदर्शन पर रोक है, ऐसे में नगर निगम के इस फैसले से कर्मचारी संगठनों में नाराजगी व्याप्त है। छत्तीसगढ़ संविदा कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष कौशलेंद्र तिवारी ने कहा है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में आम आदमी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का पूरा अधिकार है। ऐसे में यदि धरना

तूता धरनास्थल पर संधारण कार्य 2 माह के लिए बंद, शहर के बीच हक की आवाज उठाने का सिस्टम पेचीदा

प्रदर्शन के लिए पैसे लिए जा रहे हैं, तो यह गलत है। धरना प्रदर्शन की अनुमति देते समय नगर निगम 500 रुपए साफ-सफाई के लिए शुल्क ले रहा है ,जबकि नगर निगम का काम ही सफाई है, इसके लिए शुल्क क्यों? धरना प्रदर्शन मौलिक अधिकार है इसके लिए जिला प्रशासन की अनुमति पर्याप्त है, पर नए नियम में 3 विभागों से एनओसी अनिवार्य किया गया है जो कि उचित नहीं है। देश में हर चीज सिंगल विंडो से हो रहा है, ऐसे में अभिव्यक्ति की आजादी कम करने मल्टीविंडो क्यों? राजनीतिक दलों को प्रोटेस्ट करने और छोटे समूह, कर्मचारियों, दिव्यांगों की इससे परेशानी बढ़ेगी। तीन विभागों के पास एनओसी के लिए चक्कर लगाना पड़ेगा।

तरकश

संजय के दीक्षित

भड़के सीजे...सहमे अफसर

31 अक्टूबर 2000 की रात छत्तीसगढ़ का रायपुर कई सियासी और ब्यूरोक्रेटिक घटनाओं का साक्षी बना। इनमें से एक था बिलासपुर हाई कोर्ट के एक्टिव चीफ जस्टिस बनाए गए आरएस गर्ग की नाराजगी। दरअसल, 31 अक्टूबर की आधी रात रायपुर के पुलिस ग्राउंड में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया था। मंच पर पहले मुख्य न्यायाधीश जस्टिस गर्ग ने शपथ ग्रहण की। चूकि उस समय राज्यपाल ने शपथ नहीं लिया था, इसलिए नवगठित प्रदेशों की परंपरा के अनुसार मुख्य न्यायाधीश ने मंच पर खुद से शपथ लिया। इसके पांच मिनट बाद चीफ जस्टिस ने प्रथम राज्यपाल दिनेशनंदन सहाय को शपथ दिलाई और फिर उसके बाद राज्यपाल ने मुख्यमंत्री अजीत जोगी को। बहरहाल, अब शीर्षक पर आते हैं। चीफ जस्टिस नियुक्त होने के बाद जस्टिस गर्ग 31 अक्टूबर की शाम रायपुर पहुंचे। रात 12 बजे उन्हें शपथ लेना था। शाम करीब सात बजे प्रथम मुख्य सचिव अरुण कुमार वीआईपी रोड स्थित उस जमाने के एक ठीकठाक होटल में उनसे मिलने पहुंचे। मुलाकात के बाद चीफ सिकरेट्री बोले, सर... मैं निकलता हूं...प्रिंसिपल सिकरेट्री लॉ आपको पुलिस ग्राउंड लेकर जाएंगे। इस पर जस्टिस गर्ग भड़क गए। बोले, मैं चपरासी के साथ जाउंगा मगर इनके साथ नहीं। बताते हैं, चीफ जस्टिस किसी मसले को लेकर पीएस लॉ से काफी नाराज थे। सीजे के तेवर देख वहां मौजूद अफसर सहम गए। फिर राजधानी परियोजना के प्रशासक एमके राउत से कहा गया...आप सीजे साहब को लेकर शपथ स्थल पर जाओगे। बता दें, ज्यूडिशिरी में जस्टिस गर्ग की अपनी अलग पहचान रही। सूबे का सिस्टम उनके नाम से थर्राता था...तो वकीलों को भी वे टोकने से गुरेज नहीं करते थे।

रात 10 बजे कैडर बंटवारा

हालांकि, 31 अक्टूबर से दो दिन पहले मध्यप्रदेश के चीफ सिकरेट्री कृपाशंकर शर्मा ने दो-तीन सीनियर अफसरों को बुलाकर बता दिया था कि आपको छत्तीसगढ़ जाना है। उनके निर्देश पर फर्स्ट सीएस अरुण कुमार रायपुर पहुंच चुके थे। 31 की आधी रात शपथ ग्रहण समारोह हुआ, उसमें सचिवालय के ब्यूरोक्रेट्स के तौर पर अकेले अरुण कुमार मौजूद थे। बहरहाल, कैडर बंटवारे में एमपी गवर्नमेंट द्वारा काफी चतुराई बरती गई। वहां के सीएम दिग्विजय सिंह ने कैडर बंटवारे का ऐसा फार्मूला तैयार कराया, उसमें चार-पांच ही ठीक-ठाक आईएएस छत्तीसगढ़ को मिल पाए, अधिकांश रिजेक्टेड को छत्तीसगढ़ को टिका दिया गया। कोई कोर्ट न जा पाए, इसलिए उसके लिए टाईम नहीं दिया गया। 31 अक्टूबर को आधी रात नई सरकार का गठन होना था, और उसके दो घंटे पहले रात 10 बजे डीओपीटी से कैडर बंटवारे का आदेश आया। और, अगले दिन 1 नवंबर को सभी अफसरों को भोपाल से एकतरफा रिलीव कर दिया गया।

आधी रात पोस्टिंग लिस्ट

मध्यप्रदेश सरकार ने सीनियरिटी के हिसाब से मुख्य सचिव, डीजीपी और पीसीसीएफ की नियुक्ति दो दिन पहले कर दी थी, मगर बाकी सचिवों के विभागों का बंटवारा 31 अक्टूबर की आधी रात को तब किया गया, जब डीओपीटी से कैडर बंटवारे की लिस्ट जारी हो गई। आलम यह था कि एक तरफ रायपुर में नई सरकार के शपथ समारोह चल रहा था, दूसरी तरफ भोपाल में नए सचिवों के विभाग वितरण का आदेश टाईप हो रहा था। नए राज्यों में यही नियम है, इसलिए 18 विभागों के सचिवों की पोस्टिंग की पहली लिस्ट भोपाल से जारी हुई। करीब चारेक महीने बाद फिर जोगीजी ने कुछ सचिवों के विभाग बदले थे।

रात 2 बजे सिंगल मेंबर कैबिनेट

छत्तीसगढ़ के 25 साल के इतिहास में सिंगल मेंबर वाला कैबिनेट सिर्फ एक बार हुआ है। 31 अक्टूबर की रात 12 बजे अजीत जोगी ने अकेले मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उसके दो दिन बाद उनके 24 कैबिनेट और राज्य मंत्रियों की शपथ हुई। बहरहाल, शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री को एक मैसेज देना था। सो, शपथ समारोह के बाद जोगी ने अतिथियों को विदा किया। इसके बाद सीएस अरुण कुमार से कहा, कैबिनेट की बैठक अभी करनी है, चलिये मंत्रालय। चूकि मंत्रिमंडल बना नहीं था। सो, सिंगल मेंबर से कैबिनेट की बैठक हो गई। उसमें सूबे में पड़े सूखे को लेकर कई अहम फैसले किए गए।

एकतरफा रिलीव

31 अक्टूबर की रात कैडर बंटवारे का आदेश आने के बाद जिन आईएएस अधिकारियों को एमपी जाने का आदेश हुआ था, वे काम में दिलचस्पी लेना बंद कर दिए थे। उनमें रायपुर कलेक्टर अजय तिर्की समेत कई अफसर शामिल थे। मुख्यमंत्री अजीत जोगी को जब यह पता चला तो उन्होंने तुरंत आदेश निकाल एकतरफा रिलीव करवा दिया। एमपी कैडर के सिर्फ एकमात्र आईसीपी केसरी बच गए थे, जो राज्य बंटवारे के करीब पांच साल बाद 2005 में भोपाल लौटे।

ब्यूरोक्रेसी के लिए लॉटरी?

अलग राज्य बनने की खुशी छत्तीसगढ़ में सबको थी। मगर एक वर्ग ऐसा था, जो लंबे समय तक बेहद दुखी रहा। वह थी नौकरशाही। असल में, इक्का-दुक्का को छोड़ दें 99 परसेंट आईएएस, आईपीएस भोपाल जैसा शहर छोड़ रायपुर आना चाहते नहीं थे। उन्हें जबरिया वहां से ढकेला गया। लिहाजा, नाराज होकर दर्जन भर आईपीएस अधिकारी हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक गए। मगर यह भी सच हैं कि जो लोग अपना च्वाइस देकर छत्तीसगढ़ आए, उनमें से एक भी चीफ सिकरेट्री या डीजीपी नहीं बन पाए। राज्य बनने के 25 साल में अभी तक जितने भी मुख्य सचिव और डीजीपी बने हैं, सभी छत्तीसगढ़ आने के पक्ष में नहीं थे। पिछड़ा, नक्सल प्रभावित परसेप्शन वाला वही छत्तीसगढ़ 2003 के बाद ब्यूरोक्रेसी के लिए टॉप के चमकदार राज्यों में शामिल हो गया। स्थिति यह है कि अब अफसर च्वाइस देकर छत्तीसगढ़ आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री का फैसला

छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के फैसले के बाद प्रथम मुख्यमंत्री के नामों को लेकर अटकलें तेज हो गई थी। इनमें पहला नाम विद्या भैया याने वीसी शुक्ला का था। जाहिर है, राज्य बनने से पहले विद्या भैया ने छत्तीसगढ़ संघर्ष समिति बनाकर रायपुर से लेकर दिल्ली तक लंबा आंदोलन चलाया था। विद्या भैया की सियासी उंचाइयों को राजनीतिक प्रेक्षक भी मानकर चल रहे थे कि इंदिरा गांधी कैबिनेट में रहे वीसी भैया को कांग्रेस पार्टी प्रथम मुख्यमंत्री बना देगी। मगर 31 अक्टूबर 2000 को दिल्ली फ्लाइट से पार्टी महासचिव प्रभा राव, मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और पार्टी के सचिव गुलाम नबी आजाद रायपुर पहुंचे तो एयरपोर्ट पर इनमें से किसी ने अपने परिचित को अजीत जोगी का नाम लीक कर दिया। इससे वीसी खेमे में खलबली मच गई। हालांकि, तब भी उनके समर्थकों में चमत्कार की उम्मीद बची हुई थीं। मगर दोपहर में मुख्यमंत्री चयन के लिए बैठक हुई और दिग्विजय सिंह ने जेब से निकाल अजीत जोगी के नाम का पुड़िया खोला, तो वीसी खेमा का गुस्सा फट पड़ा। चूकि वीसी को भनक लग गई थी कि उनका नाम कट गया, इसलिए वे बैठक में नहीं पहुंचे। सीएम बनाने आए कांग्रेस पार्टी के प्रेक्षकों ने मीटिंग के बाद प्रेस को ब्रीफ किया। इसके बाद प्रभा राव, दिग्विजय सिंह और गुलाम नबी आजाद वीसी की नाराजगी दूर करने उनके फार्म हाउस पहुंचे। तब न नेताओं को अंदाज था और न पुलिस को कि फार्म हाउस की सुरक्षित उंची चाहरदिवारी के भीतर कोई बड़ी घटना हो सकती है। तीनों नेता कार से उतरकर पैदल चलते हुए जैसे ही बरामदे में प्रवेश करते, उससे पहले वीसी समर्थकों ने नारेबाजी करते हुए धक्कामुक्की कर दी। दिग्विजय सिंह से शुरू से ही वीसी से सियासी रिश्ते अच्छे नहीं रहे, उपर से सोनिया गांधी के दूत बनकर वे रायपुर पहुंचे थे, इसलिए वीसी समर्थकों का गुस्सा उन पर फट गया। धक्कामुक्की में प्रभा राव गिर पड़ी, मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के साथ क्या हुआ, यहां लिखना वाजिब नहीं, मगर उनका कुर्ता फट गया था। तब तक विद्या भैया भीतर से दौड़ते हुए आए, समर्थकों को हटाया और फिर तीनों नेताओं को भीतर ले गए। हालांकि, आपको आश्चर्य होगा कि मुख्यमंत्री के साथ ऐसी घटना कैसे हो सकती है? तो इसकी वजह सुरक्षाकर्मियों का ओवर कांफिडेंस रहा। असल में, किसी हाई प्रोफाइल पॉलीटिशियन के घर कोई बड़ा नेता जाता है तो मानकर चला जाता है कि वहां वैसी चौकसी की जरूरत नहीं होती। सुरक्षा कर्मियों को तनिक भी अहसास नहीं हुआ कि वीसी समर्थक तीनों को देखते इस तरह आपा खो देंगे। विद्या भैया का औरा ऐसा था कि न ही किसी ने इस घटना को तूल दिया और न ही किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई हुई।

कमाल के मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश के लगातार 10 बरस मुख्यमंत्री रहे दिग्विजय सिंह का गजब व्यक्तित्व रहा। उनका छत्तीसगढ़ से सीधा कोई कनेक्शन नहीं था, मगर यहां की सियासत में उनकी गहरी रुचि रही। मुख्यमंत्री के तौर पर शायद ही कोई महीना गुजरा होगा, जब दिग्गी राजा छत्तीसगढ न आए हों। बहरहाल, बात 31 अक्टूबर के वीसी शुक्ला फार्म हाउस की घटना की। एरिया में सबसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री के साथ इतनी बड़ी घटना होने के बाद तो दूसरा कोई होता तो उसी समय गुस्से में वापिस लौट गया होता। मगर दिग्गी राजा ने होटल में जाकर कुर्ता बदला और तैयार होकर बिलासपुर हाई कोर्ट का मुआयना करने चले गए। चकरभाटा हवाई पट्टी से जब से हाई कोर्ट पहुंचे तो फार्म हाउस की घटना का उनके चेहरे पर कोई शिकन नहीं था। पत्रकारों ने जब उनसे इस संबंध में सवाल पूछा तो चिरपरिचित ठहाका लगाते हुए बात बदल दिया।

स्पीकर हाउस और संयोग

पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में बदलाव होने से नवा रायपुर के नवनिर्मित विधानसभा अध्यक्ष बंगले को एक बड़े संयोग से वंचित होना पड़ गया। दरअसल, मोदी का जब प्रोग्राम तय हुआ, उस समय बिहार विधानसभा चुनाव का ऐलान नहीं हुआ था। सो, पीएम का 31 अक्टूबर की शाम रायपुर आकर एक नवंबर को शाम वापिस लौटना था। राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री आमतौर पर राजभवन में रुकते हैं। मगर रायपुर शहर से नवा रायपुर के डिस्टेंस को देखते अफसरों ने तय किया था कि नवनिर्मित स्पीकर हाउस को एक दिन के लिए पीएम हाउस बनाया जाए। इस दृष्टि से पीडब्लूडी ने युद्ध स्तर पर बंगले की साज-सज्जा शुरू कर दी थी। पीएमओ और एसपीजी से भी प्रधानमंत्री को स्पीकर हाउस में रुकने के संदर्भ में औपचारिक सहमति मिल गई थी। मगर बिहार इलेक्शन के चलते पीएम मोदी का प्रोग्राम चेंज हो गया। वे एक नवंबर को सुबह आएं। उनका शेड्यूल इतना टाईट था कि टी या लंच के लिए भी फुरसत नहीं था। ऐसे में, फिर रेस्ट करने स्पीकर हाउस जाने का प्रश्न नहीं था।

आईएएस बनने इंटरव्यू

एलॉयड सर्विस कोटे से आईएएस के दो पदों के लिए 30 अक्टूबर को मंत्रालय में इंटरव्यू हुआ। चीफ सिकरेट्री विकासशील की अध्यक्षता में हुए साक्षात्कार में एसीएस मनोज पिंगुआ, सिकरेट्री रोहित यादव और रजत कुमार शामिल थे। इसमें विभिन्न विभागों के राजपत्रित कैडर के 16 अफसरों ने इंटरव्यू दिया। लोकल स्तर पर स्क्रूटनी कर एक पद के खिलाफ पांच नामों का पेनल बना यूपीएससी को भेजा जाएगा। यूपीएससी में फायनल मीटिंग के बाद फिर दो आईएएस अधिकारियों का नोटिफिकेशन जारी होगा। बता दें, अनुराग पाण्डेय और शारदा वर्मा के रिटायर होने के बाद एलॉयड कोटे से आईएएस के दो पद खाली हुए हैं। छत्तीसगढ़ में इस समय तीन का कोटा है। एक पर गोपाल वर्मा कवर्धा के कलेक्टर हैं, दो पर सलेक्शन होना है।

ऐतिहासिक आयोजन

पीएम नरेंद्र मोदी का रायपुर का आज का कार्यक्रम ऐतिहासिक रहा। राज्य बनने के बाद पिछले 25 साल में किसी प्रधानमंत्री का इतना टाईट शेड्यूल और स्मूथली प्रोग्राम नहीं हुआ। छत्तीसगढ़ क्या, किसी और राज्य में विरले ही कभी होता होगा, जहां छह घंटे में पीएम के पांच कार्यक्रम होते होंगे। उसमें भी तीन में भाषण। एक रोड शो। हॉस्पिटल में बच्चों से संवाद। 50 हजार से उपर भीड़। वो भी बिना किसी बाधा और बवाल के। पीएम का भाषण का अंदाज भी आज अलग रहा। अपने उद्बोधन में उन्होंने डेवलपमेंट से लेकर सेवा, बौद्धिक और अध्यात्म को टच किया।

जिला प्रशासन का रिर्हसल

पीएम नरेंद्र मोदी के दिन भर के सफल कार्यक्रम से रायपुर जिला प्रशासन का बड़ा रिहर्सल हो गया। दरअसल, इसी महीने 28, 29 और 30 को डीजीपी कांफ्रेंस होनी है। उसमें पीएम मोदी करीब पौने तीन दिन रायपुर में रहेंगे। पूरे दो रात। 28 नवंबर की शाम रायपुर पहुंचेंगे और 30 नवंबर को शाम यहां से रवाना होंगे। जाहिर है, आज के पीएम विजिट से रायपुर जिला और पुलिस प्रशासन के लिए अगले पीएम विजिट के लिए कांफिडेंस बढ़ गया होगा।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. छत्तीसगढ़ में डिप्टी कलेक्टर्स और डीएसपी की संख्या जिस कदर बढ़ गई है, उसमें क्या यह वाजिब होगा कि पीएससी परीक्षा में इन दोनों सर्विसों में कुछ ब्रेक दिया जाए?

2. बिलासपुर गोली कांड में कांग्रेस नेता के करीबी मुख्य आरोपी को रायपुर के किस राजनेता के बंगले से गिरफ्तार किया गया?

किरण देव, पवन साय सहित कई भाजपा नेता गए बिहार

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

राज्योत्सव के रजत जयंती समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजधानी रायपुर में हुए कार्यक्रमों के बाद भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव और संगठन महामंत्री पवन साय सहित कई भाजपा नेता बिहार चुनाव के लिए रवाना हो गए हैं। जिन नेताओं को पहले से वहां की जिम्मेदारी मिली है, उनमें से मंत्री, विधायक और सांसद राज्योत्सव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन के कारण लौट आए थे, लेकिन ये सब अब फिर से वापस जा रहे हैं। कुछ शनिवार की रात को ही वापस चले गए, कुछ रविवार को जाएंगे। डिप्टी सीएम अरुण साव भी रविवार को जा रहे हैं।

बिहार में दो चरणों में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने प्रदेश के कुछ मंत्रियों, सांसद और विधायकों को वहां पर अलग-अलग विधानसभाओं की जिम्मेदारी सौंपी है। कई भाजपा नेता दीपावली से पहले वहां गए थे, लेकिन दीपावली पर ज्यादातर नेता वापस आ गए थे। इसके बाद सभी फिर वापस चले गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रायपुर आगमन के कारण ज्यादातर मंत्री, सांसद और विधायक वापस आ गए थे। अब ये सब वापस फिर से बिहार जा रहे हैं। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव और संगठन महामंत्री पवन साय शनिवार की रात को यहां से विमान द्वारा दिल्ली के लिए उड़े हैं। अब ये रविवार को दिल्ली से पटना के लिए उड़ान भरेंगे। इसके अलावा प्रदेश के मंत्री लखन देवांगन, राजेश अग्रवाल के साथ और कई नेता बिहार लौट रहे हैं। भाजपा के मीडिया प्रभारी हेमंत पाणिग्रही भी शनिवार की रात को सड़क मार्ग से बिहार के लिए निकले हैं। जो नेता बचे हैं, वे भी रविवार को वापस लौट जाएंगे। क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल को वहां पर 50 विधानसभाओं का जिम्मा दिया गया है, वे लगातार वहां पर डटे हुए हैं। इसी के साथ भाजपा नेता केदार गुप्ता, संजय श्रीवास्तव, सुशांत सिंह, भूपेंद्र सवन्नी, डॉ. सलीम राज, भावना बोहरा भी बिहार में डटे हैं।

बिजली बिल में अभी सेस से राहत नहीं, नया कोयला खरीदी के बाद ही मिलेगा लाभ

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

कोयले पर लगने वाला सेस केंद्र सरकार ने समाप्त कर दिया है। इसके स्थान पर जीएसटी लगेगा। ऐसे में बिजली बिल में लगने वाला प्रति यूनिट 10 पैसे का सेस समाप्त होना है। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने सेस समाप्त होने पर बिजली बिल में 12 पैसों तक की राहत की भी बात कही है, लेकिन फिलहाल यह राहत सितंबर के बिल में नहीं मिली है। अक्टूबर के बिल में भी इसके मिलने की संभावना कम है। पॉवर कंपनी के बिजली उत्पादन संयंत्रों में एक से डेढ़ माह के कोयले का स्टॉक रहता है। पॉवर कंपनी के अधिकारियों का कहना है कोयले का नया स्टॉक आने के बाद ही सेस समाप्त हो सकेगा।

प्रदेश भर के 65 लाख से ज्यादा बिजली उपभोक्ताओं को बिजली बिल में प्रति यूनिट पर दस पैसे सेस लगते हैं। अब इस सेस से राहत मिलने का रास्ता खुल गया है। केंद्र सरकार ने कोयले पर लगने वाला सेस समाप्त कर दिया है। अब आने वाले समय में बिजली बिल के साथ दस पैसे लगने वाला सेस समाप्त हो जाएगा।

लेकिन इसको समाप्त होने में थोड़ा समय लगेगा। सेस को 22 सितंबर से समाप्त किया गया है क्योंकि जीएसटी के नए स्लैब 22 सितंबर से लागू हुए हैं। कोयले को भी जीएसटी के दायरे में लाया गया है। पॉवर कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि अभी पॉवर कंपनी के बिजली उत्पादन संयंत्र में कोयले का पुराना स्टॉक है। वैसे भी सितंबर में 22 तारीख से कोयले को जीएसटी के दायरे में लाया गया तो सितंबर के बिल में सेस के समाप्त होने का सवाल ही नहीं है। अक्टूबर में भी सेस समाप्त होने की संभावना कम है क्योंकि कम से कम एक माह तक तो कोयले का पुराना स्टॉक चलेगा ही। इसके बाद नवंबर में जब नए कोयले की खपत होगी तो सेस समाप्त होगा।

सितंबर के बिल में सेस लगा, नवंबर में आने वाले अक्टूबर के बिल में भी नहीं मिलेगी राहत

बिजली की उत्पादन लागत में जो अंतर आता है, उसकी वसूली एफपीपीएएस शुल्क से की जाती है। सितंबर में इस शुल्क का उपभोक्ताओं को डबल झटका लगा है क्योंकि बीते माह का 7.10 फीसदी शुल्क लेने के साथ इस माह का 2.46 फीसदी शुल्क भी वसूला गया है। अब अक्टूबर के बिल में जहां बचा सात फीसदी शुल्क लिया जाएगा, वहीं नए माह का तय शुल्क भी लिया जाएगा। ऐसे में नवंबर में जो अक्टूबर का बिल आएगा, उसमें भी डबल झटका लगेगा।

साड़ी बेचने की आड़ में गांजा तस्करी दो महिलाओं सहित पांच गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूजःरायपुर

साड़ी बेचने की आड़ में गांजा तस्करी करने के आरोप में डीडीनगर तथा क्राइम ब्रांच पुलिस ने दो महिलाओं सहित पांच गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से सात लाख रुपए कीमत का 70 किलो गांजा जब्त किया है। महिलाएं महाराष्ट्र तथा शेष गांजा तस्कर ओडिशा के रहने वाले हैं। महिलाएं रायपुर में मकान किराया लेकर गांजा बेचने का काम कर रही थीं। ओडशा के तस्कर महिलाओं को गांजा लाकर देते थे। महिला साड़ी बेचने की आड़ में गांजा का अवैध कारोबार कर रही थीं। पुलिस ने अब तक गांजा तस्करों के नाम का खुलासा नहीं किया है। जानकारी के मुताबिक महिलाओं ने एक माह पूर्व डीडीनगर में किराए पर मकान लिया था। किराए पर मकान लेते समय दोनों महिलाओं ने मकान मालिक को महाराष्ट्र से साड़ी लाकर खरीदी-बिक्री करना बताया। महिलाएं जिस मकान से साड़ी खरीदी-बिक्री करती थीं, उसी मकान में स्थानीय तस्करों के पास गांजा बेचती थीं। दोनों महिलाओं को ओडिशा के गांजा तस्कर गांजा लाकर देते थे। इसके बाद महिलाएं स्थानीय गांजा तस्करों से संपर्क कर उन तक गांजा पहुंचवाने की व्यवस्था करती थीं। गांजा सहित अन्य तरह के मादक पदार्थों की अवैध खरीद फरोख्त रोकने पुलिस सख्ती बरत रही है। इसके चलते तस्कर मादक पदार्थों की अवैध खरीदी-बिक्री करने ट्रेंड बदल कर कारोबार कर रहे हैं। साड़ी बिक्री करने की आड़ में गांजा तस्करी करने का रायपुर में यह पहला मामला है।

मादक पदार्थ की अवैध खरीदी बिक्री करने के नए पैंतरे में स्थानीय तस्करों के संपर्क के बारे में पुलिस जानकारी जुटा रही है। गांजा तस्करी के तार ओडिशा, महाराष्ट्र के साथ स्थानीय तस्करों के साथ आपस में कैसे जुड़े, पुलिस इसकी पड़ताल कर रही है। पुलिस ने जिन महिलाओं को गिरफ्तार किया है, वे एक माह पूर्व महाराष्ट्र से रायपुर आई हुई हैं। ऐसे में महिलाओं की ओडिशा के साथ स्थानीय गांजा तस्करों के साथ एक दूसरे के साथ कैसे कड़ी जुड़ी, पुलिस इस संबंध में गिरफ्तार गांजा तस्करों से पूछताछ कर रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

बच्चों से पीएम...

समय के अनुभव उनसे साझा किए। बीमारी से ठीक होने के बाद सामान्य बच्चों की तरह खेलकूद करने और कई मैडल जीतने की जानकारी भी उन्होंने मोदी को दी। इस दौरान प्रधानमंत्री ने बच्चों के साथ कार्यक्रम में शामिल उनके परिजनों से अपील करते हुए कहा कि सत्य साईं बाबा के सौ साल यानी शताब्दी वर्ष का महीना शुरू हुआ है। साईं बाबा ने बहुत साल पहले पुट्टपर्थी के आसपास पानी की बहुत किल्लत को दूर किया था। किसी सरकार को भी इतना काम करना हो, तो कभी-कभी बहुत सोचना पड़ता है और उसमें से हमारे लिए संदेश यह है कि हमें पानी बचाना चाहिए। आपको मालूम है, मैं एक अभियान चलाता हूं- एक पेड़ मां के नाम। हर एक को अपनी मां अच्छी लगती है न, तो मां के नाम हमें एक पेड़ लगाना चाहिए, अपनी मां के नाम। तो धरती मां का भी कर्ज चुकाते हैं, अपनी मां का भी कर्ज चुकाते हैं। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल रामेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह, सत्यसाईं संस्थान के मधुसूदन साईं, पद्म विभूषित सुनील गावस्कर, संस्थान के अध्यक्ष डॉ. सी. श्रीनिवास मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी...

लाभार्थी- मेरा नाम अमिका है, मैं वेस्ट बंगाल से हूं, मुझे बड़ा होकर आर्मी आफिसर बनना है और मुझे देश की सेवा करनी है। लाभार्थी- मेरा सपना था आपसे मिलने का। प्रधानमंत्री ने पूछा जानती हो मुझे तो लाभार्थी ने कहा न्यूज में देखा था।

मोदी बोले- छग...

पूरे हो के गाड़ा-गाड़ा बधाई। श्री मोदी ने कहा, मैंने छत्तीसगढ़ को एक कार्यकर्ता के रूप में बहुत करीब से देखा है। मैंने छत्तीसगढ़ का गठन से पहले और बाद दोनों दौर देखा है। **तीन करोड़ और घर बनाएंगे-** श्री मोदी ने कहा, मैंने गरीबी को करीब से देखा है। मैं गरीबों की बेबसी और चिंता को समझता हूं। इसलिए जब 2014 में देश की जनता से हम पर भरोसा किया और केंद्र में हमारी सरकार आई तो हमारा फोकस गरीब कल्याण पर रहा है। हमारी सरकार ने गरीब की पढ़ाई, कमाई की चिंता करने का काम किया। गरीबों के लिए चार करोड़ पीएम आवास बनाने का काम किया गया। अब तीन करोड़ और पीएम आवास बनाना का लक्ष्य है। छत्तीसगढ़ में भी आज साढ़े तीन लाख गरीबों को पीएम आवास की चाबी मिल रही है। इसी के साथ तीन लाख गरीब परिवारों की 12 सौ करोड़ की किश्त जारी की जा रही है। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार गरीबों को घर देने के लिए गंभीर है। श्री मोदी ने कहा, सामान्य परिवार के लिए रसोई गैस कनेक्शन सपना था। हमने उज्जलवा योजना का प्रारंभ करके गरीबों का सपना भी पूरा किया है। छत्तीसगढ़ में अब रसोई गैस को पाइप लाइन से देने के लिए आज यहां पर नागपुर-झारसुगड़ा गैस पाइप लाइन योजना का भी प्रारंभ किया गया है।

विकास का श्रेय...

सरकारों ने काम किया है, लेकिन सबसे बड़ा श्रेय डा. रमन सिंह को जाता है। उन्होंने जब प्रदेश में मुख्यमंत्री के रूप में काम प्रारंभ किया था तो उनके सामने बड़ी चुनौतियां थी। आज डा. रमन सिंह विधानसभा अध्यक्ष के रूप में अपना योगदान दे रहे हैं। **विकसित भारत के लिए विकसित छत्तीसगढ़ भी जरूरी-** पीएम मोदी ने कहा, हम 2047 तक विकसित भारत की बात कर रहे हैं। विकसित भारत में विकसित छत्तीसगढ़ भी जरूरी है। छत्तीसगढ़ के युवा आगे आए। यह मोदी की गारंटी है। आपके हर कदम और हर संकल्प के साथ मोदी खड़ा है। छत्तीसगढ़ और देश एक साथ आगे बढ़ेंगे और विकास करेंगे।

सीएम साय बोले-...

अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। आज देश में मोदी युग चल रहा है। आज का भारत ऐसा है, जो दुश्मन को घर में घुसकर मारता है। आज का भारत ऐसा है, हम किसी को छेड़ते नहीं हैं, कोई छेड़े तो छोड़ते नहीं है। श्री साय ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी की छत्तीसगढ़ से अलग ही लगाव है। ये पहले छत्तीसगढ़ के प्रभारी भी रहे हैं। वे छत्तीसगढ़ के कौने-कौने से वाकिफ हैं। आज वे यहां आए हैं तो प्रदेश को 14 हजार करोड़ की सौगात दे रहे हैं। इसके पहले मार्च में जब बिलासपुर आए थे तब प्रदेश को 33 हजार करोड़ की सौगात दी थी।

मोदी ने जाना...

हैं। ऐसे में उन्होंने यहां पहुंचने पर सबसे पहले इनका हाल जाना। तीजन बाई डेढ़ साल से बीमार हैं। उनका इलाज जारी है। ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त वरिष्ठ साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल भी सांस की तकलीफ के कारण हॉस्पिटल में भर्ती हैं। इनसे बात कर पीएम मोदी ने कहा, कोई भी जरूरत होने पर वे सीधे उनसे संपर्क कर सकते हैं। श्री मोदी के तीजन बाई से बात करने के आधे घंटे बाद ही कलेक्टर अमले के साथ उनके घर पहुंच गए और उन्होंने स्थिति की पूरी जानकारी ली।

मोदी बोले-यह...

रूप में मैंने छत्तीसगढ़ में बहुत समय बिताया, यहां से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। मेरे जीवन को गढ़ने में यहां के लोगों का, यहां की भूमि का बहुत बड़ा आशीर्वाद रहा है। रजत जयंती के उत्सव पर मुझे राज्य के लोगों के लिए इस नई विधानसभा के लोकार्पण करने का सौभाग्य मिला है। **छत्तीसगढ़ नए शिखर पर खड़ा है-** उन्होंने कहा, आज का दिन छत्तीसगढ़ के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय बनकर चमक रहा है। आज जब हम इस भव्य और आधुनिक विधानसभा भवन का लोकार्पण कर रहे हैं, तो ये केवल एक इमारत का समारोह नहीं, बल्कि 25 वर्षों की जन-आकांक्षा, जन-संघर्ष और जन-गौरव का उत्सव बन गया है। गौरवशाली क्षण में मैं उन महापुरुष को नमन करता हूं, जिनकी दूरदृष्टि और करुणा ने इस राज्य की स्थापना की। वो महापुरुष हैं भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी। साल 2000 में जब अटल जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का गठन किया, तो वो निर्णय केवल प्रशासनिक नहीं था। वो निर्णय था विकास की नई राह खोलने का, और वो निर्णय था छत्तीसगढ़ की आत्मा को पहचान दिलाने का। इसीलिए आज जब इस भव्य विधानसभा के साथ-साथ अटल की प्रतिमा का भी अनावरण हुआ है, तो मन कह उठता है, मेरे भाव व्यक्त हो रहे हैं, अटल जी जहां भी हो, देखिए, आपका सपना साकार हो रहा है। आपका बनाया हुआ छत्तीसगढ़ आज आत्मविश्वास से भरा है, विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

डॉ. रमन की...

ऐसा देखने को नहीं मिलता। ये उदाहरण रमन सिंह जी दे सकते हैं कि जो कभी कैप्टन हुआ करते थे, वो आज सच्चे स्पिरिट से कार्यकर्ता के छत्तीसगढ़ की सेवा के लिए समर्पित हर कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा के रूप में कार्य कर रहे हैं।

ये थे मौजूद...

तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, अरुण साव, राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत सहित अन्य मंत्री, जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

मोदी ने देखी...

पोर्टल तथा शहीद वीर नारायण सिंह की घुड़सवार प्रतिमा का भी अनावरण किया। **घुड़सवार वीर नारायण की प्रतिमा लोकार्पित-** संग्रहालय परिसर में शहीद वीर नारायण सिंह की घुड़सवार प्रतिमा भी स्थापित की गई है। प्रधानमंत्री ने इस प्रतिमा का भी लोकार्पण किया। इसके साथ ही उन्होंने संग्रहालय से संबंधित डिजिटल पोर्टल का भी शुभारंभ किया।

50 करोड़ से...

में वर्ष 1774 से 1779 के बीच हुआ हल्बा विद्रोह, वर्ष 1795 में भोपालपट्नम विद्रोह, वर्ष 1792 में सरगुजा विद्रोह सहित अन्य कई विद्रोह है, जो जनजातीय वर्ग के नायकों ने अंग्रेजों के शासन एवं व्यापार के विरुद्ध किया था।

पीएम बोले-विश्व...

है, कोई आपदा आती है, तो भारत एक भरोसेमंद साथी के तौर पर मदद के लिए आगे आता है। मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद मैं जहां-जहां गया, एक भी देश ऐसा नहीं होगा, जहां एयरपोर्ट हो या कार्यक्रम का स्थान हो, मुझे ब्रह्माकुमारीज के लोग नहीं मिले हों, उनकी शुभकामनाएं मेरे साथ न रहीं हों। इसमें मुझे अपनेपन का एहसास भी होता है और आपकी शक्ति का भी अंदाजा लगता है। लोकार्पण कार्यक्रम में राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका ब्रह्माकुमारी जयंती दीदी, अतिरिक्त महासचिव ब्रह्माकुमार डॉ. मृत्युंजय भाई भी मौजूद रहे।

एसबीआई क्रेडिट...

जीएसटी विभाग शनिवार से छोटे और मझोले व्यवसायों के लिए एक सरल जीएसटी पंजीकरण योजना शुरू कर रहा है। छोटे और कम जोखिम वाले ऐसे व्यवसाय, जिन्हें वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली डेटा विश्लेषण के आधार पर पहचानती है, वे इस योजना का विकल्प चुन सकते हैं।

वेंकटेश्वर मंदिर में ...

रहे थे, तो रेलिंग टूट गई, जिससे एक कोने में खड़े लोग गिर गए और कुछ लोग उनके ऊपर गिर पड़े। यह उल्लेख करते हुए कि काशीबुग्गा वेंकटेश्वर मंदिर एक निजी मंदिर है और धर्मस्व विभाग के अधीन नहीं है, अनीता ने कहा कि हर शनिवार को यहां 1,500 से 2,000 श्रद्धालुओं का आना आम बात है। उन्होंने कहा कि शनिवार को एकादशी और कार्तिक मास का अवसर होने के कारण मंदिर में भारी भीड़ उमड़ने से यह घटना हुई।

व्हाइट कालर क्राइम...

नवनीत तिवारी को जनवरी 2024 को हिरासत में लिया है। उसके खिलाफ 420, 120-बी, 384, 467, धारा 468, 471 और प्रिवेंशन ऑफ़ करप्शन एक्ट, 1988 की धारा 7, 7-, 12 के तहत जुर्म दर्ज किया गया है। आरोप है कि तिवारी ने राजनेताओं और कुछ वरिष्ठ राज्य सरकार के अधिकारियों के सक्रिय समर्थन से तत्कालीन भूविज्ञान और खनिकर्म निदेशक को प्रभावित करने में कामयाबी हासिल की और 15 जुलाई 2020 को एक सरकारी आदेश जारी करवाया जो परिवहन परमिट जारी करने की ऑनलाइन प्रणाली को मैनुअल प्रणाली में परिवर्तित करके इस जबरन वसूली प्रणाली का स्रोत बन गया। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य में परिवहन किए जाने वाले कोयले के प्रति टन 25 रुपए वसूलने के लिए जबरन वसूली का एक नेटवर्क शुरू किया। तिवारी ने कोल ट्रांसपोर्टस और दूसरे बिजनेसमैन से एक्सटॉर्शन मनी वसूली।

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी | डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सूल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100
Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता है

आवश्यकता है- सिक्युरिटी सर्विस को सिरगिट्टी में सुरक्षा गार्ड (वेतन 11000) एवं सुरक्षा सुपरवाइजर (वेतन 12000) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- एस. एस. सिक्युरिटी सर्विस बिलासपुर 79746 91463 (39034)

आवश्यकता है- घर पर रहकर हमारे घर में घरेलू काम करने के लिए लड़का या लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- गोड़पारा गुरुद्वारा के बाजू में बिलासपुर छत्तीसगढ़ 9669211111, 9827175811 (39033)

आवश्यकता है- होलसेल दवाई दुकान हेतु (1) अनुभवी सेल्समैन (2) कम्प्यूटर ऑपरेटर (3) पैकिंग कार्य एवं लोकल में सामान डिलिवरी हेतु चाहिए बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- जगत एजेन्सीज मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर (39031)

आवश्यकता है- फर्नीचर दुकान में कार्य करने हेतु एक युवक की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार कार्य समय सुबह 9:30 से रात 9बजे तक सम्पर्क करें विश्वकर्मा इंडस्ट्रीज 27खोली चौक बिलासपुर 9827168412 (39029)

आवश्यकता है- लाईब्रेरी में लड़कों की एवं होटल में वेटर, साऊथ इंडियन, चायनीज, तन्दूर, आल राउन्डर कुक की आवश्यकता है रहने खाने की सुविधा वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7987633348 (39037)

आवश्यकता है- महिला सर्वेयर की आवश्यकता है आय प्रतिमाह 10वीं पास 9000, 12वीं पास 12000, ग्रैजुएशन 15000, पीजी 21000 नियम शर्ते लागू, सम्पर्क करें- राधा कृष्णा सेवा संस्थान रायपुर और बिलासपुर 8109100493 (39036)

आवश्यकता है- ऑटोमैटिक कार चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर चाहिए। जो घर एवं दुकान का कार्य भी कर सके, परिवार सहित रहने हेतु आवास सुविधा। सम्पर्क करें- प्रीमीयर एजेन्सीज मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर (39024)

आवश्यकता है- प्लाईवुड शोरूम में आफिस कार्य, टेलीकॉलिंग, सेल्स हेतु स्मार्ट शिक्षित, अनुभवी लड़कियां चाहिए वेतन 7000 से 20000 योग्यता अनुसार बोनस कमीशन। रिज्यूम 9608777772 पर Whats App करें। अनुभवी लड़कियां सम्पर्क करें- SS Plywood महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 9589687772 (39035)

आवश्यकता है- बिलासपुर, मंगला, मोपका, तेलीपारा, पुराना बस स्टैण्ड, सरकंडा, कोनी, सिरगिट्टी, परसदा, तिफरा हेतु सुरक्षा गार्ड चाहिए वेतन 9000 से 10000 आवास मुफ्त सम्पूर्ण बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें- 9993336942, 9589316942 (39038)

आवश्यकता है- अनुभवी John Bean व्हील एलाइन्मेंट, बैलेंसिंग, टायर चेंजिंग एवं नाइट्रोजन फिलिंग ऑपरेटर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8319724446 (39030)

आवश्यकता है- ब्यूटी पार्लर में काम करने के लिए अनुभवी लड़की की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सोमी ब्यूटी पार्लर महर्षि स्कूल के पास उस्लापुर 9754001470 (39019)

आवश्यकता है- जयराम नगर मस्तूरी में नए पैट्रोल पम्प पर काम करने के लिए लड़के, लड़कीयों एवं मैनेजर की आवश्यकता है अनुभवी व्यक्ति सम्पर्क करें- 80857 41414 (39015)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य एवं कम्प्यूटर आपरेटर हेतु फिमेल केन्डीडेट की आवश्यकता सैलरी 5500 से 7000 केवल फ्रेशर ही संपर्क करें 8602396507 (39010)

आवश्यकता है- शासकीय कार्यालयो में कानूनी पुस्तकों की मार्केटिंग हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए (उम्र का बंधन नहीं) वेतन 6000 से 10000+ कमिशन पता- आदर्श लॉ हाउस डीपी कॉलेज के सामने बिलासपुर 98270 79947 (1227)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में काम के लिये लड़को की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- मेलाराम हेमन्त कुमार मेडिकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 79999 34599 (39004)

आवश्यकता है- रेडीमेड शोरूम में 4वर्ष अनुभवी युवक/युवती सेल्समैन, साड़ी काउन्टर, गर्ल्स काउन्टर, ब्वॉयेज सेल्स काउन्टर संभालने का अनुभव हो। वेतन 10000 से अधिक सम्पर्क करें- नेशनल होजयरी NX सदर बाजार बिलासपुर (39032)

आवश्यकता है- होटल में काम करने के लिए कुक शेफ/ डिलीवरी बॉय/ गर्ल, बाई, किचन सुपरवाइजर, एकाउंटेंट की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- जगमल चौक बिलासपुर 7000078931 (39025)

आवश्यकता है- वेलनेस शॉपी में बिलिंग, प्रोडक्ट देने, एक कम्प्यूटर अनुभवी लड़का और एक अनुभवी फील्ड मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव/ ऑफिस मैनेजर लड़का चाहिए बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- शिवा इन्टरप्राइजेस अरपा कॉम्प्लेक्स पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 7067124226, (WA) 9893081826 (39020)

आवश्यकता है- बिजी साफ्टवेयर अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर युवती एवं माल जमाने, दिखाने तथा पैकिंग कार्य के लिए मेहनती लड़कों/ लड़कियों की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- आर.के. बूट हाउस तेलीपारा बिलासपुर (39022)

Required - Walk-in interview at Ocean Public School requires NUR/ TGT school Teacher (Maths/ English) Must have teaching experience, strong communication skills. Send resume to 6264161800 Address Geetanjali City Phase-2 Bahtarai Bilaspur (39012)

आवश्यकता है- प्रकाश साड़ी में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्समेन की आवश्यकता है (साड़ी एवं हेडलूम का 10 साल तक का अनुभवी) पेमेंट योग्यतानुसार संपर्क करें प्रकाश साड़ी कश्यप कॉलोनी बिलासपुर 7587314639 (39003)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में कार्य करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सरस्वती एजेन्सीज 53, मेडिकल काम्प्लेक्स होटल अजीत के पीछे तेलीपारा बिलासपुर 9827177772 (39023)

आवश्यकता है- होण्डा शोरूम में कार्य हेतु सेल्स मैनेजर-1, सेल्स एग्जीक्यूटिव (महिला)-5, कम्प्यूटर ऑपरेटर- 2, सर्विस एडवाइजर- 3, पार्ट्स मैनेजर-1 की आवश्यकता है सम्पर्क करें- मौसाजी होण्डा सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर 98274 82440 (39026)

आवश्यकता है- थोक सब्जी मंडी में कार्य हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर- 1पद (वेतन 9000 से 12000), कलेक्शन मैन- 2पद (वेतन- 12000 से 20000) योग्यतानुसार सम्पर्क करें- सुबह 10 से दोपहर 12बजे तक 9893599044 (39018)

आवश्यकता है- कंस्ट्रक्शन लाइन मे कार्य करने हेतु अनुभवी साइड सुपरवाइजर 1पद एवं फिल्ड वर्क हेतु युवक 1पद की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सुबह 10 से 12बजे तक 98935 99044 (15339)

आवश्यकता है- छोटा हाथी पिकअप चलाने के लिए 2 ड्राइवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें-शारदा एजेन्सी व्यापार विहार बिलासपुर 9926124555 (39001)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वी, 12वी, पास लड़कों की अवसकता है जो कटनी दमोह ग्वालियर में काम कर सके वेतन- 12000+ कमीशन+ बोनस, रहना फ्री, ट्रेनिंग बाद 12,000 से 20000 महीने। संपर्क करें- 8982690021, 9993911979 (511)

आवश्यकता है- घरेलू कार्य हेतु एक लड़की/ महिला की आवश्यकता है कार्य समय सुबह 9 बजे से शाम 6:30 बजे तक सम्पर्क करें- शिव मंदिर के पास, विद्या नगर बिलासपुर 9039018610, 70009 53447 (1480)

आवश्यकता है- एक कम्प्यूटर ऑपरेटर लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सरस्वती मेडिकल एजेन्सी 52, मेडिकल काम्प्लेक्स, तेलीपारा अजीत होटल के पीछे बिलासपुर 9827177377 (39011)

आवश्यकता है-घरेलू कार्य करने हेतु महिला/ लड़की की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- पाटलिपुत्र कॉलोनी लोयला स्कूल के बाजू में वसंत विहार चौक बिलासपुर 7974770055, 88899 97826 (38966)

आवश्यकता है- सीमेन्ट दुकान में और ऑफिस में कार्य के लिए दो अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 8801035000, 88010 36000 (39013)

आवश्यकता है- लॉण्ड्री शाप हेतु वाशर मैन, आयरन मैन, स्टोर मैनेजर एवं CCTV कैमरा लगाने हेतु अनुभवी युवक चाहिए सम्पर्क करें- Rays इलेक्ट्रीकल, होटल अजीत के नीचे मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 97527 60266 (1233)

आवश्यकता है- रजिस्ट्री संबंधी कार्य हेतु MS वर्ड अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर चाहिए वेतन योग्यतानुसार आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- सुबह 10:30 से शाम 5.30 प्रकाश श्रीवास रजिस्ट्री आफिस परिसर बिलासपुर 9770107388, 98279 66496 (1225)

आवश्यकता है- सिक्युरिटी एजेंसी में गार्ड का कार्य करने हेतु इच्छुक व्यक्ति की आवश्यकता है न्यूनतम योग्यता 10वी पास, (अनुभवी को प्राथमिकता) संपर्कः- उमा सिक्युरिटी सर्विसेज बिलासपुर 99816 30084,942553490 (341)

आवश्यकता है-सिविल साइट सुपरवाइजर, इंजीनियर (autocad, structural knowledge साइट चलाने योग्य) एवं ऑफिस, साइड वर्क, रजिस्ट्री राजस्व विभाग डायवर्सन नामांतरण नगर निगम संबंधी कार्य हेतु अनुभवी मैनेजर चाहिए सम्पर्क- 97707 70000, 9827072000 (38934)

आवश्यकता है- सफाई कर्मचारी नियुक्ति : चंदखुरी रायपुर कुत्तों के अस्पताल में स्वीपर का झाड़ू लगाना, बर्तन, कपड़े धोने का काम है वेतन रू. 10,000/- खाने रहने की सुविधा नशेड़ी संपर्क न करें- 7225888800 (7000)

आवश्यकता है- क्लिनिक में काम करने के लिए लड़की की आवश्यकता है। पता-पुराना बस स्टैंड, राजीव प्लाजा के पास बिलासपुर (सैलरी 4-5 हजार) मो. 7880210386 (342)

आवश्यकता है-नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो सम्पर्क करें- 9241054300 (590)

आवश्यकता है- रायपुर में इंडस्ट्रियल मोटर /जनरेटर सर्विस सेंटर में आईटीआई इलेक्ट्रीशियन तथा वाइंडिंग कार्य हेतु वाइंडर, हेल्पर तथा मार्केटिंग कार्य हेतु युवक की आवश्यकता है। संपर्क 7869096500,7898900131 (465)

आवश्यकता है- आयुर्वेदिक हॉस्पिटल में काम करने हेतु लड़की (पंचकर्म थैरापिस्ट) भी आवश्यकता है संपर्क करें श्री आयुर्वेद शंकर नगर रायपुर छ.ग. 9827312343, 94060 10081 (4030)

आवश्यकता है- अम्माजी ट्रेडर्स मे प्रोडक्ट सेल्समेन (फील्ड ऑफिसर) बिलासपुर के बाहर क्षेत्र हेतु, तत्काल भर्ती। योग्यता- 12वीं पास, स्वयं का वाहन व सेल्स अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन +इंसेंटिव +पेट्रोल, संपर्कः- 6266732985, 96851 38652 व्यापार विहार बिलासपुर (346)

आवश्यकता है- ग्वालियर में ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं ग्रेजुएट अविवाहित लड़के चाहिए.वेतन 10000 + कमीशन + बोनस के साथ कमाए 15000-20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया का कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करे 9039470547 (512)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में माल निकालने /जमाने हेतु लड़कियों, पैकिंग हेतु लड़को की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सलुजा मेडिकल एजेंसी मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा (347)

आवश्यकता है- बिलासपुर की निर्माणाधीन कॉलोनी में सिविल कॉन्ट्रैक्टर (छत नापी+ आइटम रेट) शटरिंग कॉन्ट्रैक्टर, लोहार की आवश्यकता है, संपर्क करें:- 9589000577, 78289 02615, 7999245462, 7970010956 (343)

बेचना

बेचना है-हर्षफिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड49 बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 2/3/4BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफोर्डेबल फ्लैट टाउनकंट्री रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 (38649)

बेचना है- नवनिर्मित मकान 950 वर्गफीट में दो बेड, हॉल, किचन, पोर्च सहित बंधवापारा सरकण्डा बिलासपुर में अतिशीघ्र बेचना है। सम्पर्क करें- 9229423698 (39016)

बेचना है- खैराचपोरा NH से 3KM अन्दर कंचनपुर रोड से 200मीटर साइड रोड 18एकड़ जमीन 14लाख एकड़, खैराचपोरा NH 1एकड जमीन नया/ पुराना दोनों हाइवे में फ्रंट 288ft. खरीददार सम्पर्क- 7089666594, 88010 39000 (1232)

बेचना है- रायपुर रोड में हाई कोर्ट के सामने एयरपोर्ट रोड में 50×200 वर्गफुट का प्लॉट बेचना है। सम्पर्क करें- 78695 75428 (39007)

बेचना है- रतनपुर केरा तालाब से लगा हुआ पूर्व मुखी 20 फीट रोड 44×55= 2420 वर्गफीट प्लाट अतिशीघ्र बेचना है खरीददार ही सम्पर्क करें- 9407912771, 9407960311 (39009)

बेचना है- डायवर्टेड जमीन कोनी में अटल युनिवर्सिटी से 400 मीटर, 20 फिट रोड पर वासुदेव विहार में 2200 वर्गफीट 50×44 पश्चिम मुखी प्लॉट अतिशीघ्र बेचना है। सम्पर्क करें- 9827896543, 9329584696, 942557 5522 (1481)

बेचना है- बिलासपुर सिम्स रोड, गोड़पारा में स्थित कॉम्प्लेक्स में दो एयर कंडिशन दुकानें लेट्रिन बाथरूम अटेच, पार्किंग सुविधा उपलब्ध बेचना है। बिचोलिए या एजेन्ट फोन ना करें। केवल स्वयं के उपयोग हेतु इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- 7974357958 (39028)

बेचना है- बिलासपुर से 25km कोटा मुख्य मार्ग से 1km ग्राम मोहनभाटा विपाशना ध्यान केन्द्र आश्रम के पास 1एकड़ 22डिसमिल रोड में फ्रंट 350 फार्महाउस कॉटेज हेतु बेहतरीन प्लॉट सम्पर्क- 9993770950, 98274 85990 (39021)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

बेचना है- चकरभाठा झूलेलाल मन्दिर के पास शानदार आवासीय भूमि कॉलोनी बनाने एवं प्लॉटिंग करने के लिए अतिउत्तम 6एकड़ बेचना है। सम्पर्क करें- 9300671120 (39039)

बेचना है- विकसित T&C अप्रूव्ड आवासीय कालोनी आर. के. रेसीडेन्सी तिफरा में दो स्वतंत्र मकान बेचना है कीमत 2BHK 45 लाख एवं 3BHK 80 लाख सम्पर्क करें- 93009 89627 (39017)

बेचना है-श्री राम पार्क कॉलोनी सकरी, बिलासपुर राष्ट्रीय राज मार्ग के बगल में 30×50 वर्गफीट पूर्व मुखी, आवासीय टीएनसी रेरा स्वीकृत प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 91655 36159 (38980)

व्यापार

व्यापार-जुड़िये ऐसे आकर्षक व्यवसाय से जो बिना रिस्क आपको घर बैठे दें सकता है 30000- 50000 प्रतिमाह आमदनी, जिसमे ऑटोमैटिक मशीन द्वारा डिस्पोजल दोना पत्तल, प्लेट्स बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का अनुबंध पेशेवर प्रशिक्षण सहित सम्पर्क करें- APS इंटरप्राइजेस रायपुर- 91117 60925, 9977676447, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, अंबिकापुर- 8827848099 (302)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
बंगाली क्षत्रिय,
जनरल कास्ट,
उम्र 36वर्ष,
हाइट 5'-8"
बीकॉम,
स्वयं का दुकान,
बिलासपुर निवासी।
मैरिज ब्यूरो क्षमा करें
-:सम्पर्क करें:-
7223094942

सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

इतिहास रचने को तैयार टीम इंडिया, महिला वर्ल्ड कप को मिलेगा नया चैंपियन

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड ने महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में अपने तीसरे प्रयास में खिताबी सूखे को खत्म किया था और कुछ ऐसी ही स्थिति भारतीय महिला टीम की है, जो रविवार को अपने तीसरे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की चुनौती का सामना करेगी। दक्षिण अफ्रीका का यह महिला विश्व कप का पहला फाइनल है। भारतीय टीम इससे पहले मिताली राज की अगुवाई में 2005 और 2017 में विश्व कप के फाइनल में पहुंच चुकी है। साल 2005 में दक्षिण अफ्रीका में खेले गए विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 98 रन से हराया था जबकि 2017 में इंग्लैंड ने घरेलू सरजमीं पर रोमांचक फाइनल में भारत पर नौ रन से जीत दर्ज की की। ऑस्ट्रेलिया सात खिताब और 9 फाइनल के साथ विश्व कप की सबसे सफल टीम है जबकि इंग्लैंड ने तीन और न्यूजीलैंड ने एक खिताब जीता है ऐसे में रविवार का दिन महिला क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक होगा क्योंकि जीतने वाली टीम पहली बार विश्व विजेता बनेगी।

आज दोपहर 3 बजे से भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खिताबी मुकाबला

विश्व कप में 1982 में हुआ था पहला फाइनल मैच

महिला विश्व कप के शुरुआती दो आयोजनों में विजेता का फैसला लीग चरण के अंकों के आधार पर हुआ था। इसमें 1973 में इंग्लैंड और 1978 में ऑस्ट्रेलिया चैंपियन बना था। विश्व कप में फाइनल मैच की प्रथा 1982 से शुरू हुई। इंग्लैंड को 1982 और 1988 में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से शिकस्त का सामना करना पड़ा लेकिन टीम ने 1993 में न्यूजीलैंड को हराकर पहली बार विश्व कप फाइनल जीता। न्यूजीलैंड इसके बाद 1997 में भारत में खेले गए विश्व कप के फाइनल में पहुंचा लेकिन इस बार उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। टीम ने हालांकि घरेलू सरजमीं पर साल 2000 में खेले गये विश्व कप के फाइनल में चिर-प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया को हराकर इंग्लैंड की तरह ही अपने तीसरे प्रयास में सफलता हासिल की। भारत विश्व कप में अपना तीसरा फाइनल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने को तैयार है।

टीमें इस प्रकार

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), उमा छेत्री (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, श्री चरणी, राधा यादव।

दक्षिण अफ्रीका : लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), एनेके बॉश, तजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसन, सिनालो जाफ्ता, मारिजान काप अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, कराबो मेसो, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, नोंडुमिसो टंगारियोन।

वनडे में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी

दोनों देशों के बीच 33 वनडे मैचों 20 जीत के साथ भारत का पलड़ा भारी है लेकिन विश्व कप में मुकाबला बराबरी का है। वनडे विश्व कप के छह मैचों में भारत के नाम तीन जीत हैं लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने पिछले तीनों मैच में भारत को शिकस्त दी है। दक्षिण अफ्रीका इकलौती ऐसी टीम है, जिसे भारत ने 2017 से इस वैश्विक आयोजन में नहीं हराया है। विश्व कप के इतिहास में इससे ज्यादा बार लगातार मैचों में ऑस्ट्रेलिया (आठ) और न्यूजीलैंड (पांच) ने भारत को हराया है।

मेजबान टीम खेलेगी खिताबी मुकाबला

भारत ने फाइनल की मेजबानी कर रहे डीवाई पाटिल स्टेडियम में अपने दो मैचों जीत दर्ज की है जबकि बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार इस मैदान पर खेलेगी।

खबर संक्षेप

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को हराया सीरीज पर किया कब्जा

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को तीसरे वनडे क्रिकेट मैच में 222 रन पर समेटने के बाद दो विकेट से हराकर श्रृंखला 3.0 से जीत ली। न्यूजीलैंड ने 32 गेंद बाकी रहते आठ विकेट पर 226 रन बनाए। जाक फोकेस 14 और ब्लेयर टिकनेर 18 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड ने पहला मैच चार विकेट से और दूसरा पांच विकेट से जीता था। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने जोफ्रा आर्चर, ब्रायडन कार्स और जैमी ओवरटन से सारे ओवर करा लिए थे लिहाजा निर्णायक आखिरी ओवरों में सैम कुरेन और आदिल रशीद के ही विकल्प बचे थे। इंग्लैंड के बल्लेबाज श्रृंखला में तीसरी बार नाकाम रहे और टीम 50 ओवरों के भीतर ही आउट हो गई। एक समय पर पहले दस ओवर के भीतर उसके चार विकेट 44 रन पर गिर गए थे। इस महीने से आस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली एशेज श्रृंखला से पहले जैमी स्मिथ, बेन डकेट, जो रूट और जैकब बेथेल का खराब फॉर्म चिंता का सबब है।

टी20 में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने बाबर

कराची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम भारत के रोहित शर्मा और विराट कोहली को पीछे छोड़कर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। बाबर ने लाहौर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच में 18 गेंदों पर 11 रन बनाकर यह उपलब्धि हासिल की। बाबर ने अब तक 123 मैचों में 39.57 की औसत से 4234 रन बनाए हैं, लेकिन सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल अन्य खिलाड़ियों की तुलना में उनका स्ट्राइक रेट और छक्कों की संख्या कम है। बाबर का स्ट्राइक रेट 128.77 है और उन्होंने 73 छक्के लगाए हैं। इस मामले में रोहित, कोहली, जोस बटलर और पॉल स्टर्लिंग उनसे आगे हैं।

अर्शदीप को नजरअंदाज करना उचित नहीं : अश्विन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में भारतीय टीम प्रबंधन के टी20 टीम के अंतिम एकादश में अर्शदीप सिंह को शामिल नहीं करने पर हैरानी व्यक्त करते हुए कहा कि बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज के रिकॉर्ड को देखते हुए उन्हें जसप्रीत बुमराह के बाद दूसरी पसंद का तेज गेंदबाज होना चाहिए। अश्विन का मानना है कि अर्शदीप जैसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को नजरअंदाज करना उचित नहीं है।

आज दोपहर 1:45 बजे से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टी20

तेज गेंदबाज हेजलवुड टीम से बाहर भारतीय बल्लेबाजों को मिलेगी राहत

एजेंसी ▶▶| होबार्ट

तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में भारतीय बल्लेबाजों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार 2 नवंबर को होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में थोड़ी राहत मिलेगी और वह पहले से बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को अंतिम एकादश में जगह मिल पाती है या नहीं क्योंकि उनको लगातार बाहर रखने पर सवाल उठने लग गए हैं। सही लंबाई पर गेंद डालने में हेजलवुड की सटीकता और उछाल, भारतीय बल्लेबाजों के लिए दु:स्वप्न बन गई। ऑस्ट्रेलिया को इस महीने के आखिर में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलनी है और उसे देखते हुए हेजलवुड को विश्राम दिया गया है।

भारतीय बल्लेबाजों को अतिरिक्त उछाल वाली गेंदों से दिक्कत

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने मेलबर्न में खेले गए दूसरे मैच के बाद कहा था, 'यह निश्चित रूप से राहत की बात होगी। मैंने ऐसी गेंदबाजी का सामना पहले कभी नहीं किया।' ऐसी स्थिति में भारतीय बल्लेबाजों को राहत मिलना स्वाभाविक है और वे जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस या सीन एबॉट जैसे गेंदबाजों का सामना करते समय अधिक आश्वस्त महसूस करेंगे। कप्तान सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल दोनों को अतिरिक्त उछाल और अच्छी सीम मूवमेंट वाली गेंदों से निपटने में दिक्कत हो रही है। सूर्यकुमार और गिल ने कैनबरा में बारिश से प्रभावित मैच में अच्छी बल्लेबाजी की थी और वह उसको दोहराने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। यह मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था।

बेलेरिव ओवल स्टेडियम की सीमा रेखा छोटी

होबार्ट स्थित बेलेरिव ओवल एक ऐसा मैदान है, जहां दोनों तरफ की सीमा रेखा छोटी है और ऐसे में शार्ट पिच गेंद पर कवर, प्वाइंट, स्क्वायर लेग या मिड-विकेट पर लंबे शॉट लगाए जा सकते हैं। बेलेरिव ओवल वह मैदान है, जहां विराट कोहली ने 2012 में श्रीलंका के खिलाफ 321 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 86 गेंदों में नाबाद 133 रन की शानदार पारी खेली थी। बेलेरिव ओवल की पिच पारंपरिक रूप से सफेद गेंद से होने वाले मैचों के लिए उपयुक्त मानी जाती है। यह तेज गेंदबाज एलिस का बीबीएल में घरेलू मैदान भी है, जो स्थानीय फ्रेंचाइजी होबार्ट हरिकेंस के कप्तान हैं। इस दौरे पर बल्लेबाजी की गहराई को लेकर भारतीय टीम प्रबंधन का जुनून चर्चा का विषय रहा है और एमसीजी में 125 रन के मामूली स्कोर पर आउट होने के बाद उसकी इस रणनीति पर सवाल उठने लग गए हैं।

हर्षित की गेंदबाजी में निरंतरता का अभाव

जहां तक गेंदबाजी का सवाल है तो हर्षित की गेंदबाजी में निरंतरता का अभाव है। अब यहां देखना दिलचस्प होगा कि अर्शदीप को उनकी जगह अंतिम एकादश में शामिल किया जाता है या नहीं। अगर टीम प्रबंधन हर्षित को टीम में बनाए रखने की रणनीति पर कायम रहता है तब भी अर्शदीप को किसी एक स्पिनर के स्थान पर अंतिम एकादश में रखना चाहिए क्योंकि यहां के विकेट से स्विंग मिलने की संभावना है।

टीमें इस प्रकार

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, ग्लेन मैक्सवेल, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट और मार्कस स्टोइनिस।

टेनिस

बोपन्ना ने छोड़ा रैकेट, पेशेवर टेनिस को कहा अलविदा

- रोहन ने कहा, टूर पर बीस यादगार वर्ष बिताने के बाद अब विदा लेने का समय

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अनुभवी टेनिस खिलाड़ी और दो बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस को अलविदा कह दिया, जिससे एटीपी टूर पर उनके दो दशक से अधिक के कैरियर पर विराम लग गया। 45 वर्ष के बोपन्ना ने आखिरी बार इस सप्ताह पेरिस मास्टर्स में खेला, जिसमें वह कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुबलिक के साथ पहले दौर में हार गए। कर्नाटक के कूर्ग के रहने वाले बोपन्ना ने ' अलविदा ..लेकिन अंत नहीं ' शीर्षक से अपने भावुक बयान में लिखा,' आधिकारिक रूप से खेल से विदा ले रहा हूं।' उन्होंने आगे लिखा ,' आप उस चीज से विदा कैसे ले सकते हैं, जिसने आपकी जिंदगी को मायने दिए। टूर पर बीस यादगार वर्ष बिताने के बाद अब विदा लेने का समय है।' उन्होंने लिखा,'भारत के छोटे से शहर कूर्ग से सफर की शुरुआत करने से लेकर , सर्विस दमदार बनाने के लिए लकड़ी के टुकड़े कांटने, स्टेमिना बढ़ाने के लिए कॉफी के बागानों के बीच से जॉगिंग करने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े कोर्ट पर दूधिया रोशनी में अपने सपनों को पूरा करने तक। सब सपने जैसा लगता है।'

रोहन ने 2023 में डेविस कप से ली थी विदाई

बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक के बाद अंतरराष्ट्रीय कैरियर से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 2023 में डेविस कप से विदा ली थी और आखिरी बार लखनऊ में मोरक्को के खिलाफ खेला था। युगल विशेषज्ञ बोपन्ना ने 22 साल तक खेलने के बाद टेनिस को खेल से अधिक करार देते हुए कहा कि चुनौतीपूर्ण क्षणों में यह उनके लिए शक्ति, विश्वास और ध्येय का स्रोत रहा। उन्होंने लिखा,'हर बार जब मैं कोर्ट पर उतरता था, तो इसने मुझे हिम्मत और फिर से लड़ने की सीख दी जब मेरे अंदर से आवाज आती थी कि मैं नहीं कर सकता और सबसे बढ़कर इसने मुझे याद दिलाया कि मैंने क्यों शुरू किया था और मैं कौन हूं।' बोपन्ना ने अपने परिवार को भी धन्यवाद दिया।

नॉर्थ कोस्ट स्क्वाश

रतिका का दमदार प्रदर्शन सेमीफाइनल में मारी एंट्री

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत की रतिका सुथांथरा सीलन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ऑस्ट्रेलिया के कॉफ्स हार्बर में चल रही 6 हजार अमेरिकी डॉलर इनामी पीएसए चैलेंजर प्रतियोगिता नॉर्थ कोस्ट ओपन स्क्वाश के महिला वर्ग के एकल सेमीफाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में हांगकांग की तीसरी वरीयता प्राप्त बोबो लैम को 3-1 से हराया। तमिलनाडु की रहने वाली इस सातवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली प्रतिद्वंद्वी लैम को 11-13, 11-4, 14-12, 12-10 से हराया। सीलन का अगला मुकाबला मिस्र की दूसरी वरीयता प्राप्त लोजैन गोहारी से होगा।

अय्यर को अस्पताल से मिली छुट्टी, बीसीसीआई ने दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली। भारत के वनडे उप-कप्तान श्रेयस अय्यर को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में कैच लेने के सफल प्रयास के दौरान तिल्ली और पसलियों में चोट लगने के बाद सिडनी के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बीसीसीआई ने कहा, 'उनकी (अय्यर) हालत और वह चोट से अच्छी तरह से उबर रहे हैं। सिडनी और भारत के विशेषज्ञों के साथ बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनके स्वास्थ्य लाभ से संतुष्ट है और उन्हें आज अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।' इस 30 वर्षीय खिलाड़ी को 25 अक्टूबर को तीसरे वनडे में हर्षित राणा की गेंद पर एलेक्स कैरी का कैच लेने के दौरान बायीं पसलियों के निचले हिस्से और तिल्ली में चोट लग गई थी और आंतरिक रक्तस्राव होने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था। वह फिट होने पर भारत लौट आएंगे, लेकिन कम से कम अगले दो महीने तक वह मैदान से बाहर रहेंगे।

मेस्सी 13 दिसंबर को आएंगे भारत देश के चारों कोनों का करेंगे दौरा

कोलकाता। अर्जेंटीना के फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी 'जीओएटी भारत दौरे 2025' पर हैदराबाद भी जाएंगे, जिसे केरल में अर्जेंटीना टीम का प्रस्तावित दोस्ताना मैच रद्द होने के बाद कार्यक्रम में शामिल किया गया है। नए कार्यक्रम के तहत अब मेस्सी देश के चारों कोनों पूर्व (कोलकाता), दक्षिण (हैदराबाद), पश्चिम (मुंबई) और उत्तर (दिल्ली) जाएंगे। मेस्सी 12 दिसंबर की मध्यरात्रि या 13 दिसंबर को तड़के पहुंचेंगे। वह मियामी से दुबई आकर एक या दो दिन आराम करेंगे, जिसके बाद निजी जेट से कोलकाता आएंगे। मेस्सी 13 दिसंबर को कोलकाता से हैदराबाद जाएंगे और 14 दिसंबर को मुंबई पहुंचेंगे। वह 15 दिसंबर को दिल्ली जाएंगे, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। इस दौरे के आयोजक सतादू दत्ता ने कहा,' अब वह दक्षिण भारत भी जाएंगे। दक्षिण भारत के लाखों फुटबॉलप्रेमियों को यह तोहफा होगा। इसके साथ ही भारत के हर कोने को इसमे शामिल किया गया है। मैं चाहता हूं कि पूरा भारत इसका हिस्सा हो। केरल का मैच रद्द होने के कारण दक्षिण भारत के लोगों को मेस्सी को देखने के मौके से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।' उन्होंने कहा,' दक्षिण भारत के लोग हैदराबाद जाकर उन्हें देख सकते हैं। हैदराबाद के कार्यक्रम की बुकिंग एक सप्ताह के भीतर शुरू होगी। यह कार्यक्रम गाचिबोली या राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होगा।'

दो साल बाद ज्वेरेव ने मेदवेदेव के खिलाफ तोड़ा हार का सिलसिला

पेरिस। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने दो मैच प्वाइंट बचाकर दानिल मेदवेदेव को 2-6, 6-3, 7-6 (5) से हराया और पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने की उम्मीद बरकरार रखी। ज्वेरेव ने इस जीत से मेदवेदेव के खिलाफ पिछले दो साल से चला आ रहा पांच मैचों की हार का सिलसिला समाप्त कर दिया। दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव सेमीफाइनल में दूसरे नंबर के यानिक सिनर से भिड़ेंगे। पिछले सप्ताहांत वियना फाइनल में दोनों की भिड़ंत हुई थी, जहां सिनर ने तीसरे सेट में 7-5 से जीत हासिल की थी।

विश्व कप जीतने पर महिला टीम को मिलेगी बड़ी राशि

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम अगर नवी मुंबई में रविवार को वनडे विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर इतिहास रच देती है तो बीसीसीआई हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम को बड़े नकद पुरस्कार से सम्मानित करने के लिए तैयार है।

माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व सचिव और अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के चेयरमैन जय शाह की 'समान वेतन' नीति का अनुकरण करते हुए शीर्ष अधिकारी महिला टीम को उतनी ही पुरस्कार राशि देने पर विचार कर रहे हैं, जितनी पिछले साल टी20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम को दी गई थी। भारतीय पुरुष टीम ने टी20 विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था, जिससे खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की पूरी टीम को उनके प्रदर्शन के लिए 125 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि दी गई थी।

बीसीसीआई ने किया समान वेतन का समर्थन

बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, 'बीसीसीआई पुरुषों और महिलाओं के लिए समान वेतन का समर्थन करता है इसलिए इस बात पर काफी चर्चा हो रही है कि अगर हमारी लड़कियां विश्व कप जीत जाती हैं तो पुरस्कार राशि पुरुषों की विश्व कप जीत की तुलना में कम नहीं होगी। लेकिन विश्व कप जीतने से पहले घोषणा करना अच्छा नहीं है।'

नहीं मिल रहे महिला विश्व कप फाइनल के टिकट

नवी मुंबई। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम आईसीसी वनडे विश्व कप में इतिहास रचने से एक जीत दूर है और ऐसे में प्रशंसकों के बीच इस मैच को लेकर जबरदस्त उत्साह है लेकिन टिकट नहीं मिलने से उन्हें निराशा का सामना करना पड़ रहा है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच फाइनल रविवार को खेला जाना है और सेमीफाइनल में सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया को रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करके पांच विकेट से हराने वाली मेजबान टीम को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। सेमीफाइनल में भारतीय टीम के प्रदर्शन के बाद फाइनल के लिए डीवाई पाटिल स्टेडियम के बाहर टिकट के लिए प्रशंसकों की भीड़ देखी जा सकती है। स्टेडियम में दर्शकों को आकर्षित करने के लिए टिकट की कीमत महज 100 रुपए से शुरू थी लेकिन शनिवार दोपहर तक स्टेडियम में दर्शकों के लिए टिकट उपलब्ध नहीं थे।

पंजाब एण्ड सिंध बैंक (भारत सरकार का उपक्रम)
Punjab & Sind Bank (A Govt. of India Undertaking)
जहाँ सेवा ही जीवन-ध्येय है
अंचल: द्वितीय तल, सीआई स्क्वायर के पास, नयापुरा, कोलार रोड, अकबरपुर, मेन कोलार रोड, भोपाल -462042 फोन : 0755-4249988, 4243700, 4203836
पंजाब एण्ड सिंध बैंक निम्नलिखित स्थान पर शाखा हेतु कमर्शियल परिसर जो भूतल पर स्थित हो लीज आधार पर कम से कम 15 वर्ष हेतु आवेदन आमंत्रित करता है :-

स्थान	कारपेट क्षेत्रफल
रायगढ़	1000-1200 वर्गफिट
कोरिया	1000-1200 वर्गफिट

विस्तृत विवरण हेतु हमारी वेबसाइट https://punjabandsind.bank.in/module/tender-list देखें।
आंचलिक प्रबंधक, भोपाल

कार्यालय नगर पंचायत सरसींवा, जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)
क्रमांक/510/न.पं./लो.नि.वि/2025-26 सरसींवा, दिनांक 30/10/2025
ई प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
(2nd Call)
नगर पंचायत सरसींवां द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत समक्ष श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन के माध्यम से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सिस्टम टेण्डर क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत राशि (रू. लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	178295	REQUEST FOR PROPOSAL FOR Design. Testing. Construction. Commissioning and setting up of Material Recovery Facility (MRF) & Compost Plant in Municipal Areas of Sarsiwa, Chhattisgarh	53.72	21/11/2025

उपरोक्त निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेट वेब पोर्टल http//eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http//uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत सरसींवा, जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-टेंडर नोटिस नं. एन.आई.टी./14/25/49, तिथिः 28.10.2025

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	टेंडर बंद/खुलने की तिथि एवं समय	मात्रा
1	02253957	"ई-70 व्हिजीलेंस यूनिट (न्यू वर्जन) ऑफ थ्री फेज लोकोमोटिव"	14.11.2025 At 10:30 hrs	13 नग
2	03253177C	नकल पिवोट पिन फॉर बॉक्सएनएचएल वैगन	27.11.2025 At 10:30 hrs	74.004 नग
3	03253163	कॉन्स्टेंट कॉन्टैक्ट साइड बेयरर असेम्बली (स्प्रिंग लोडेड टाईप) फॉर बॉक्सएन 'एस' वैगन	27.11.2025 At 10:30 hrs	2151 सेट
4	03252049A	सेंटर पिवोट टॉप फॉर कसंनब 22 एचएस (मॉड-I) बोगी	27.11.2025 At 10:30 hrs	1910 नग

रेलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धिपत्र और ई खरीद की जरुरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं।
सहायक सामग्री प्रबंधक-III
सीपीआर/10/409 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर

घर के फर्नीचर से लेकर स्विच बोर्ड तक, सभी बने हैं चमचमाते सोने से

इंदौर के व्यक्ति ने सोने से सजाया है अपना घर, हर तरफ दिखेगा 24 कैरेट सोना ही सोना

इंदौर। सोना एक ऐसी धातु है, जिसे लक्जरी से जोड़ा जाता है। इससे बने जेवर पहनकर लोग शाही लुक पा लेते हैं। हालांकि, क्या हो अगर किसी का पूरा घर ही सोने से सजा हो? सुनकर हैरानी होती है, लेकिन इंदौर के एक व्यक्ति ने अपने घर का कोना-कोना सोने से सजाया है। उनके घर के फर्नीचर से लेकर स्विच बोर्ड तक, सभी 24 कैरेट सोने से बने हुए हैं। आइए इस अनोखे घर के बारे में विस्तार से जानते हैं।

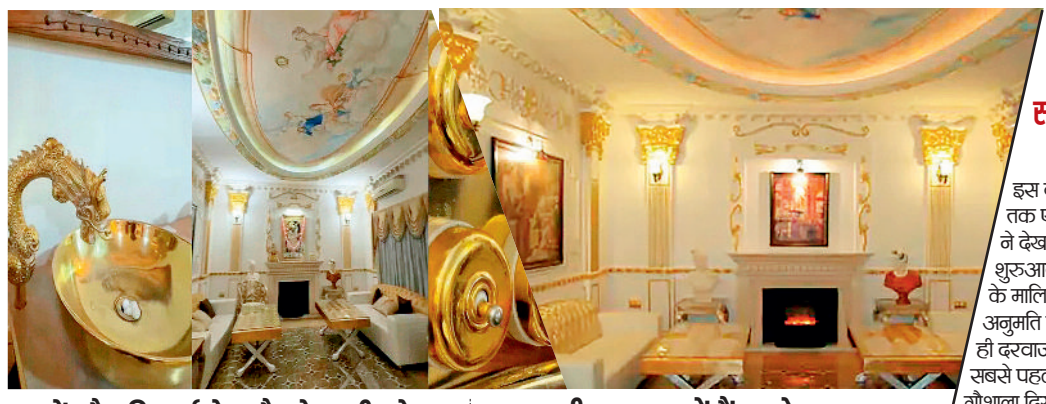

वायरल हुआ सोने के घर का वीडियो

इंस्टाग्राम कंटेंट क्रिएटर प्रियम सारस्वत आलीशान घरों के वीडियो साझा करते रहते हैं। हालांकि, इस बार उन्होंने जो वीडियो पोस्ट किया, उसे देखकर लोगों के होश उड़ गए। प्रियम इंदौर स्थित शाही घर में प्रवेश करते हैं, जो पूरी तरह से सोने से सजा है। इस घर को देखकर ऐसा लगता है कि मानो किसी राजा के महल में पहुंच गए हों। प्रियम का यह वीडियो सोशल मीडिया पर छा गया है और लोग इसे खूब पसंद कर रहे हैं।

चारों और दिखाई देता है सोना ही सोना

जब प्रियम घर के अंदर पहुंचते हैं तो उन्हें चारों तरफ सोना दिखाई देता है। वह पूछते हैं, बहुत सारा सोना दिखाई दे रहा है। इस पर मालिक जवाब देते हैं, सब असली 24 कैरेट सोना है। इस घर में कमरे की दीवारों पर बने खंबे, फर्नीचर, छत, सजावट का सामान और यहां तक की स्विच बोर्ड तक सोने के ही लगाए गए हैं। आप सुनकर हैरान हो जाएंगे कि हाथ धोने वाला सिंक भी सोने का ही बना है।

इस आलीशान घर में हैं 10 बेडरूम

इसके बाद प्रियम घर के मुख्य एरिया की ओर बढ़ते हैं, जिसमें बॉलीवुड फिल्मों से प्रेरित सीढ़ियां दिखाई देती हैं। घर के मालिक की अमीरी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पूरे घर में सोने की कई मूर्तियां नजर आती हैं। घर के मंदिर में भगवान सोने के सिंहासन पर विराजमान हैं। मालिक बताते हैं कि उनके आलीशान बंगले में 10 बेडरूम हैं, हर कमरे में बालकनी हैं और गार्डन में फव्वारा तक लगा हुआ है।

मालिक की गाड़ियों का संग्रह भी उड़ा देगा होश

इस वीडियो को अब तक एक करोड़ लोगों ने देखा है, जिसकी शुरुआत में प्रियम घर के मालिक से प्रवेश की अनुमति मांगते हैं। जैसे ही दरवाजा खुलता है, सबसे पहले उन्हें एक गौशाला दिखाई जाती है। घर के मालिक मानते हैं कि गाय पालने से सकारात्मकता आती है। इसके बाद उनका अद्भुत कार का संग्रह दिखाई देता है। कई शानदार गाड़ियां इस घर की पार्किंग की शोभा बढ़ाती हैं, जिनमें 1936 की विंटेज मर्सिडीज भी शामिल है।

रेगिस्तान में चल रही खुदाई में मिली 11 हजार साल पहले रहने वाले इंसानों की बस्ती

सऊदी अरब ने अरब प्रायद्वीप पर मिले सबसे पुराने मानव बस्ती की खोज की घोषणा की है। इसकी उम्र फिलहाल 11 हजार साल से ज्यादा बताई गई है। संस्कृति मंत्री और हेरिटेज कमीशन के अध्यक्ष प्रिंस बेदर बिन अब्दुल्ला बिन फरहान ने सोशल मीडिया एक्स पर एक बयान में इस खोज को लेकर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये खोज काफी महत्वपूर्ण है। यह खोज 'मस्यून' स्थल पर हुई है। मस्यून ताबूक क्षेत्र के उत्तर-पश्चिम में स्थित है। ये प्री-पॉटरी नियोलीथिक काल (11 हजार-10 हजार से 300 साल पहले) की है।

सऊदी हेरिटेज कमीशन के मुताबिक, यह स्थल पत्थर से बनी आवासीय संरचनाओं, अनाज पीसने वाले पत्थर के मिल्स, शेल और रत्नों से बने आभूषणों सहित मानव और पशु अवशेषों से युक्त है। यह खोज सऊदी अरब की पुरातात्विक अनुसंधान में प्रतिबद्धता को दर्शाती है और अरब प्रायद्वीप पर प्रागैतिहासिक मानव जीवन की समझ को बढ़ाने के लिए काफी है।

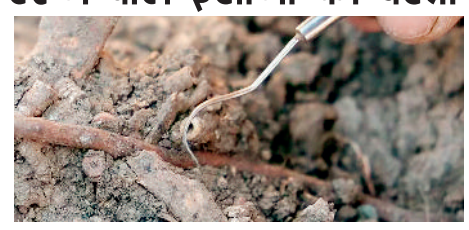

खुदाई में क्या-क्या मिला

मस्यून स्थल को पहली बार 1978 में राष्ट्रीय पुरावशेष रजिस्टर में दर्ज किया गया था। दिसंबर 2022 में यहां पर फिर से खुदाई शुरू हुई। जिस वजह से इस क्षेत्र का महत्व और भी ज्यादा बढ़ गया। मई 2024 तक पूरे हुए चार क्षेत्रीय सत्रों में अर्ध-गोलाकार पत्थर की संरचनाएं, भंडारण स्थल, रास्ते और चूल्हे मिले।

कब सूखा था ये पूरा इलाका?

वैज्ञानिकों का मानना है कि जेबेल मिस्मा और पास की 2 चट्टानों पर मिली सबसे पुरानी नक्काशी उन पहले खानाबदोश लोगों ने बनाई थी जो अंतिम हिमयुग के बाद इस इलाके में आए थे। उस हिमयुग ने इस क्षेत्र को सूखा कर दिया था पर वह लगभग 19,000 साल पहले खत्म हो गया।

कैसे की गई थी नक्काशी?

शिकारियों ने ये नक्काशी रेगिस्तानी चट्टानों पर जमी गहरे रंग की प्राकृतिक वार्निश (एक तरह की परत) को काटकर बनाई थीं जिससे नीचे का बलुआ पत्थर दिखाई दे। सबसे पुरानी नक्काशी में छोटी शैलीबद्ध महिलाओं के चित्र हैं। इन चित्रों में अक्सर उभरी हुई चित्रकारी दिखाई गई हैं।

चेरनोबिल में मिले कुत्तों के नीले रंग ने सभी को किया हैरान

चेरनोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास चमकीले नीले बालों वाले आवारा कुत्तों के एक वायरल वीडियो ने वैज्ञानिकों और सोशल मीडिया यूजर्स को हैरान कर दिया है। चेरनोबिल में आवारा जानवरों की देखभाल करने वाले समूह की ओर से शेयर की गई इस वीडियो क्लिप को अब तक 3 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। इसने 1986 की परमाणु आपदा के विचित्र परिणामों के बारे में वैश्विक जिज्ञासा को फिर से जगा दिया है।

ऐसे लगा इन कुत्तों का पता

वायरल वीडियो को लेकर कुत्तों की देखभाल करने वाले संगठन ने कहा कि नसबंदी अभियान के दौरान उन्हें ये कुत्ते अचानक दिखाई दिए। डॉग्स ऑफ चेरनोबिल ने इंस्टाग्राम पर लिखा, हमें 3 कुत्ते मिले जो पूरी तरह से नीले रंग के थे। हमें ठीक से समझ नहीं आ रहा कि क्या हो रहा है। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि यही कुत्ते एक सप्ताह पहले तक सामान्य दिख रहे थे, जिससे रहस्य और गहरा गया।

विशेषज्ञों ने किया यह दावा

विशेषज्ञों का मानना है कि यह चटक नीला रंग आनुवंशिक होने की संभावना नहीं है। उन्हें संदेह है कि रासायनिक संपर्क- संभवतः कोबाल्ट, कॉपर सल्फेट या अन्य औद्योगिक अपशिष्ट के कारण कुत्तों के बालों पर दाग लगे होंगे। इसी तरह के यौगिक दूषित मिट्टी या पानी के संपर्क में आने पर चटक रंग उत्पन्न करते हैं। जब तक जानवरों को पकड़कर उनका परीक्षण नहीं किया जाता, तब तक यह रहस्य अनसुलझा ही रहेगा।

88 करोड़ लग सकती है कीमत

न्यूयॉर्क में नीलाम होने वाला है 101 किलो सोने का शौचालय पॉट

शौचालय पॉट हर घर की जरूरत होता है, जो आम तौर पर चंद हजार रुपये में मिल जाता है। ज्यादातर शौचालय पॉट सिरेमिक या चीनी मिट्टी से बने होते हैं। हालांकि, क्या आपने कभी सोने का शौचालय पॉट देखा है? जी हां, कुछ लोग इतनी महंगी धातु का शौचालय पॉट भी इस्तेमाल करते हैं। अब ऐसा ही सोने का एक शौचालय पॉट न्यूयॉर्क में नीलाम होने वाला है। आइए इसकी नीलामी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

कब होगी इसकी नीलामी : यह दुनिया का सबसे कीमती शौचालय पॉट हो सकता है, जिसकी नीलामी का आयोजन 'सोथबी' करवा रहा है। नीलामीघर ने इसकी आधिकारिक घोषणा 31 अक्टूबर यानि शुक्रवार को की थी। इसे इतालवी कलाकार मौरिजियो कैटेलन ने बनाया था और इसे 'अमेरिका' शीर्षक दिया था। इसकी नीलामी 18 नवंबर को होने वाली है और इसकी अनुमानित कीमत जानकर आपके होश उड़ जाएंगे। यह 88 करोड़ रुपये तक की कीमत पर बिक सकता है।

शौचालय पॉट को बनाने में लगा 101.2 किलो सोना

यह शौचालय पॉट केवल सजावट के लिए नहीं बनाया गया। यह पूरी तरह काम करता है और असल में इस्तेमाल भी किया जा सकता है। इसे बनाने में 101.2 किलोग्राम यानि 223 पाउंड सोने का इस्तेमाल किया गया था। इसे कैटेलन ने एक कलाकृति के रूप में बनाया था, जो उनके मुताबिक 'अत्यधिक धन' का व्यंग्य करता है। 2016 में इसके 2 संस्करण बनाए गए थे, जिनमें से बिकने वाला 2017 से एक अनाम संग्रहकर्ता के पास था।

ऐसा म्यूजियम जहां दीवारों पर सजे हैं हजारों महिलाओं के कटे बाल

दुनिया में आपको तरह-तरह के म्यूजियम देखने को मिल जाएंगे। यहां न तो पेंटिंग्स हैं और न ही दुर्लभ मूर्तियां, बल्कि दीवारों पर टंगे हैं हजारों महिलाओं के बाल। यही वजह है कि इसे हेयर म्यूजियम ऑफ अवनोस के नाम से पूरी दुनिया जानती है। चलिए जानते हैं इसकी कहानी। इस म्यूजियम की नींव करीब 35 साल पहले पड़ी थी। अवनोस शहर के रहने वाले गैलीप, जिन्हें लोग चेज गैलीप के नाम से भी जानते हैं, वो पेशे से पॉटरी आर्टिस्ट थे। उनके वर्कशॉप में एक फ्रांसीसी महिला आईं, जो कुछ समय के लिए तुर्किए में रह रही थीं। दोनों के बीच गहरी दोस्ती

हुई, लेकिन जब महिला को वापस लौटना पड़ा तो उसने एक याद छोड़ने के लिए अपने बाल काटकर वर्कशॉप की दीवार पर टांग दिए। उस दिन से शुरू हुई यह परंपरा धीरे-धीरे एक अनोखी परंपरा में बदल गई।

पर्यटक भी करने लगे परंपरा का पालन

फ्रांसीसी महिला की कहानी सुनने के बाद जो भी महिला इस वर्कशॉप में आती, वो भी अपनी एक लट काटकर दीवार पर टांग जाती। धीरे-धीरे गैलीप की यह वर्कशॉप हजारों बालों से सजने लगी और देखते ही देखते यह जगह एक हेयर म्यूजियम के रूप में मशहूर हो गई। आज यहां 16,000 से ज्यादा महिलाओं के बाल दीवारों और छत से लटकते नजर आते हैं। इन बालों में हर महिला का नाम और उसका पता भी लिखा होता है, जिससे ये केवल एक अजीब संग्रह ही नहीं बल्कि यादों का खजाना भी बन गया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com